ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

कांग्रेस के त्याग और बलिदान ने आधुनिक भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका . @नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । रविवार, 27 अप्रैल, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ :14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-115

पाकिस्तान के साथ-साथ बांग्लादेश से भी जुड़े पहलगाम हमले के तार

हमले के बाद यूनुस के मंत्री लश्कर सरगना से मिले

नई दिल्ली, 26 अप्रैल (एजेंसियां)।

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले और हिंदुओं के नरसंहार के फौरन बाद बांग्लादेश सरकार के कानून मंत्री डॉ. आसिफ नजरुल ने लश्करे तैयबा के बांग्लादेश के सरगना हारुन इजहार से गोपनीय मुलाकात क्यों की, इसे लेकर खुफिया एजेंसियों ने भारत सरकार को आगाह किया है। खुफिया एजेंसियों का मानना है कि पहलगाम हमले में पाकिस्तान के साथ-साथ बांग्लादेश की भी भूमिका है। बांग्लादेश सरकार के कानून मंत्री और लश्कर सरगना की गोपनीय बैठक ढाका स्थित कानून मंत्रालय के दफ्तर में हुई। खुफिया एजेंसियों की यह सूचना न केवल भारत बल्कि पूरे दक्षिण एशिया के सुरक्षा गलियारे में सनसनी फैलाने वाली सूचना है।

लश्कर सरगना और बांग्लादेश के कानून मंत्री की गोपनीय बैठक होने की आधिकारिक पुष्टि हो चुकी है। इस मुलाकात ने विनाशकारी पहलगाम हमले के परिप्रेक्ष्य में बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस से लेकर कानून मंत्री डॉ. आसिफ नजरुल एवं अन्य उच्च पदस्थ हस्तियों और कट्टरपंथी चरमपंथियों के बीच मिलीभगत की भी पुष्टि की है। लश्करे तैयबा का बांग्लादेशी सरकना हारुन इजहार वर्ष 2009 में ढाका स्थित भारतीय दूतावास को बम से उड़ाने के षडयंत्र में शामिल था। वह लंबे समय से हिफाजत-ए-इस्लाम बांग्लादेश से भी जुड़ा हुआ है, जो एक अति-रूढ़िवादी इस्लामी समूह है, जिसका विभिन्न रूपों में कट्टरपंथ को भड़काने का रिकॉर्ड है। इजहार ने तौहीदी जनता और कारा मुक्ति आंदोलन जैसे उग्रवादी मोर्चों के बैनर तले

पहलगाम नरसंहार के बाद ढाका में हुई गोपनीय बैठक

कानून मंत्रालय के ढाका दफ्तर आया लश्कर सरगना

भी काम किया है, जिन्होंने लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को खत्म करने और धार्मिक विद्रोह भड़काने की कोशिश की है। बांग्लादेश के कानून मंत्री से मिलने के कुछ ही देर पहले लश्कर सरगना ने अपने फेसबुक अकाउंट पर विवादास्पद संदेश पोस्ट किया, जिसमें भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल पर पहलगाम हत्याकांड की साजिश रचने का उसने आरोप लगाया। यह पाकिस्तान की शैतानी पर पर्दा डालने की सोची-समझी करतूत थी, जिसके बारे में बांग्लादेश सरकार पहले से जानती थी। बांग्लादेश में सुरक्षा अधिकारियों ने कानून मंत्री और लश्कर सरगना के बीच हुई बैठक की निगरानी की और उसे रिकॉर्ड भी किया, लेकिन उसे गोपनीय रखा गया है। लश्कर सरगना इजहार की कट्टरपंथी गतिविधियां बांग्लादेशी सीमाओं से कहीं आगे और बाहर तक फैली हुई हैं। 26/11 मुंबई हमलों के एक योजनाकार डेविड कोलमैन हेडली से पूछताछ के बाद अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने उसे भी चिन्हित किया था।

2013 में इजहार को उसके मदरसे में एक घातक ग्रेनेड विस्फोट के बाद गिरफ्तार किया गया था, जिसमें तीन लोग मारे गए थे और विस्फोटकों का जखीरा बरामद हुआ था। पाकिस्तान में अपनी शिक्षा के दौरान इजहार ने लश्कर के प्रमुख नेताओं के साथ गहरे संबंध बनाए, जिससे बाद में उसे हिफाजत-ए-इस्लाम के गुटों को कट्टरपंथी बनाने में मदद मिली। उसके वैचारिक प्रभाव ने इन समूहों को धार्मिक उग्रवाद के साधन में बदल दिया। वह कई बड़ी लामबंदी के पीछे भी था, जिसमें 2021 में प्रधानमंत्री मोदी की ढाका यात्रा के दौरान हिंसक विरोध प्रदर्शन शामिल हैं, जिसमें व्यापक अशांति देखी गई थी। बांग्लादेश के पूर्व सूचना मंत्री मोहम्मद अराफात ने बांग्लादेश के वर्तमान राजनीतिक माहौल के बारे में गंभीर आशंका व्यक्त की है। उन्होंने कहा, मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार कट्टरपंथ को बढ़ावा दे रही है। जब प्रशासन में सलाहकार की भूमिका निभाने वाले डॉ. नजरुल जैसे व्यक्ति चरमपंथी सरगना के साथ मिलते-जुलते हैं, तो यह कट्टरपंथ की ओर एक खतरनाक संस्थागत बदलाव का खुला संकेत है। ▶10पर

यूनुस सरकार की हरकतों के खिलाफ तेजी से उठी मांग

बांग्लादेश को गंगा का पानी देना बंद करो

नई दिल्ली, 26 अप्रैल (एजेंसियां)।

पहलगाम हमले के बाद भारत सरकार द्वारा सिंधु जल संधि स्थगित किए जाने के बाद अब बांग्लादेश के साथ भी गंगा जल करार तोड़ने की मांग हो रही है। भाजपा के स्पष्टवादी सांसद निशिकांत दुबे ने भारत सरकार से यह मांग करते हुए कहा है कि बांग्लादेश भी भारत और हिंदुओं के खिलाफ लगातार हिंसा फैलाने में लगा है और पाकिस्तान के साथ साठगांठ कर आतंकवाद का नया भू-राजनीतिक समीकरण खड़ा कर रहा है। लिहाजा, बांग्लादेश को भी गंगा से मिल रहा पानी बंद होना चाहिए और उसके साथ गंगा जल करार तत्काल प्रभाव से रद्द किया जाना चाहिए।

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कहा, पाकिस्तान की शह पर बांग्लादेश भी बहुत छटपटा रहा है, उसका भी गंगा नदी का पानी बंद करने का समय आ गया है। हमारा पानी पीकर जीएगा और पाकिस्तान का गाना गाएगा। यह अब नहीं चलेगा। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम स्थित बैसरन घाटी में पर्यटकों का धर्म पूछ कर उन्हें मारे जाने की घटना के बाद पूरे देश में आक्रोश है। भारत सरकार ने पाकिस्तान के खिलाफ सख्त कदम उठाए हैं। इन सब के

एक साल में खत्म हो जाएगा गंगा संधि का समय

बीच, बांग्लादेश की हरकतें भी सामने आ रही हैं। इसलिए अब बांग्लादेश के खिलाफ भी सख्त एक्शन लेने की मांग की जा रही है। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने तो यहां तक कहा कि पापियों को गंगा जल पिलाने का क्या औचित्य है? निशिकांत दुबे ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के कानूनी सलाहकार आसिफ नजरुल और लश्कर-ए-तैयबा के सरगना हारुन इजहार से मुलाकात का हवाला देते हुए भारत सरकार से मांग की है कि बांग्लादेश को गंगा का पानी देना तत्काल रोका जाए।

उल्लेखनीय है कि बांग्लादेश को पानी देने को लेकर 1996 में भारत और बांग्लादेश के बीच गंगाजल संधि हुई थी। यह संधि 30 साल के लिए हुई थी। इस संधि के तहत भारत और बांग्लादेश ने फरक्का बैराज में गंगा नदी के पानी को साझा करने पर सहमति जताई थी। यह बैराज 1975 में बनाया गया था। इस संधि के तहत भारत बैराज में कितना पानी छोड़ेगा इसकी मात्रा तय की गई थी। हालांकि, अब बैराज में पानी की कमी हो रही है। इसकी वजह से बांग्लादेश को पानी की कमी का भी सामना करना पड़ रहा है। बांग्लादेश भारत पर बार-बार आरोप लगाता रहा है कि वह जानबूझकर बैराज से कम पानी छोड़ रहा है। इस संधि के मुताबिक अगर पानी की उपलब्धता 75,000 क्यूसेक बढ़ती है तो भारत के पास 40,000 क्यूसेक पानी लेने का पूरा अधिकार रहेगा। अगर फरक्का बैराज में 70,000 क्यूसेक से कम पानी है तो फिर बहाव को दोनों देशों के बीच बांटा जाएगा।

अगर बहाव 70,000 से 75,000 क्यूसेक तक रहता है तो फिर बांग्लादेश को 35,000 क्यूसेक पानी दे दिया जाएगा। इस समझौते की अवधि 30 साल की है। अब यह कुछ ही वक्त में संधि की अवधि भी खत्म होने वाली है।

कश्मीर घाटी में छिपे दुश्मन बेनकाब

जारी हुई 14 स्थानीय आतंकवादियों की लिस्ट

पाकिस्तान के आतंकियों को दे रहे थे मदद

श्रीनगर, 26 अप्रैल (एजेंसियां)।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद जम्मू कश्मीर में सक्रिय 14 स्थानीय आतंकियों की सूची सुरक्षा एजेंसियों ने जारी की है। इन आतंकियों में से प्रत्येक ने पाकिस्तान से आए बाहरी आतंकियों को रहने की जगह, भोजन और चिकित्सा सहायता प्रदान की है।

इन 14 आतंकियों की उम्र 20 से 40 वर्ष के बीच है। ये सभी तीन बड़े पाकिस्तान समर्थित आतंकी संगठनों, हिजबुल मुजाहिदीन, लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े हैं। इनमें से तीन आतंकी हिजबुल, आठ लश्कर-ए-तैयबा और तीन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े हैं। सुरक्षा बलों की तरफ से जारी हुई लिस्ट में शामिल हैं 1. आदिल रहमान डेंटू (21) - 2021 से लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा, सोपोर जिले का कमांडर, 2. आसिफ अहमद शेख (28) - जैश-ए-मोहम्मद का आतंकी, अवंतीपोरा जिले का कमांडर, 3. एहसान अहमद शेख (23) - पुलवामा में सक्रिय लश्कर-ए-तैयबा आतंकी, 4. हारिस नजीर (20) - लश्कर-ए-तैयबा से 2023 से जुड़ा, पुलवामा निवासी, 5. आमिर नजीर वानी (20) - पुलवामा में सक्रिय, 2024 से जैश-ए-मोहम्मद से जुड़ा, 6. यावर अहमद भट - पुलवामा निवासी, 2024 से जैश-ए-मोहम्मद से जुड़ा, 7. आसिफ अहमद खंडे (24) - शोपियां निवासी, ▶10पर

भारतीय मीडिया को जिम्मेदार होने की दी गई सीख

सैन्य अभियान की लाइव-कवरेज पर रोक

नई दिल्ली, 26 अप्रैल (एजेंसियां)।

भारत सरकार ने गैर-जिम्मेदार मीडिया को जिम्मेदारी से अपना काम करने की सीख दी है। किसी भी सैन्य ऑपरेशन की लाइव-कवरेज पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी गई है, ताकि शत्रुओं को इससे फायदा न पहुंचे। पहलगाम में हुए भीषण आतंकी हमले के चार दिन बाद शनिवार 26 अप्रैल को भारत के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने सभी मीडिया चैनलों के लिए दिशा-निर्देश जारी किया है। इसमें कहा गया है कि रक्षा तथा अन्य सुरक्षा से संबंधित अभियानों की रिपोर्टिंग करते समय मौजूदा कानूनों और नियमों का सख्ती से पालन करें। किसी भी सैन्य ऑपरेशन की लाइव कवरेज (रियल टाइम) न करने के लिए कहा गया है। साथ ही निर्देश दिया गया है कि सूत्रों के हवाले से सैन्य ख़बरें न चलाएं।

मंत्रालय ने मीडिया से कहा है कि सैन्य अभियानों की लाइव कवरेज शत्रुओं की सहायता कर सकती है और अभियान के प्रभाव को कम कर सकती है। संवेदनशील जानकारियां सार्वजनिक न हों, इसीलिए ये

शत्रुओं को फायदा न पहुंचाए मीडिया

क़दम उठाया गया है। कारगिल हमला, 26/11 मुंबई हमला और कंधार हाईजैक की घटनाओं के समय देश को मीडिया की पल-पल की लाइव कवरेज का नुकसान उठाना पड़ा था। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने कहा है कि किसी भी आतंक विरोधी अभियान जिसमें सुरक्षा बल शामिल हों, उसका लाइव कवरेज न किया जाए। प्रेस ब्रीफिंग तक ही ख़बरों को सीमित रखा जाए। ऐसा न करने की स्थिति में कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। रिपोर्टिंग के लिए संवेदनशीलता व सतर्कता बनाए रखने के लिए कहा गया है।

भारत सरका ने सभी मीडिया चैनलों को राष्ट्रीय सुरक्षा के हित समझने और उसके अनुरूप आचरण करने की अपेक्षा की है। मंत्रालय द्वारा जारी परामर्श में कहा गया है कि राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में सभी मीडिया प्लेटफॉर्म, समाचार एजेंसियों और सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं को रक्षा और अन्य सुरक्षा संबंधी अभियानों से संबंधित मामलों पर रिपोर्टिंग करते समय अत्यधिक जिम्मेदारी और मौजूदा कानूनों और विनियमों का सख्ती से पालन करना चाहिए। पिछली घटनाओं को रेखांकित करते हुए परामर्श में कहा गया है कि रक्षा अभियानों या आवाजाही से संबंधित स्रोत-आधारित जानकारी के आधार पर कोई वास्तविक समय कवरेज, दृश्यों का प्रसार या रिपोर्टिंग नहीं की जानी चाहिए। संवेदनशील जानकारी का समय से पहले खुलासा होने से सुरक्षा कर्मियों की ▶10पर

पाकिस्तान की करतूत पर अफगानिस्तान नाराज

निर्दोष पर्यटकों के हत्यारों को सख्त सजा दे भारत

काबुल/नई दिल्ली, 26 अप्रैल (एजेंसियां)।

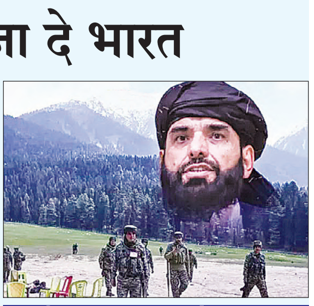

तालिबान हुकूमत ने जताया भारत के प्रति समर्थन

कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की निंदा करते हुए तालिबान ने भारत के प्रति अपना समर्थन जताया है। अफगानिस्तान की सत्ता पर काबिज तालिबान के बड़े नेता सुहैल शाहीन ने पहलगाम हमले पर अपने बयान में पाकिस्तान को आईना दिखाते हुए कहा कि इस घटना के दोषियों को न्याय के कटघरे में लाकर उन्हें सख्त से सख्त सजा मिलनी चाहिए। पहलगाम में पर्यटकों को निशाना बनाते हुए 22 अप्रैल को किए गए आतंकी हमले में 25 भारतीय और एक नेपाली नागरिक मारे गए। इस हमले ने भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव को काफी ज्यादा बढ़ा दिया है।

तालिबान के दोहा स्थित राजनीतिक कार्यालय के प्रमुख और कतर के लिए अफगानिस्तान के नामित राजदूत सुहैल शाहीन ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़े शब्दों में निंदा की है। सुहैल ने कहा कि इस घटना की व्यापक जांच होनी चाहिए ताकि असली दोषियों को खोजकर उन्हें न्याय के कटघरे में लाया जा सके। अफगानिस्तान की तालिबान सरकार के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अब्दुल कहर बल्खी ने भी पहलगाम हमले पर बयान दिया है। उन्होंने कहा कि इस तरह की घटनाएं क्षेत्रीय सुरक्षा और स्थिरता के प्रयासों को कमजोर करती हैं। ऐसे में जरूरी है कि इसके दोषियों को सजा मिले ताकि ▶10पर

शेयर मार्केट

बीएसई : 79,212.53
-588.90 -0.74% ↓
एनएसई :24,039.35
-207.35 (-0.86%) ↓

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 36^0
न्यूनतम : 25^0

बांग्लादेशी-रोहिंग्या घुसपैठियों के खिलाफ अभियान तेज

अहमदाबाद और सूरत में हजार घुसपैठिए पकड़े गए

कर्णावती, 26 अप्रैल (एजेंसियां)।

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद केंद्र सरकार द्वारा पाकिस्तानियों को देश छोड़ने का अल्टीमेटम दिए जाने के बाद देशभर में पाकिस्तानियों एवं बांग्लादेशी घुसपैठियों की तलाश का अभियान तेज हो गया है। गुजरात सरकार ने अवैध रूप से रह रहे पाकिस्तानियों के साथ-साथ बांग्लादेशी घुसपैठियों को भी पकड़ कर वापस उनके देश भेजना (डिपोर्ट करना) शुरू कर दिया है।

सूरत में 134 से ज्यादा और अहमदाबाद में 890 विदेशियों को दबोचा गया। गुजरात के गृह विभाग ने सबसे पहले गुजरात में रहने वाले पाकिस्तानियों का डेटा खंगालना शुरू किया और एक लिस्ट तैयार किया। इस लिस्ट

असम में भी पकड़े गए पाकिस्तानी चमचे

के मुताबिक, गुजरात में 438 लॉन्ग-टर्म वीजा वाले पाकिस्तानी मौजूद हैं। जिनमें से अहमदाबाद में सबसे ज्यादा 77, सूरत में 44 और कच्छ में 50 पाकिस्तानी रह रहे हैं। गुजरात में शॉर्ट-टर्म वीजा पर 7 पाकिस्तानी हैं, जिसमें से 5 अहमदाबाद में और अन्य 2 में से एक भरूच और एक बड़ौदा में हैं। इन सभी को गुजरात से डिपोर्ट करने का काम शुक्रवार से ही शुरू कर दिया गया है। इस बारे में गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी ने सूरत में मीडिया से बातचीत करते हुए यह बयान भी दिया है कि अब पाकिस्तानियों को भारत छोड़ना ही पड़ेगा। गुजरात पुलिस ने विदेशियों को खंगालने के लिए सूरत में शुक्रवार देर रात से कार्रवाई शुरू कर दी। जिसके तहत सूरत में रात 12 बजे से सुबह 6 बजे तक सर्च ऑपरेशन कर घुसपैठियों को धर दबोचा गया। इस कार्रवाई के बारे में गुजरात के डीजीपी विकास सहाय ने कहा कि गुजरात पुलिस ने लंबे अरसे से गुजरात में ▶10पर

विधायक समेत आठ पाकिस्तानी चमचे गिरफ्तार

गुवाहाटी, 26 अप्रैल (एजेंसियां)।

असम में विपक्षी विधायक अमीनुल इस्लाम को पहलगाम हमले को सरकार की साजिश बताने और पाकिस्तानपरस्त राग अलापने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। सात अन्य पाकिस्तानी चमचों को भी हिरासत में लिया गया है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने कहा कि उन सभी पर कार्रवाई की जाएगी जो आतंकी हमले के बाद किसी भी तरह से पाकिस्तान का समर्थन कर रहे हैं। इस तरह के लोगों की गिरफ्तारी आगे भी चलती रहेगी। उन्होंने एक्स पर लिखा, असम ऐसे किसी भी व्यक्ति को बर्दाश्त नहीं करेगा, जो प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से पाकिस्तान का समर्थन करता हो। 23 अप्रैल को विपक्षी पार्टी ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट के विधायक अमीनुल इस्लाम ने दावा किया कि 14 फरवरी 2019 में पुलवामा में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल पर हुआ हमला और ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

जेएलडब्ल्यू द्वारा स्नो स्पोर्ट्स ओलंपिक का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जेएलडब्ल्यू (जीतो महिला विंग) बेंगलूरु नॉर्थ द्वारा गुरुवार को स्नो स्पोर्ट्स ओलंपिक कार्यक्रम का आयोजन स्नो सिटी में किया गया।

इस आयोजन में 100 से अधिक सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। खेल वर्टिकल के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम की संयोजक साधना धोका और सह-संयोजक मोना आंचलिया थीं, जिन्होंने पूरी टीम के साथ कार्यक्रम की सभी व्यवस्थाओं को सफलतापूर्वक संभाला। कार्यक्रम की शुरुआत नवकार महामंत्र से हुई, जिसके पश्चात संचालन जेएलडब्ल्यू बेंगलूरु नॉर्थ की मुख्य सचिव रक्षा छाजेड़ ने किया।

अध्यक्ष लक्ष्मी ने सभी का स्वागत करते हुए प्रेरणादायक शब्दों से सभी का मनोबल बढ़ाया। इस कार्यक्रम की मुख्य विशेषता कॉमनवेल्थ टेनपिन बॉलिंग चैंपियनशिप (2011, मलेशिया व 2016) में दो बार कांस्य पदक विजेता, आकाश अशोक कुमार की उपस्थिति रही। उन्होंने खेलों को जीवन का अहम हिस्सा मानते हुए, प्रतिभागियों को खेल के प्रति प्रेरित किया और अपने अनुभवों से सभी को रूबरू कराया। उन्होंने अपने जीवन की संघर्षगाथा साझा करते हुए बताया कि कैसे उन्होंने जैन मूल्यों का पालन करते हुए, कठिनाइयों के बावजूद अपने पैशन को बनाए रखा। साथ ही उन्होंने यह भी घोषणा की कि बहुत जल्द वे बॉलिंग खेल की कोचिंग प्रारंभ करेंगे, जो अब तक उपलब्ध नहीं थी। उनका परिचय मोना आंचलिया ने कराया। कार्यक्रम में गर्मी से बचें, आराम महसूस करें की थीम के तहत, सभी सदस्यों ने परीक्षा के तनाव के बाद स्नो सिटी में खेल और गतिविधियों का भरपूर आनंद लिया।

इस आयोजन ने सभी को तर-ोताजा करने के साथ-साथ आपसी संबंधों को भी मजबूत किया। प्रतिभागियों ने न केवल उत्कृष्ट खेल कौशल का प्रदर्शन किया बल्कि कई नए मित्र भी बनाए।

इस अवसर पर प्रमुख अतिथियों में बिंदु रायसोनी (जेएलडब्ल्यू हाउसहोल्ड बिजनेस मॉडल की शीर्ष संयोजक), मधु डोशी (पूर्व अध्यक्ष) तथा कमेटी सदस्य नीता गादिया, नंदा बाफना और संगीता मुथा उपस्थित रहीं।

महिला उद्यमी करियर विकास कार्यक्रम का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बीजेएस महिला चैप्टर बेंगलूरु द्वारा शुक्रवार को सेक्रेड हार्ट डिग्री कॉलेज, जीवन बीमा नगर, बेंगलूरु में दोपहर 2 बजे से 4 बजे तक करियर कम्पास – महिला उद्यमी करियर विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस शानदार सत्र से 200 से अधिक छात्राओं को लाभ मिला। उन्होंने विभिन्न व्यवसाय और करियर विकल्पों के बारे में जाना जो उनकी रुचियों के अनुकूल हैं। हितेश गिरीया ट्रेनर रहे, जिन्होंने छात्राओं को एक बहुत ही रोचक और इंटरएक्टिव सत्र में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। सभी शिक्षक और छात्राएं इस कार्यक्रम को लेकर बेहद खुश और उत्साहित दिखे। डिवीजन हेड वीणा कोठारी, प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर नीता सलेचा और अध्यक्ष नेहा चौधरी की उपस्थिति में यह करियर डेवलपमेंट कार्यक्रम अत्यंत उत्साही माहौल में संपन्न हुआ।

मुमुक्षु दिव्या भलघट का बहुमान

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ (कर्नाटक) बेंगलूरु के तत्वावधान में सामायिक स्वाध्याय भवन के प्रांगण में मुमुक्षु दिव्या भलघट का बहुमान, अभिनन्दन एवं संघ द्वारा खोल भराई का कार्यक्रम आयोजित किया गया। अध्यक्ष निर्मल कुमार बम्ब ने सभी आगंतुकों का स्वागत अभिनन्दन किया।

अध्यक्ष और मंत्री भरत सांखला की आज्ञा से पूर्व मंत्री गौतम चंद ओस्तवाल ने कार्यक्रम के संचालन की बागडोर संभाली। मंगलाचरण श्राविका मंडल की अध्यक्षा प्रभा गुलेच्छा ने प्रस्तुत किया। वरिष्ठ स्वाध्यायी सुश्रावक नवरतन मल भन्साली ने दीक्षार्थी एवं संयमी जीवन की महिमा का बखान किया। गौतमचन्द ओस्तवाल ने मुमुक्षु का संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत किया।

मुमुक्षु बहन की जैन भागवती दीक्षा दिनांक 5 जून 2025 को आचार्य भगवंत हीराचंद्र जी एवं भावी आचार्य भगवंत महेन्द्र मुनि के मुखारबिंद से महासती ज्ञानलता जी के सिंघाड़े में सूर्यनगरी जोधपुर राजस्थान में होगी। मुमुक्षु बहन का स्वागत श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ, श्राविका मंडल एवं युवक परिषद द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस पावन अवसर पर कृष्णराज पुरम, राममूर्ति नगर, राजाजी नगर, श्रीरामपुरम, शान्ति नगर, शुले, विजय नगर, हलसुर, मल्लेश्वरम, विलसन गार्डन, कामनहल्ली, यलगुंडपालयम, मंजूनाथ नगर, लक्ष्मीनारायनपुरम, हनुमन्त नगर, बसवंगुड़ी, दोमलूर इत्यादि अनेक संघों की गरिमामय उपस्थिति के साथ बेंगलूरु संघ की भी उपस्थिति रही। श्राविका मंडल द्वारा समूह गान की प्रस्तुति के पश्चात मुमुक्षु बहन ने प्रभावी उद्‌बोधन से मंत्रमुग्ध कर दिया और जोधपुर दीक्षा प्रसंग पर आमंत्रित किया। संघ के पूर्व अध्यक्ष पदमराज मेहता एवं नरेंद्र भण्डारी, छगनलाल लुणावत, सुशीला भण्डारी, प्रमिला भण्डारी, वैजयंती मेहता, चंद्रप्रभा मेहता ने खोल भरने में संघ के सभी पदाधिकारियों के साथ हाथ बंटाया।

महाश्रमण आर्ट गैलरी कार्यक्रम का सफल आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् के निर्देशन में तेरापंथ युवक परिषद् बेंगलूरु (आर) द्वारा महाश्रमण आर्ट गैलरी कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन तेरापंथ सभा भवन, गांधीनगर में किया गया।

प्रदर्शनी का शुभारंभ प्रातः 10 बजे नमस्कार महामंत्र के साथ हुआ तथा प्रदर्शनी 11 बजे तक चली। इस अवसर पर शाखा प्रभारी अमित दक की विशेष उपस्थिति रही, जिन्होंने कलाकारों का उत्साहवर्धन किया।

आर्ट गैलरी में सभी प्रतिभागियों ने अपने सृजनात्मक कौशल का परिचय देते हुए अपने आराध्य आचार्य महाश्रमण जी की विभिन्न मुद्राओं को अपनी कला के माध्यम से सुंदर चित्रों में प्रस्तुत किया।

रंगों और रचनात्मकता का अद्भुत संगम देखने को मिला, जिसने सभी उपस्थितजनों को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रथम पुरस्कार मीनाक्षी बैद, द्वितीय पुरस्कार रणजीता धारीवाल तथा तृतीय पुरस्कार गुनगुन आच्छा को प्रदान किया गया। सभी प्रतिभागियों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का कुशल संयोजन पूरब चोपड़ा ने किया। संयोजक ने सभी प्रतिभागियों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार सहयोग बनाए रखने की आशा व्यक्त की। कार्यक्रम में नीता गादिया का भी विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में मुख्य रूप से तेरापंथ सभा गांधीनगर के अध्यक्ष पारसमल भंसाली, मंत्री विनोद छाजेड़, तेयुप अध्यक्ष विमल धारीवाल, उपाध्यक्ष प्रसन्न धोका, मंत्री राकेश चोरड़िया, सह मंत्री प्रतीक जोगड़, आईपीपी रजत बैद तथा परिषद् सदस्य रोहित कोठारी आदि उपस्थित रहे।

करियर कम्पास सत्र का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बीजेएस वी.वी. पुरम चैप्टर द्वारा हाइक ड्रीम ट्यूटोरियल, चामराजपेट में सफलतापूर्वक करियर कम्पास सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें प्रत्येक कार्यक्रम में लगभग 50 छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

करियर कम्पास सत्र शाम 4 बजे से 6 बजे तक आयोजित किया गया, जिसे हितेश छाजेड़ द्वारा संचालित किया गया। इस सत्र में छात्रों के साथ सक्रिय और सार्थक संवाद देखने को मिला। इस मौके पर क्षेत्रीय हेड सुरेश कनूंगा, अध्यक्ष सारिका लुंकड़, सचिव रेशमा बडोला, प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर्स मोनिका पलरेचा, स्नेहा गौरव संचेती एवं ईशा वोहरा भी मौजूद थी। प्रवीण लुंकड़ एवं हाइक ड्रीम ट्यूटोरियल के पर्वेश जैन के प्रति आभार जताया गया। इस अवसर पर द्वितीय पीयूसी परीक्षा में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। यह आयोजन प्रेरणादायक और प्रभावशाली रहा।

एक शाम महाप्रज्ञ के नाम भक्ति संध्या का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। युग-प्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी के विद्वान सुशिष्य डॉ. मुनि पुलकित कुमारजी एवं मुनि आदित्य कुमार जी के मंगल सानिध्य में आचार्य श्री महाप्रज्ञजी के 16वें महाप्रयाण दिवस पर श्रद्धार्पण समारोह का आयोजन तेरापंथ उपसभा बिड़दी द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ. मुनि पुलकित कुमार जी ने कहा आचार्य महाप्रज्ञ मेरे परम उपकारी संयम दाता गुरु है। महाप्रज्ञ द्वारा विश्व को प्रेक्षा ध्यान का अवदान कल्याणकारी साबित हुआ है। आचार्य महाप्रज्ञ एकमात्र ऐसे जैनाचार्य थे जिनके चरणों में जन्मदिन मनाने स्वयं राष्ट्रपति अब्दुल कलाम तीन बार आए थे। उन्होंने शांति की मिसाइल बनाने का संकल्प लिया था। एक शाम महाप्रज्ञ के नाम भक्ति संध्या के अंतर्गत नचिकेता मुनि आदित्य कुमार जी ने बहुत सुन्दर गीतों का अपने स्वर में संगान किया। प्रेक्षा संगीत सुधा की टीम के अशोक सुराणा और उनके सहवर्तियों ने महाप्रज्ञ की भक्ति में रोचक प्रस्तुतियां दी। इमरत लाल देवड़ा के निवास स्थान मधुबन में समायोजित कार्यक्रम में सकल जैन समाज बिड़दी के श्रावक समाज उपस्थित थे। मुनि का प्रवास 2 दिन का बहुत प्रभावशाली रहा। कार्यक्रम के अंत में दिलखुश दक, तेरापंथ सभा अध्यक्ष कुशल चंद देवड़ा ने प्रेक्षा संगीत सुधा टीम का आभार जताया। वर्षितप आराधिका तपस्विनी संगीता जितेश देवड़ा का सकल जैन समाज की तरफ से सम्मान किया गया। उपासक महेंद्र दक ने विचार प्रकट किये।

भाजपा ने स्मार्ट मीटर की 'अत्यधिक' लागत को लेकर कांग्रेस सरकार की आलोचना की

हाईकोर्ट की फटकार का हवाला दिया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कांग्रेस के नेतृत्व वाली कर्नाटक सरकार पर तीखा हमला करते हुए, राज्य भाजपा ने शनिवार को अनिवार्य स्मार्ट मीटर स्थापना योजना को तत्काल वापस लेने की मांग की। इसे जनविरोधी उपाय बताया और सरकार पर नागरिकों से 10,000 रुपये तक की अधिक दर वसूलने का आरोप लगाया। राज्य भाजपा अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र ने कहा कि कर्नाटक उच्च न्यायालय ने स्मार्ट मीटर डिजिटलीकरण की आड़ में गरीबों पर अनुचित वित्तीय बोझ डालने के लिए कांग्रेस सरकार की कड़ी आल-ोचना की थी। उन्होंने कहा कांग्रेस सरकार ने गृह ज्योति नामक अपनी एक गारंटी योजना के माध्यम से सभी को 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली प्रदान करने की अवास्तविक गारंटी दी थी, लेकिन पात्रता के लिए कई शर्तें लगाई थीं। विजयेंद्र ने कहा हालांकि, योजना के लागू होने के बाद, जब ऊर्जा विभाग दिवालिया होने के कगार पर पहुंच गया, तो सरकार ने संकट का समाधान करने के बजाय बिजली दरों में लगातार वृद्धि करके उपभोक्ताओं पर बोझ डालना जारी रखा। अब, सरकार ने स्मार्ट मीटर लगाना अनिवार्य कर दिया है, जिसके लिए 10,000 रुपये प्रति मीटर की भारी कीमत तय की गई है, जिसकी हाईकोर्ट ने आलोचना की है और इस फैसले पर रोक लगा दी है। भाजपा नेता ने आगे आरोप लगाया कि

इन स्मार्ट मीटरों की वास्तविक लागत लगभग 2,000 रुपये है, लेकिन सरकार उपभोक्ताओं से 10,000 रुपये तक वसूल रही है, जिसे उन्होंने जनता को लूटने का कृत्य बताया। कांग्रेस के नेतृत्व वाली कर्नाटक सरकार पर सवाल उठाए जा रहे हैं- क्या किसी ने इस कीमत पर मुफ्त बिजली मांगी थी? गरीबों की दुर्दशा का क्या होगा? हाईकोर्ट ने इस पर गंभीर चिंता जताई है। अब भी, मैं इस सरकार से आग्रह करता हूं कि वह अपने जनविरोधी फैसलों को छोड़ दे और इसके बजाय नागरिक-केंद्रित कार्यक्रमों पर ध्यान केंद्रित करे। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने 25 अप्रैल को बेंगलूरु विद्युत आपूर्ति कंपनी (बेस्कॉम) और राज्य सरकार को स्मार्ट मीटर के अनिवार्य कार्यान्वयन को लागू करने से रोकते हुए अंतरिम रोक जारी की। अदालत का यह आदेश डोड्डबल्लापुरा शहर की निवासी एम जयलक्ष्मी द्वारा दायर याचिका के जवाब में आया, जिन्होंने स्मार्ट मीटर लगाने के लिए 8,900 रुपये का भुगतान करने के बेस्कॉम के निर्देश को चुनौती दी थी। याचिकाकर्ता का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील ने अदालत को बताया कि आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में स्मार्ट मीटर लगाने की लागत केवल 900 रुपये है, जबकि कर्नाटक सरकार लगभग दस गुना अधिक शुल्क ले रही है। अदालत ने राज्य सरकार को फटकार लगाई और सवाल किया कि क्या सरकार को मुफ्त में बिजली देने के कारण समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। उच्च न्यायालय की पीठ ने सरकार के दृष्टिकोण पर अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए पूछा मुफ्त बिजली किसने मांगी? इस स्मार्ट मीटर लगाने की लागत कम होनी चाहिए थी। आपने इसे आउटसोर्स कर दिया है। यह खतरनाक है। आप सभी गरीब लोगों की प्यास बुझा रहे हैं। गरीब कहां जाएं?

पहलगाम में आतंकी हमले में केंद्र ने सुरक्षा चूक की बात स्वीकार की: खड़गे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शनिवार को कहा कि केंद्र सरकार ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले और पर्यटकों की हत्या में सुरक्षा चूक की बात स्वीकार की है।

बेंगलूरु में एक समारोह में बोलते हुए खड़गे ने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह ने 24 अप्रैल को आयोजित सर्वदलीय बैठक के दौरान स्वीकार किया था कि हमले का कारण सुरक्षा चूक थी। उन्होंने कहा कि तीन-चरणीय सुरक्षा व्यवस्था होने के बावजूद, केंद्र जम्मू-कश्मीर आने वाले पर्यटकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में सक्षम नहीं है।

हालांकि, कांग्रेस ने राष्ट्र के हित में केंद्र का समर्थन करने का फैसला किया है और पार्टी ने सरकार के फैसले का समर्थन किया है। कांग्रेस नेता ने कहा कि कांग्रेस आतंकवाद को जड़ से

खत्म करने के लिए सरकार के साथ समन्वय और सहयोग के लिए प्रतिबद्ध है। खड़गे, जो राज्यसभा में विपक्ष के नेता भी हैं, ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सर्वदलीय बैठक में शामिल न होने पर आपत्ति जताई और कहा कि मोदी का बैठक से दूर रहना ठीक नहीं है। बैठक की अध्यक्षता रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने की। खड़गे ने कहा हमें उम्मीद थी कि मोदी बैठक की अध्यक्षता करेंगे और आतंकवाद की चुनौती से निपटने के लिए सभी राजनीतिक दलों के साथ चर्चा करेंगे। लेकिन मोदी बिहार गए और वहां चुनावी भाषण दिया। चुनावी भाषण देने के बजाय प्रधानमंत्री को सर्वदलीय बैठक में शामिल होना चाहिए था। खड़गे ने कहा मोदी को नेताओं को घटना के बारे में जानकारी देनी चाहिए थी और आतंकी हमले के कारणों के बारे में बताना चाहिए था। विपक्ष कारणों को जानने के लिए उत्सुक था – चाहे वह सुरक्षा चूक हो, खुफिया विफलता हो, सूचना की चूक हो या पुलिस की चूक हो। खड़गे ने कहा कि आतंकवादियों द्वारा पर्यटकों का धर्म पूछे जाने पर उनकी हत्या कर दी गई। उन्होंने कहा कि कर्नाटक में बहुत से नेता जाति और धर्म के आधार पर बोलते हैं। शैक्षणिक संस्थानों को किसी भी जाति या धर्म का प्रचार नहीं करना चाहिए और छात्रों को भी जाति और धर्म आधारित बातचीत से बचना चाहिए।

संघ परिवार ने कभी स्वतंत्रता के लिए लड़ाई नहीं लड़ी

कांग्रेस के त्याग और बलिदान ने आधुनिक भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई: सीएम

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा कि संघ परिवार कभी स्वतंत्रता संग्राम में नहीं आया। अब वे देशभक्ति की बात करते हैं। कार्यकर्ताओं को यह स्पष्ट समझ लेना चाहिए कि सावरकर और गोलवलकर अंबेडकर के संविधान के खिलाफ थे। यहां युवा कांग्रेस द्वारा आयोजित युवा क्रांति कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण शिविर में विशेष व्याख्यान देते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस के त्याग और बलिदान ने स्वतंत्रता संग्राम और आधुनिक भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

पार्टी का जन्म देश को नागरिक अधिकार और सामाजिक न्याय दिलाने के लिए हुआ था। संघ परिवार कभी स्वतंत्रता संग्राम में नहीं आया। अब वे देशभक्ति की बात करते हैं। जिस तरह गांधी ने स्वतंत्रता संग्राम का नेतृत्व किया, उसी तरह नेहरू ने भारत में अंबेडकर के संविधान की ठोस नींव रखी। उन्होंने कहा कि भारत में बहुलतावाद की भूमि में एकता लाने और सहिष्णुता को लागू करने में नेहरू का योगदान बहुत बड़ा है। मनुस्मृति से प्रेरित जाति व्यवस्था ने जाति के आधार पर भारतीय समाज में दरार पैदा की। उन्होंने कहा कि आपको यह इतिहास जानना चाहिए। उन्होंने कहा कि युवा कांग्रेस, संविधान और भारत के बहुलवाद की रक्षा के लिए खड़ी युवा सेना के बारे में आपको स्पष्टता होनी चाहिए, आरएसएस और संघ परिवार बहुसंख्यकों और भारत के संविधान के खिलाफ कैसे हैं? इसमें संदेह है कि जिनके पास यह स्पष्टता नहीं है, वे कई वर्षों तक कांग्रेस में बने रहेंगे। स्वतंत्रता, समानता, बंधुत्व और सहिष्णुता, सह-अस्तित्व हमारे संविधान की सांस है। यह भारत की भी सांस है। अंबेडकर ने कहा था कि सत्ता शक्तिशाली लोगों के हाथ में नहीं होनी चाहिए।

यह आम लोगों के हाथ में होनी चाहिए। कांग्रेस लोगों को सत्ता और अवसर दे रही है। भाजपा शक्तिशाली लोगों को सत्ता और अवसर दे रही है। यह संविधान के खिलाफ है। इसलिए भाजपा संविधान का ही विरोध करती है। दो बार मुख्यमंत्री रहते हुए मैंने असमानता को कम करने के लिए कार्यक्रम बनाए और लागू किए। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता को सार्थक बनाने के लिए सभी को आर्थिक और सामाजिक सशक्तीकरण हासिल करना चाहिए। अंतिम व्यक्ति को सत्ता देना सर्वोदय की इच्छा है। उन्होंने कहा कि अज्ञान, भ्रष्टाचार और कर्म के सिद्धांत को कृत्रिम रूप से बनाया गया है और उसमें खाद-पानी डालकर उसे मजबूत बनाया गया है। भगवान एक-दूसरे का बुरा नहीं करते। भगवान के नाम पर अज्ञान बोने वालों से सावधान रहें। शरण बसवन्ना ने कहा कि भगवान मौजूद हैं। भगवान को बसवन्ना के तरीके से देखा जाना चाहिए। भाजपा भगवान और धर्म के नाम पर सिर्फ झूठ फैलाती है। इस बारे में देश के लोगों की जागरूकता बढ़ाने के लिए काम करने की जरूरत है। अंबेडकर ने खुद साफ लिखा था कि सावरकर और अन्य ने उन्हें चुनाव में हराया था। उन्होंने कहा कि अगर आपके पास स्पष्टता और प्रतिबद्धता है, तो कोई कुछ भी करे, आप नहीं बदलेंगे। यह भाजपा के रामा जोइस थे जिन्होंने राजीव गांधी द्वारा दिए गए आरक्षण का विरोध करते हुए अदालत का दरवाजा खटखटाया था। लेकिन अदालत ने राजीव गांधी द्वारा लाए गए संशोधन को बरकरार रखा और इसे संवैधानिक माना। उन्होंने कहा कि भाजपा ने आरक्षण का विरोध करने वाली मंडल रिपोर्ट का भी विरोध किया। इसलिए उन्होंने युवाओं से इतिहास और विचारधारा के बारे में स्पष्ट होने और भविष्य में बेहतर नेता बनने का आह्वान किया।

दक्षिण कन्नड़ के कुछ हिस्सों में बारिश और तूफान से नुकसान

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
पिछले कुछ दिनों में दक्षिण कन्नड़ जिले के कई हिस्सों में गरज और बिजली के साथ बारिश हुई और बेल्टांगडी तालुक के कई गांवों से नुकसान की खबर मिली। मुंडाजे, कलमुंड, कादिरुदयावरा, नेरिया, थोट्टाडी, चिबिद्रे और चारमाडी सहित कई गांवों में पेड़ गिरने और तेज हवाओं के कारण छिटपुट नुकसान हुआ।

मुंडाजे के मित्तोट्टू में एक पेड़ दैवस्थान (आध्यात्मिक मंदिर) पर गिर गया, जिससे नुकसान हुआ। कलमुंड-धर्मस्थल रोड के पास पिलाथडका में एक पेड़ बिजली की लाइन पर गिर गया, जिससे बिजली के तार क्षतिग्रस्त हो गए। कोच्चि, कदंबली में एक बिजली का खंभा गिर गया।

हजारों सुपारी और रबर के पेड़ उखड़ गए, जिससे कृषि को नुकसान हुआ। गुरुवार को आपातकालीन रखरखाव के कारण, तालुक के अधिकांश क्षेत्रों में शाम 6 बजे तक बिजली गुल रही। शुक्रवार दोपहर तक ग्रामीण क्षेत्रों में धीरे-धीरे बिजली बहाल हो गई।

बिजली गिरने से बिजली की लाइनों और उपकरणों को भी नुकसान पहुंचने की खबर है। सुब्रह्मण्य और आस-पास के इलाकों में शुक्रवार शाम करीब 6:30 बजे गरज के साथ भारी बारिश हुई। यह बारिश एक घंटे तक चली और कैकम्बा, कुलकुंडा, बिलिनेले, ऐनेकिडु, येनेकल्लू, बालपा, गुथिगारू और कोल्लमोगरू में भी हुई। सुल्लिया तालुक के कुछ हिस्सों में भी हल्की बारिश हुई। शुक्रवार को सुल्लिया और सुब्रह्मण्य समेत दक्षिण कन्नड़ के कई इलाकों में गरज के साथ मध्यम से भारी बारिश हुई। हालांकि सुबह ज्यादातर इलाकों में गर्मी और धूप रही। भारतीय मौसम विभाग ने 29 अप्रैल तक तटीय इलाकों में गरज के साथ भारी बारिश का अनुमान लगाया है और इस क्षेत्र के लिए येलो अलर्ट जारी किया है।

पुलिस ने एटीएम लूट के आरोपी को पैर में गोली मारी

कलबुर्गी/शुभ लाभ ब्यूरो।
कलबुर्गी में हाल ही में हुए एसबीआई एटीएम लूट मामले में दो आरोपियों को शुक्रवार देर रात नाटकीय ढंग से पीछा करने और मुठभेड़ के दौरान पुलिस ने पैर में गोली मार दी। घटना तब हुई जब आरोपियों ने कथित तौर पर धारदार हथियारों से अधिकारियों पर हमला किया, जिसके बाद पुलिस ने आत्मरक्षा में गोली चलाई। घायल आरोपियों की पहचान तस्लीम और शरीफ के रूप में हुई है, जिन्हें चार घायल पुलिसकर्मियों- पीएसआई बसवराज और कांस्टेबल राजू, मंजूनाथ और फिरोज के साथ गुलबर्गा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (जीआईएमएस) ले जाया गया, जो हाथापाई के दौरान घायल हो गए थे। कलबुर्गी के पुलिस आयुक्त एस डी शरणप्पा ने कहा

कि ये दोनों लोग कलबुर्गी रिंग रोड पर रामनगर के पास 9 अप्रैल को एसबीआई एटीएम की लूट में शामिल थे। गिरोह ने मशीन को तोड़ने और 18 लाख रुपये लेकर भागने के लिए गैस कटर का इस्तेमाल किया था। कियोस्क पर लगे सीसीटीवी कैमरों को काले स्प्रे पेंट से निष्क्रिय कर दिया गया था और सुरक्षा गार्ड की अनुपस्थिति में अपराध को अंजाम दिया गया था। डकैती के बाद, पुलिस ने गहन जांच शुरू की, जिसमें पूरे जिले में रात्रि गश्त और चौकियों को बढ़ाना शामिल था। एक गुप्त सूचना के आधार पर, अधिकारियों ने बेगुर औद्योगिक क्षेत्र के पास एक संदिग्ध सफेद कार का पता लगाया, जिस पर बाहरी राज्य की नंबर प्लेट लगी थी। जब आरोपियों से पूछताछ की गई, तो वे कथित तौर पर हिंसक हो गए। उपनगरीय एसीपी और पीएसआई बसवराज के नेतृत्व में उपनगरीय और विश्वविद्यालय पुलिस स्टेशनों के अधिकारियों ने संदिग्धों का पीछा किया, जिन्होंने भागने का प्रयास किया, लेकिन अंत में फंस गए। आयुक्त शरणप्पा ने पुष्टि की कि जब दो आरोपियों ने अधिकारियों पर हमला किया, तो पुलिस को जवाबी कार्रवाई करने के लिए मजबूर होना पड़ा, जिसके परिणामस्वरूप दोनों के पैर में गोली लग गई।

अनुपमा शेनॉय ने पूर्व डीजीपी हत्याकांड में पीएफआई का हाथ होने का लगाया आरोप

एनआईए जांच की मांग की

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
वकील, पूर्व डीएसपी और भारतीय जनशक्ति कांग्रेस की अध्यक्ष अनुपमा शेनॉय ने सेवानिवृत्त डीजीपी और आईजीपी ओम प्रकाश की हत्या के मामले में पीएफआई की संलिप्तता का आरोप लगाया है और एनआईए जांच की मांग की है। उन्होंने कहा कि ओम प्रकाश की पत्नी पल्लवी ने एक व्हाट्सऐप संदेश में उल्लेख किया था कि उनके पीएफआई सदस्यों और अपराधियों के साथ संपर्क थे। उन्होंने यह पता लगाने की आवश्यकता पर जोर दिया कि सिद्धरामैया की सरकार के दौरान

पुलिस विभाग में पीएफआई कैडरों की भर्ती की गई थी या नहीं और यह भी जांच की जानी चाहिए कि विभाग में पीएफआई सदस्यों को शामिल करने के लिए कोई दबाव था या नहीं। मैंने पल्लवी और उनकी बेटी के मानसिक स्वास्थ्य के बारे में कई चर्चाएँ देखी हैं और पुलिस मुख्यमंत्री और गृह मंत्री के बयानों के अनुसार जाँच कर रही है। पुलिस एक माँ पर भरोसा क्यों नहीं कर रही है जिसने स्पष्ट रूप से कहा है कि उसकी बेटी की इस मामले में कोई भूमिका नहीं थी? उन्होंने आरोप लगाया इस बात का कोई सबूत नहीं है, कोई सीसीटीवी फुटेज नहीं है और कोई गवाह भी नहीं है कि ओम प्रकाश की पत्नी ने उनकी हत्या की है। मुझे लगता है कि पीएफआई के सदस्य उनकी पत्नी और बेटी को धमकाने में शामिल थे और उन्होंने ओम प्रकाश की हत्या की साजिश रची।

इसके बाद उन्होंने उनकी पत्नी को कबूलनामा करने के लिए मजबूर किया और एक अन्य पुलिस अधिकारी की पत्नी को संदेश भेजा कि 'मैंने राक्षस को मार दिया है। अनुपमा शेनॉय ने आगे कहा कि ओम प्रकाश के बेटे को कांग्रेस सरकार की धमकियों के आगे झुके बिना अपनी मां और बहन के साथ खड़े होने की जरूरत है। उन्होंने दो-हराया कि एनआईए को मामले की पूरी तरह से जांच करनी चाहिए, खासकर पीएफआई की संलिप्तता के संबंध में। उन्होंने जोर देकर कहा मेरे पास पीएफआई की संलिप्तता के बारे में पर्याप्त सबूत हैं और मैं इसे 100 प्रतिशत साबित कर सकती हूं। उन्होंने एम के गणपति मामले से भी तुलना की और दावा किया कि इसी तरह की स्थिति तब हुई थी, जब शुरू में अल्पसंख्यकों की संलिप्तता का संदेह था, लेकिन बाद में इसका दोष पीड़ित की पत्नी पर डाल दिया गया और मामला बंद कर दिया गया।

रोहित वेमुला एक्ट के लिए अभियान ने सीएम को सुझाव देते हुए पत्र लिखा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक सरकार द्वारा रोहित वेमुला एक्ट का मसौदा तैयार करने की प्रक्रिया शुरू करने के मद्देनजर, स्वैच्छिक समूह रोहित वेमुला एक्ट के लिए अभियान ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उच्च शिक्षा मंत्री सुधाकर को पत्र लिखकर प्रस्तावित कानून को मजबूत बनाने के तरीके और उपाय सुझाए हैं। साथ ही इस कदम का स्वागत भी किया है। पत्र में सुझाव दिया गया है कि सरकार 2014 की पूर्व-विधायी परामर्श नीति के अनुपालन में मसौदा तैयार करने की प्रक्रिया को खोले। इसमें बताया गया है कि यूपीए-2 सरकार ने कानून बनाने और नियमों के क्रियान्वयन के लिए इसी नीति का पालन किया था। अभियान का हिस्सा रहे वकील और कार्यकर्ता विनय श्रीनिवास ने कहा, इसी के अनुसार, इस मसौदे पर व्यापक परामर्श आयोजित किया जाना चाहिए।

पत्र में यह भी मांग की गई है कि पिछड़े वर्गों, अल्पसंख्यक छात्रों को भी सुरक्षा प्रदान करते हुए, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के छात्रों के संबंध में प्रस्तावित कानून में विशेष प्रावधान किए जाने चाहिए। इसमें बताया गया है कि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति समुदायों के छात्रों को ऐतिहासिक रूप से अधिक भेदभाव और उत्पीड़न का सामना करना पड़ा है। पत्र में आगे मांग की गई है कि इस अधिनियम के लिए राज्य के छात्रों, छात्र संगठनों, शिक्षाविदों और दलित संगठनों की राय मांगी जानी चाहिए। रोहित वेमुला अधिनियम के लिए दलित संगठनों, छात्र समूहों, बुद्धिजीवियों, शिक्षाविदों, वकीलों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और पत्रकारों सहित अन्य लोगों को शामिल करते हुए अभियान पिछले एक साल से अधिनियम का मसौदा तैयार करने और उसे लागू करने की मांग कर रहा है। हाल ही में, विपक्ष के नेता राहुल गांधी के एक पत्र के बाद सिद्धरामैया ने आश्वासन दिया कि उनकी सरकार शैक्षणिक संस्थानों में जाति और पहचान आधारित भेदभाव को खत्म करने के लिए अधिनियम लागू करेगी।

राज्य में 92 पाकिस्तानी नागरिक, बेंगलूरु में चार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
इस बात की पुष्टि हुई है कि राज्य में 92 पाकिस्तानी नागरिक आधिकारिक रूप से रह रहे हैं, जिनमें से कुछ को अगले दो दिनों में देश छोड़ना होगा। शहर में चार पाकिस्तानी प्रवासी हैं और राज्य के अन्य हिस्सों में कुल 88 हैं। इनमें से 88 ने दीर्घकालिक और बाकी ने अल्पकालिक वीजा प्राप्त किया है। चूंकि अल्पकालिक वीजा प्राप्त करने वाले पाकिस्तानी प्रवासियों को देश छोड़ना है, इसलिए अन्य वीजा पर राज्य में आए पाकिस्तानी प्रवासियों को रविवार तक देश छोड़ना होगा। जो लोग मेडिकल वीजा पर आए हैं, उन्हें 27 अप्रैल को देश छोड़ना होगा।

कुल मिलाकर, राज्य में 92 पाकिस्तानी नागरिकों के पास पासपोर्ट पाए गए हैं और वे आधिकारिक रूप से राज्य में रह रहे हैं। पाकिस्तानी प्रवासियों को पहले ही नोटिस जारी किए जा चुके हैं और उन्हें निर्धारित अवधि के भीतर देश छोड़ने के सख्त निर्देश दिए गए हैं। इसी तरह शहर के विभिन्न इलाकों में चार पाकिस्तानी प्रवासियों को भी नोटिस जारी किए गए हैं। अब तक मिले सभी 92 लोग आधिकारिक प्रवासी हैं। हालांकि, राज्य में अवैध रूप से बसे अवैध प्रवासियों की संख्या की पुष्टि अभी नहीं हुई है। पुलिस सूत्रों ने बताया है कि आने वाले दिनों में उनकी पहचान कर ली जाएगी और आगे की कार्रवाई की जाएगी। राज्य में कुछ मुस्लिम परिवार कई वर्षों से पाकिस्तानी परिवारों के साथ वैवाहिक संबंध में हैं। इस प्रकार, राज्य में 88 पाकिस्तानी नागरिक वैवाहिक संबंधों में हैं। पता चला है कि उन्होंने दीर्घकालिक वीजा प्राप्त किया है। शैक्षणिक वीजा पर आया एक पाकिस्तानी छात्र दावणगेरे जिले के एक मेडिकल कॉलेज में पढ़ाई कर रहा है। सूत्रों ने बताया कि ये 88 लोग बसवनगुड़ी, मैसूरु, मेंगलूरु और भटकल सहित राज्य के विभिन्न हिस्सों में बस गए हैं। उत्तर कन्नड़ जिले में 15 पाकिस्तानी हैं, जिनमें से कुछ पाकिस्तानी महिलाओं ने स्थानीय युवकों से शादी कर ली है। एसपी एम. नारायण ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा जारी आदेश यहां के पाकिस्तानी नागरिकों पर लागू नहीं होता है क्योंकि उनके बच्चे हैं। मिनी स्पाइसलैंड के नाम से मशहूर कश्मीर के पहलगाम में आतंकियों द्वारा 26 निर्दोष हिंदू पर्यटकों की गोली मारकर हत्या करने की घटना के बाद केंद्र सरकार ने पड़ोसी देश पाकिस्तान के खिलाफ कुछ प्रतिबंध लगाए हैं। इसमें देश में रह रहे सभी तरह के पाकिस्तानी नागरिकों को तुरंत देश छोड़ने का निर्देश दिया गया है। इसी तरह, जब से देश के सभी राज्यों को केंद्र सरकार के आदेश का सख्ती से पालन करने का आदेश दिया गया है, तब से अपने-अपने राज्यों में रह रहे पाकिस्तानी नागरिकों को देश छोड़ने के लिए नोटिस जारी किए जा रहे हैं।

अस्पताल में ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर के साथ दुर्व्यवहार, दो लोगों पर मामला दर्ज

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक के पुत्तुर में महिला पुलिस थाने ने पुत्तुर के सरकारी अस्पताल में ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर के साथ दुर्व्यवहार करने और धक्का देने के आरोप में दो लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। जिला स्वास्थ्य अधिकारी (डीएचओ) डॉ. थिमैया एचआर ने बताया, जब पुत्तुर सरकारी अस्पताल की प्रशासनिक अधिकारी डॉ. आशाज्योति पुत्तुरया शुक्रवार दोपहर को अस्पताल में दौरे पर थीं, तो उन्होंने देखा कि आरोपी समेत कुछ लोग हाल ही में प्रसव कराने वाली एक महिला से मिलने आए थे। वे प्रसवपूर्व वार्ड में मरीजों के लिए बने बिस्तरों पर बैठे थे।

उन्होंने उन्हें बिस्तरों पर न बैठने का निर्देश दिया और बताया कि इससे नवजात शिशुओं और माताओं में संक्रमण फैल सकता है। इसके बाद उन्होंने उन्हें वार्ड से बाहर जाने को कहा। उन्होंने कहा हालांकि, बाहर निकलने के बाद दोनों ने जोर-जोर से चिल्लाना शुरू कर दिया और सवाल किया कि आगंतुकों के लिए समय बोर्ड अंग्रेजी में क्यों नहीं दिखाया गया। उन्होंने डॉक्टर के साथ दुर्व्यवहार किया, उन्हें धक्का दिया और घटना का वीडियो रिकॉर्ड किया। विवाद के बाद डॉ. आशाज्योति ने पुत्तुर के महिला पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने जोहरा और उसके बेटे अब्दुल समद के खिलाफ मामला दर्ज किया है। घटना के बाद शनिवार को डॉक्टरों और अस्पताल के कर्मचारियों ने विरोध प्रदर्शन किया। डीएचओ ने कहा कि तालुक अस्पताल में सभी सेवाएं बिना किसी व्यवधान के जारी रहीं। पुत्तुर के निजी अस्पतालों ने एकजुटता दिखाते हुए घटना की निंदा की और केवल आपातकालीन सेवाएं ही प्रदान कीं। पुत्तुर के विधायक डॉ. अशोक राय ने कहा ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर के साथ दुर्व्यवहार करने का कोई भी प्रयास गलत है। अगर डॉक्टरों के पास अनुकूल माहौल नहीं है, तो वे प्रभावी ढंग से काम नहीं कर सकते। कुछ लोग राजनीतिक लाभ के लिए घटना का फायदा उठाने की कोशिश कर रहे हैं। डॉ. आशाज्योति द्वारा दर्ज की गई प्रारंभिक शिकायत में कानून की कुछ धाराओं का उल्लेख नहीं किया गया था। उन्हें शिकायत को संशोधित करने और पुलिस को फिर से जमा करने के लिए कहा गया है। आरोपी के खिलाफ सभी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मैंने पुलिस को शाम 6 बजे तक आरोपी को गिरफ्तार करने का निर्देश दिया है। डॉक्टरों को डरने की जरूरत नहीं है। हम उनकी सुरक्षा के लिए तैयार हैं। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) मेंगलूरु और पुत्तुर तथा एसोसिएशन ऑफ मेडिकल कंसल्टेंट्स (एएमसी) ने इस घटना की निंदा की है।

कर्नाटक में खसरा मामलों में कमी

बीबीएमपी और बल्लारी के कुछ इलाकों में मामलों की संख्या में वृद्धि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

हालांकि कर्नाटक में खसरे के मामलों में कमी आ रही है, जो एक अत्यधिक संक्रामक वायरल संक्रमण है, लेकिन बल्लारी और बीबीएमपी के कई इलाकों में 2024 से लगातार मामलों की संख्या में वृद्धि दर्ज की जा रही है। राज्य स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार, प्रयोगशाला द्वारा पुष्टि किए गए, चिकित्सकीय रूप से संगत और एपि-लिंक्ड खसरे के मामलों की संख्या 2023 में 4,001 से घटकर 2024 में 1,115 हो गई है। इस साल 22 अप्रैल तक राज्य में 292 मामले दर्ज किए गए। इसी तरह, रूबेला के मामलों की संख्या भी 2023 में 237 से घटकर 2024 में 166 हो गई है। इस साल (22 अप्रैल तक) राज्य में 92 रूबेला के मामले दर्ज किए गए हैं। 2024 में, बल्लारी और बीबीएमपी ने क्रमशः 243 और 103 खसरे के मामले दर्ज किए, जो राज्य में सबसे अधिक है। इस साल 22 अप्रैल तक, इन दोनों जिलों में क्रमशः 91 और 25 मामले दर्ज किए गए। जबकि 2024 में रूबेला के सबसे अधिक 23 मामले बीबीएमपी

क्षेत्रों में दर्ज किए गए हैं, इस साल (22 अप्रैल तक) यादगीर में सबसे अधिक 15 मामले देखे गए हैं।

प्रयोगशाला द्वारा पुष्टि किए गए खसरे के प्रकोपों की संख्या 2023 में 30 से घटकर 2024 में छह और इस साल अब तक तीन हो गई है। प्रकोप को चार सप्ताह में एक छोटे भौगोलिक क्षेत्र से पुष्टि किए गए पांच या अधिक मामलों, या किसी भी मृत्यु के रूप में परिभाषित किया जाता है। एकीकृत रोग निगरानी परियोजना (आईडीएसपी) के राज्य परियोजना निदेशक अंसार अहमद ने कहा कि राज्य में 2023 के बाद से कोई रूबेला प्रकोप नहीं देखा गया है। खसरा और रूबेला अत्यधिक संक्रामक वायरल रोग हैं जो गंभीर बीमारियों, आजीवन जटिलताओं और यहां तक कि मृत्यु का कारण बन सकते हैं। इनके उच्च संक्रमण दर के कारण, भारत ने 2026 तक इन बीमारियों को खत्म करने का लक्ष्य रखा है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा ने गुरुवार को राष्ट्रीय शून्य खसरा-रूबेला उन्मूलन अभियान 2025-26 का शुभारंभ किया, जो 2026 तक खसरा और रूबेला को खत्म करने के भारत के लक्ष्य की दिशा में एक महत्व-पूर्ण कदम है। कर्नाटक में, इस वर्ष (जनवरी से 22 अप्रैल तक), तीन जिलों - दक्षिण कन्नड़, दा-वणगेरे और कोडागु - ने खसरे के शून्य मामले दर्ज किए हैं और बागलकोट, बेलगावी, बेंगलूरु शहरी, कोडागु और कोप्पल सहित आठ जिलों में शून्य रूबेला मामले दर्ज किए गए हैं, जैसा कि आंकड़ों से पता चलता है। डॉ. अहमद ने कहा कि कोई भी व्यक्ति जो टीका नहीं लगवाता है, वह अतिसंवेदनशील होता है। उन्होंने कहा कि पांच साल से कम उम्र के बच्चों, गर्भवती महिलाओं और कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली वाले व्यक्तियों में गंभीर जटिलताओं का जोखिम अधिक होता है। यूनिवर्सल इम्यूनाइजेशन प्रोग्राम (यूआईपी) के तहत, सभी पात्र बच्चों को क्रमशः 9-12 महीने और 16-24 महीने की उम्र में खसरा-रूबेला (एमआर) वैक्सीन की दो खुराकें निःशुल्क प्रदान की जाती हैं। वर्तमान में, भारत का एमआर टीकाकरण कवरेज पहली खुराक (2024-25 एचएमआईएस डेटा) के लिए 93.7 प्रतिशत और दूसरी खुराक के लिए 92.2 प्रतिशत है। कर्नाटक का एमआर टीकाकरण कवरेज पहली खुराक (2024-2025 एचएमआईएस डेटा) के लिए 96 प्रतिशत और दूसरी खुराक के लिए 93 प्रतिशत है। बीबीएमपी में टीकाकरण कवरेज सबसे कम है, पहली खुराक के लिए 83 प्रतिशत और दूसरी खुराक के लिए 81 प्रतिशत है। बीबीएमपी में खसरे के बढ़ते मामलों के लिए कम टीकाकरण कवरेज को जिम्मेदार ठहराते हुए, प्रधान सचिव (स्वास्थ्य) हर्ष गुप्ता ने कहा कि विभिन्न कारणों से बीबीएमपी में स्वास्थ्य निगरानी संरचना कमजोर है। उन्होंने कहा हमने देखा है कि पिछले साल डेंगू के सबसे अधिक मामले बीबीएमपी में सामने आए। जबकि बीबीएमपी के मुख्य क्षेत्रों में प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाओं का संचालन और प्रबंधन नगर निकाय द्वारा किया जाता है, नए वार्डों में जिला पंचायतों और स्वास्थ्य विभाग से अनुदान के साथ प्रबंधन किया जाता है। समन्वय की कमी के अलावा, उपलब्ध आशा और एएनएम की संख्या यहाँ की आबादी के अनुपात में नहीं है। हम बीबीएमपी द्वारा संचालित सुविधाओं को अपने हाथ में लेने या सभी केंद्रों को बीबीएमपी को सौंपने की व्यवहार्यता पर चर्चा करने के लिए एक उच्च स्तरीय समिति का गठन कर रहे हैं। इसे लगभग दो महीने में सुलझा लिया जाएगा और हम कैबिनेट के समक्ष एक प्रस्ताव रखेंगे।

आतंकी हमले को लेकर टिप्पणी का मामला

भाजपा विधायक ने रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ कार्रवाई की मांग की

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा विधायक एस एन चन्नबसप्पा ने कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के पति रॉबर्ट वाड्रा को हाल ही में पहलगाम आतंकी हमले के बाद की गई उनकी टिप्पणी के लिए गोली मार देने की मांग करके राजनीतिक तूफान खड़ा कर दिया है। यहां एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में चन्नबसप्पा ने वाड्रा पर आतंकवादियों से सहानुभूति रखने का आरोप लगाया और उनकी टिप्पणियों को 'देशद्रोह' बताया। उनके इस बयान पर तुरंत प्रतिक्रिया हुई और एक दशक पहले तत्कालीन सीएम सिद्धरामैया के खिलाफ नफरत भरी धमकियां देने के लिए उनकी पिछली गिरफ्तारी की यादें ताजा हो गईं। पिछली राजनीतिक हत्याओं का जिक्र करते हुए चन्नबसप्पा ने कांग्रेस पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप

लगाया और दावा किया कि पार्टी राष्ट्रीय सुरक्षा को कमजोर कर रही है। उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ आक्रामक कार्रवाई की भी मांग की और लोकप्रिय नारे 'पाकिस्तान पर बम गिराओ, भारत माता पर फूल बरसाओ' को नीति बनाने का आह्वान किया। विधायक ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से केंद्र के आतंकवाद विरोधी रुख का समर्थन करने का आग्रह किया और प्रधानमंत्री मोदी से 'पाकिस्तान को सबक सिखाने' का समर्थन किया। उन्होंने भविष्य में युद्ध की भविष्यवाणी करते हुए एक विवादास्पद बयान दिया और कहा कि भारत को एक हिंदू राष्ट्र बना रहना चाहिए। यह टिप्पणी वाड्रा के उस बयान के जवाब में आई है जिसमें उन्होंने भारत में सांप्रदायिक विभाजन को आतंकवादी हमलों में वृद्धि से जोड़ा था। कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने विधायक के हिंसा के विवादास्पद आह्वान पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

चलती बस में लगी आग

मांड्या/शुभ लाभ ब्यूरो।

नागमंगला तालुक के कदाबहल्ली के पास बेंगलूरु-मेंगलूरु राष्ट्रीय राजमार्ग पर 25 यात्रियों को ले जा रही एक निजी बस में आग लगने से एक बड़ा हादसा टल गया। यह घटना सुबह करीब 5 बजे हुई जब चलती बस में अचानक आग लग गई। चालक और कर्मचारियों की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई से आग फैलने से पहले सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकालने में

मदद मिली। जैसे ही बस को रोका गया, वह आग की लपटों में घिर गई और पूरी तरह जलकर खाक हो गई। दमकलकर्मी मौके पर पहुंचे और आग बुझाने में कामयाब रहे। बिंदिगनविले पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में मामला दर्ज किया गया है।

सोना तस्करी कांड

अभिनेत्री रान्या राव पर कड़े अधिनियम के तहत मामला दर्ज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

हाई-प्रोफाइल सोना तस्करी मामले में एक बड़ी घटना में, कन्नड़ अभिनेत्री रान्या राव पर विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी गतिविधियों की रोकथाम अधिनियम, 1974 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

केंद्रीय वित्त मंत्रालय के तहत नोडल एजेंसी, केंद्रीय आर्थिक खुफिया ब्यूरो (सीईआईबी) ने राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) की सिफारिशों के बाद अभिनेत्री और दो अन्य आरोपियों के खिलाफ अधिनियम लागू किया, जो जांच का नेतृत्व कर रहा है। सीओएफईपीओएसए लागू करके, अधिकारियों ने यह सुनिश्चित किया है कि रान्या राव एक वर्ष की अवधि के लिए जमानत के लिए अपात्र होंगी। अधिनियम का उपयोग बार-बार तस्करी के अपराधों को रोकने और जांच के दौरान असहयोगी पाए जाने वाले व्यक्तियों को हिरासत में लेने के लिए किया जाता है। सूत्रों ने कहा कि यह निर्णय राव और अन्य आरोपियों द्वारा बार-बार जमानत के प्रयासों के जवाब में आया है। तरुण राजू और साहिल सकारिया जैन, जो

मामले में गिरफ्तार हैं, पर भी सीओएफईपीओएसए के तहत मामला दर्ज किया गया है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी रामचंद्र राव की सौतेली बेटी रान्या राव को 14.2 किलो सोने की तस्करी में कथित संलिप्तता के लिए 3 मार्च को गिरफ्तार किया गया था, जिसकी कीमत 12.56 करोड़ रुपये से अधिक है। वह और उसके सह-आरोपी वर्तमान में बेंगलूरु सेंट्रल जेल में बंद हैं। यह मामला डीआरआई, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा बहु-एजेंसी जांच के अधीन है। समानांतर विकास में, कर्नाटक सरकार ने डीजीपी रामचंद्र राव की संभावित संलिप्तता की जांच करने वाली एक विशेष टीम का नेतृत्व करने के लिए एक वरिष्ठ आईएएस अधिकारी को नियुक्त किया है। सूत्रों के अनुसार, सरकार को एक रिपोर्ट पहले ही सौंप दी गई है। डीआरआई के आगे के खुलासे में आरोप लगाया गया है कि राव हवाला लेनदेन में शामिल थी, जिसमें बेल्लारी स्थित जौहरी साहिल जैन भी शामिल था, जो अब बेंगलूरु में बस गया है। आर्थिक अपराधों के लिए विशेष न्यायालय में प्रस्तुत डीआरआई के रिमांड आवेदन में कहा गया है कि राव और जैन तस्करी किए गए सोने को ठिकाने लगाने और अवैध धन को विदेश भेजने के लिए मिलीभगत से काम कर रहे थे।

डीआरआई ने कहा जांच से पता चलता है कि जैन ने रान्या राव को लगभग 40 करोड़ रुपये मूल्य के 49.6 किलो सोने को ठिकाने लगाने और 38.4 करोड़ रुपये की हवाला राशि दुबई में स्थानांतरित करने में सहायता की। इस खुलासे ने मामले की जांच को तेज कर दिया है, और केंद्रीय और राज्य एजेंसियां तस्करी और मनी लॉन्ड्रिंग नेटवर्क की पूरी हद को उजागर करने के लिए मिलकर काम कर रही हैं।

बेंगलूरु रोड-रेज मामला

कोर्ट ने पुलिस को भारतीय वायुसेना अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई करने से रोका

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक हाईकोर्ट ने शुक्रवार को शहर की पुलिस को निर्देश दिया कि वह भारतीय वायुसेना अधिकारी विंग कमांडर शिलादित्य बोस के खिलाफ रोड-रेज की घटना के संबंध में दर्ज की गई प्राथमिकी (एफआईआर) के आधार पर कोई भी दंडात्मक कार्रवाई न करे।

न्यायमूर्ति हेमंत चंदनगौदर ने 24 अप्रैल को बोस द्वारा दायर याचिका पर अंतरिम आदेश पारित किया, जिसमें उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की वैधता को चुनौती दी गई थी। पुलिस ने सबसे पहले बोस पर कॉल सेंटर कर्मचारी विकास कुमार एस.जे. द्वारा हमला करने के मामले में एफआईआर दर्ज की थी। बाद में, पुलिस ने कुमार द्वारा दर्ज की गई जवाबी शिकायत के आधार पर बोस के खिलाफ एक और एफआईआर दर्ज की। घटना सोमवार को सी.वी. रमन नगर के पास हुई। अदालत ने अपने अंतरिम आदेश में निर्देश दिया है, पुलिस कोई भी बलपूर्वक कार्रवाई नहीं करेगी और कानून की उचित प्रक्रिया का पालन किए बिना याचिकाकर्ता को तलब नहीं करेगी। याचिकाकर्ता को जांच में सहयोग करना चाहिए। इस अदालत की अनुमति के बिना आरोपपत्र प्रस्तुत नहीं किया जाएगा।

पहलगाम हमले के मद्देनजर पाकिस्तान के खिलाफ युद्ध छेड़ने की जरूरत नहीं: सीएम

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा कि पहलगाम हमले के मद्देनजर पाकिस्तान के खिलाफ युद्ध छेड़ने की जरूरत नहीं है। लेकिन सुरक्षा के कड़े कदम उठाए जाने चाहिए। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा मैंने शुरू से कहा था कि आतंकी हमले के मद्देनजर सुरक्षा में चूक हुई है। अब केंद्र सरकार ने भी इसे स्वीकार कर लिया है। मैंने जो कहा, वह सच है। सुरक्षा व्यवस्था कड़ी होनी चाहिए। हम युद्ध के पक्ष में नहीं हैं, शांति व्यवस्था होनी चाहिए। लोगों को सुरक्षा मिलनी चाहिए। केंद्र सरकार को इस संबंध में उचित कदम उठाने चाहिए। जम्मू-कश्मीर पर्यटन स्थल है। वहां सुरक्षा कड़ी होनी चाहिए थी। पुलवामा हमले के बाद सतर्कता बरतनी चाहिए थी। उन्होंने कहा कि खुफिया और सुरक्षा की विफलता स्पष्ट है। लोग जम्मू-कश्मीर में सुरक्षित माहौल मानकर यात्रा करते थे। केंद्र लोगों को सुरक्षा नहीं दे सका, 26 लोगों की जान चली गई। अब चाहे जो भी कदम उठाए जाएं, क्या उतनी जानें वापस आएंगी? मुझे इस बात की जानकारी नहीं है कि हमले के दौरान कोई सुरक्षाकर्मी मौजूद नहीं था। संतोष लाड को राज्य सरकार

की ओर से भेजा गया था और वे वापस आ गए हैं। उन्होंने अभी तक उनसे इस बारे में चर्चा नहीं की है। उन्होंने कहा कि वे उनसे जानकारी मिलने के बाद जवाब देंगे। हम राज्य में रह रहे पाकिस्तानी नागरिकों की वापसी के संबंध में केंद्र सरकार को आवश्यक सहयोग प्रदान करेंगे। हम केंद्र को सभी प्रकार की जानकारी उपलब्ध कराएंगे। उन्होंने कहा कि इस समय यहां कितने लोग रह रहे हैं, इसकी कोई जानकारी नहीं है, उनमें से अधिकांश बेंगलूरु में रह रहे होंगे। पहलगाम हमले के बाद बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को शामिल होना था। उन्होंने इसे छोड़ दिया और वहां कार्यक्रम में शामिल हुए, क्योंकि बिहार में चुनाव आने वाले हैं। इससे पता चलता है कि उनके लिए क्या महत्वपूर्ण है। उन्होंने केंद्र सरकार पर लोगों पर भरोसा करने और टोपी पहनने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इससे पता चलता है कि केंद्र सरकार ने 26 लोगों की मौत को गंभीरता से नहीं लिया है। उनके स्वास्थ्य में अब 90 प्रतिशत सुधार हुआ है। अभी भी 10 प्रतिशत की समस्या है। लेकिन उन्होंने कहा कि वे घूमने-फिरने में सहज हैं। मैं जब मुख्यमंत्री था, तब पहली बार चामराजनगर गया था और कलंक को धो दिया था। यह पहले से ही झूठ था कि अगर आप वहां गए तो सत्ता खो देंगे। उन्होंने कहा कि पिछली यात्रा एक दोहराव वाली यात्रा थी।

कावेरी आरती का खाका एक सप्ताह में तैयार हो जाएगा: शिवकुमार

मांड्या/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने कहा कि कावेरी आरती कार्यक्रम का खाका एक सप्ताह के भीतर तैयार हो जाएगा, जिसे इस दशहरा से शुरू करने की योजना है। कावेरी आरती पर निर्वाचित प्रतिनिधियों और अधिकारियों के साथ बैठक के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा हमने तौर-तरीकों पर काम करने के लिए मंत्री चालुवरया स्वामी के नेतृत्व में एक समिति बनाई है।

यह समिति अगले 8-10 दिनों में खाका तैयार करेगी। हमने अपने नेताओं और अधिकारियों के साथ आरती की व्यापक रूपरेखा पर चर्चा की है। समिति में चेस्कॉम, पर्यटन विभाग, मुजराई विभाग, दो डीसी, दो स्थानीय विधायक, एमएलसी, जिला पंचायत सीईओ और बीडब्ल्यूएसएसबी सदस्य शामिल हैं। सिंचाई विभाग के अधिकारी आवश्यक बुनियादी ढांचा तैयार करेंगे। कावेरी आरती (पूजा) जल संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए कर्नाटक सरकार के प्रयासों का हिस्सा है। अभी तारीखों की घोषणा नहीं की गई है। राज्य सरकार ने कावेरी आरती के लिए 92 करोड़ रुपये आवंटित करने का फैसला किया है, जिसमें अन्य विभागों का भी योगदान होगा। उन्होंने कहा हम करीब 10,000 लोगों के बैठने की व्यवस्था कर रहे हैं। समिति तय करेगी कि आरती कितने दिनों तक होगी। विभिन्न विभागों ने अपनी-अपनी गतिविधियों पर रिपोर्ट प्रस्तुत की है, और हम उन्हें अंतिम योजना में शामिल करेंगे। सरकार ने केआरएस

(कृष्ण राजा सागर बांध) पर वृंदावन गार्डन को अपग्रेड करने के लिए पहले ही निविदाएं आमंत्रित की हैं। उन्होंने कहा हमने चार पंचायतों के साथ एक योजना प्राधिकरण बनाने का भी फैसला किया है। इससे उनके कामकाज पर कोई असर नहीं पड़ेगा। प्राधिकरण केवल योजना बनाने पर ध्यान केंद्रित करेगा और यह सुनिश्चित करेगा कि परियोजना से होने वाली आय इन पंचायतों को लाभ पहुंचाए। शिवकुमार ने कहा कि वृंदावन गार्डन को विकसित करने के लिए सात फर्म आगे आई हैं, और चर्चा चल रही है। उन्होंने कहा हमने बोली लगाने वालों के लिए स्थानीय रोजगार को प्राथमिकता देने की शर्त रखी है। कावेरी आरती कार्यक्रम कब शुरू होगा, इस बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा मैं इसे इस दशहरा पर शुरू करने के लिए उत्सुक हूं और हमने इसका खाका तैयार करने के लिए एक समिति बनाई है। देखते हैं कि समिति कितनी जल्दी अपनी योजनाएँ प्रस्तुत करती है। आरती के स्थान के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा हमने संभावित स्थलों का निरीक्षण किया है और तकनीकी समिति से परामर्श किया है। स्थान पानी के करीब होना चाहिए, जिसमें पार्किंग, बैठने और कलाकारों के लिए पर्याप्त जगह हो। नौका विहार भी शामिल होगा। समिति निर्णय लेगी। जब उनसे पूछा गया कि क्या कार्यक्रम के लिए प्रवेश टिकट होंगे, तो उन्होंने कहा भुगतान और निःशुल्क दोनों तरह के प्रवेश विकल्प होंगे। हम गरीब लोगों को प्रवेश से वंचित नहीं कर सकते और जनता के लिए प्रार्थना करने का विकल्प होगा। आरती से केआरएस बांध को नुकसान पहुंचने के आरोपों पर उन्होंने कहा हम इसका विरोध करने वाले संगठनों के साथ इस पर चर्चा करेंगे।

बुलडोजर नहीं, आईईडी से ढहाए जा रहे आतंकियों के घर

छह आतंकियों के रिहायशी मकान ध्वस्त

जम्मू, 26 अप्रैल (ब्यूरो)। पहलगाम हमले के बाद सुरक्षाबलों ने शनिवार को दक्षिण कश्मीर के तीन जिलों में लश्कर-ए-तैयबा के आतंकियों के चार और मकान ध्वस्त कर दिए गए, जिन पर पहलगाम हमले में शामिल होने का संदेह है। इस तरह से कुल मिला कर 24 घंटों में 6 आतंकियों के 6 घरों को नेस्तनाबूद कर दिया गया।

मुरान पुलवामा के आतंकी एहसान उल हक शेख के मकान को अधिकारियों ने कल देर रात ध्वस्त कर दिया। इसी तरह कुलगाम में आतंकी जाकिर अहमद गनिया (2023 से सक्रिय) के मकान को मतलहामा में विस्फोट कर ध्वस्त कर दिया गया। शोपियां में आतंकी शाहिद अहमद कुटे का मकान भी चोटीपोरा में ध्वस्त कर दिया गया। वह 2002 से सक्रिय है। कल पहलगाम हमले में शामिल होने की बात सामने आने के बाद दो आतंकियों आसिफ अहमद शेख त्राल और आदिल थोकर बिजभेरा के मकान ध्वस्त कर दिए गए थे।

दरअसल पहलगाम हमले में शामिल संदिग्ध स्थानीय आतंकियों के खिलाफ बड़ा अभियान चलाया जा रहा है। पुलवामा में सेना ने एक और आतंकी का घर ध्वस्त कर दिया गया। पुलवामा में जैश ए मोहम्मद के आतंकी एहसान उल हक के घर को मिट्टी में मिला दिया गया। इससे पहले दो और आतंकियों के घर को सुरक्षाबलों ने तबाह किया था। जिसमें अनंतनाग जिले के बिजबेहरा के त्राल के गोरी इलाके में एक आतंकी के घर को बम से उड़ाया, जबकि दूसरे संदिग्ध के घर को बुलडोर से गिराया गया। बताया जाता है कि एहसान ने 2018 में पाकिस्तान से प्रशिक्षण लिया था और हाल ही में वह फिर से कश्मीर घाटी में दाखिल हुआ था। यह पहलगाम हमले का संदिग्ध है।

दक्षिण कश्मीर के पुलवामा के मुर्रान में अहसान उल हक शेख का घर और पुलवामा के काचीपोरा इलाके में लश्कर के आतंकवादी हारिस अहमद का घर विस्फोट में नष्ट कर दिया गया। दक्षिण कश्मीर के गुरी के एक गांव में सुरक्षा बलों ने चलाए गए सर्च ऑपरेशन के दौरान एक संदिग्ध आतंकी के घर को बम से उड़ा दिया। सूत्रों ने बताया कि घेराबंदी और सर्च ऑपरेशन के दौरान सुरक्षाबलों को घर में कुछ संदिग्ध वस्तुएं दिखाई दीं। खतरे को भांपते हुए सुरक्षा बल सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पीछे हट गए। हालांकि, पीछे हटने के कुछ ही देर बाद एक शक्तिशाली विस्फोट से घर को भारी नुकसान पहुंचा। बताया जा रहा है कि यह घर पहलगाम हमले में शामिल आतंकी आदिल का था।

दिल्ली में भाजपा की ट्रिपल इंजन की सरकार

एमसीडी में भी आपा ध्वस्त, इकबाल सिंह मेयर बने

नई दिल्ली, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के मेयर पद के लिए हुए चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार सरदार राजा इकबाल सिंह ने भारी बहुमत से जीत दर्ज की है। उन्हें कुल 133 वोट मिले, जबकि कांग्रेस के उम्मीदवार मनदीप को मात्र 8 वोटों पर संतोष करना पड़ा है। वहीं, आम आदमी पार्टी (आपा) ने इस चुनाव से खुद को अलग रखा। भाजपा ने चुनाव से पहले ही सरदार राजा इकबाल सिंह को मेयर और जय भगवान यादव को डिप्टी मेयर पद के लिए अपना उम्मीदवार घोषित कर दिया था। राजा इकबाल सिंह इस समय नगर निगम में नेता विपक्ष की भूमिका निभा रहे थे।

राजा इकबाल सिंह की राजनीतिक यात्रा की शुरुआत शिरोमणि अकाली दल से हुई थी। उनका पारिवारिक संबंध भी अकाली राजनीति से गहरा रहा है। उनके ससुर जीटीबी नगर से पार्षद रहे हैं, जबकि उनके साले आज भी अकाली दल से जुड़े हुए हैं। खुद राजा इकबाल सिंह भी जीटीबी नगर से पार्षद रह चुके हैं। सितंबर 2020 तक वे दिल्ली नगर निगम के सिविल लाइंस जोन के प्रमुख थे। इसी दौरान जब केंद्र सरकार के कृषि कानूनों का विरोध हुआ और अकाली दल ने एनडीए से समर्थन वापस लिया, तब पार्टी ने इकबाल सिंह से इस्तीफा देने को कहा, लेकिन उन्होंने मना कर दिया। इसके नौ महीने बाद भाजपा ने उन्हें उत्तर दिल्ली नगर निगम का मेयर बना दिया।

हनुमान जयंती के दिन 16 अप्रैल 2020 में दिल्ली के जहांगीरपुरी इलाके में सांप्रदायिक हिंसा भड़क गई थी। इस मामले में कई लोगों को गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद नगर निगम ने अवैध निर्माणों के खिलाफ कार्रवाई की थी। इसमें अधिकांश निर्माण मुस्लिम समुदाय के थे। उस समय उत्तरी दिल्ली नगर निगम के मेयर राजा इकबाल सिंह ही थे। यह कार्रवाई उन्हें राजनीतिक रूप से चर्चा में ले आई थी।

पाकिस्तान मुर्दाबाद वाले पोस्टर से चिढ़े मुस्लिमों ने किया उपद्रव भीड़

जयपुर, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। जयपुर में मुस्लिम उपद्रवियों की भीड़ पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे से चिढ़ गई और उपद्रव करने लगी। जयपुर के हवामहल विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक बालमुकुंदाचार्य के खिलाफ माणक चौक थाने में एफआईआर दर्ज की गई। आरोप है कि उन्होंने पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में एक स्थानीय मस्जिद परिसर में पाकिस्तान मुर्दाबाद लिखे पोस्टर चिपकाए।

इस घटना के बाद स्थानीय मुस्लिम समुदाय में नाराज़गी फैल गई और बड़ी संख्या में लोग वाल्ड सिटी इलाके में एकत्र होकर विधायक की गिरफ्तारी की मांग करने लगे। स्थिति तनावपूर्ण होते देख पांच पुलिस थानों का बल इलाके में तैनात किया गया। पुलिस को बाद में एफआईआर भी दर्ज करनी पड़ी। जयपुर के पुलिस आयुक्त जोसेफ, एडिशनल सीपी हरिशंकर शर्मा और डिप्टी पुलिस कमिश्नर राशि डोगरा डूडी ने मौके पर पहुंचकर हालत पर नियंत्रण किया।

अबकी बार तो आर-पार के मूड में हैं जवान और नागरिक

चपराल (जम्मू फ्रंटियर), 26 अप्रैल (ब्यूरो)। इस बार आर या पार। यह नारा और जोश है उन जवानों में जो देश की रक्षा करने की खातिर सीमा पर डटे हुए हैं। यही नारा सीमांत गांवों के लोग भी लगा रहे हैं। पाकिस्तान क्या समझता है अपने आपको। इस बार तो हम दुनिया के नक्शे से ही उसका नामोनिशान मिटा देंगे,यह भी लक्ष्य है उन सैनिकों का जो सीमा पार बढ़े पाक सेना के जमावड़े के पश्चात सीमा पर तैनात किए गए हैं।

जम्मू फ्रंटियर की अंतरराष्ट्रीय सीमा की इस चौकी पर एक दूसरे को ललकारने का कार्य भी जारी है। पाकिस्तानी सीमा चौकी की दूरी मात्र 150 गज। जिस स्थान पर यह संवाददाता खड़ा था उससे जीरो लाइन, अर्थात दोनों देशों को बांटने वाली रेखा की दूरी थी मात्र 75 गज। चिल्लाया न जाए तो भी उस आवाज को दुश्मन के सैनिक सुन लेते हैं। अब बहुत हो गया। इस बार तो हमें आर-पार की लड़ाई लड़नी होगी। अगर हम ऐसे ही हिम्मत हारते गए गए जवानों का जोश ठंडा पड़ जाएगा। यही कारण है कि ऊपर के आद-ेशों के बाद भी हम संयम को कभी कभी तोड़ देते हैं,चौकी पर तैनात अधिकारी ने कहा था। वह अपनी पहचान गुप्त रखना चाहते थे।

ऐसी भावना के पीछे के ठोस कारण भी हैं। पाकिस्तान की उकसावे वाली गतिविधियां, सीमा पार तैनात जवानों की संख्या में बढ़ौतरी, बख्तरबंद वाहनों, टैंकों के जमावड़े ने परिस्थितियों को भयानक बनाया है। इतना भयानक कि युद्ध का साया सारी सीमा पर मंडराने लगा है। हालांकि इस साए के तले नागरिक भी आ गए हैं जो सुरक्षित स्थानों पर जान बचाने की दौड़ लगाने शुरू हो गए हैं। आखिर वे दौड़ लगाए भी क्यों न। घरों के भीतर वे बैठ नहीं सकते। बरामदे में खड़े नहीं हो सकते खेतों में जा नहीं सकते क्योंकि वे जानते हैं कि गोलियों की बरसात उन्हें मजबूर कर देगी कि वे अपने उन घरों और गलियों का त्याग कर दें जहां उन्होंने बचपन गुजारा है। परंतु सैनिकों के लिए ऐसा नहीं है। बंकरों और खंदकों की आड़ में वे पाक गोलियों का जवाब गोलियों से देने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। अक्सर पाक सेना अंतरराष्ट्रीय सीमा की शांति को मोर्टार के गोलों के धमाकों से भी भंग करती रही है। परंतु भारतीय पक्ष मोर्टार का इस्तेमाल अंतरराष्ट्रीय सीमा पर नहीं करता था। आखिर क्यों भारतीय सेना मोर्टार का जवाब मोर्टार से नहीं देती,चपराल के जगतार सिंह ने कहा था।

बराबर का जवाब न दे पाने का अफसोस सैनिकों को भी है। अगर दुश्मन एक थप्पड़ मारता है तो हमें उसके बदले चार मारने की इजाजत होनी चाहिए। यही तरीका है शत्रु का हौंसला तोड़ने और अपने जवानों का मनोबल बढ़ाने का, बंकर के पीछे एमएमजी को संभालने वाले जवान ने असंतोष भरे शब्दों में कहा था। सच्चाई यह थी कि पाक सैनिक रेंजरों का स्थान ले रहे हैं और वे उकसाने वाली कार्रवाई के तहत भारतीय सैनिक तथा असैनिक ठिकानों पर मोर्टार दाग रहे हैं। यह बात अलग है कि भारतीय पक्ष इस उकसावे में नहीं आता।

जम्मू में दीर्घकालिक वीजा पर हैं 34 पाकिस्तानी बहुएं

सीआरपीएफ जवान की पत्नी मीनल का वीजा समाप्त

सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, 26 अप्रैल। जम्मू संभाग में भी 34 पाकिस्तानी युवतियां जम्मू में ब्याही हुई हैं। इनमें से चार महिलाओं ने जिन बच्चों को जन्म दिया उन्हें पाकिस्तानी नागरिकता मिली है। सीआरपीएफ जवान से शादी करने वाली पाकिस्तानी महिला मीनल का वीजा पिछले महीने की 14 तारीख को समाप्त हो चुका है।

केंद्र सरकार ने पहलगाम में आतंकी हमले के बाद पाकिस्तानी नागरिकों को दिए गए व्यापार, सम्मेलन, पर्यटन और तीर्थयात्री सहित 14 श्रेणियों के वीजा रद्द कर दिए हैं।

जम्मू में अधिकारियों ने बताया है कि चार बच्चों के साथ 34 पाकिस्तानी महिलाएं और केरिपुब कांस्टेबल से विवाहित एक अन्य महिला फिलहाल जम्मू क्षेत्र में रह रही हैं। 34 पाकिस्तानी महिलाएं विवाह के बाद यहां बस गई हैं और वे दीर्घकालिक वीजा (एलटीवी) की श्रेणी में आती हैं, जिसे रद्द नहीं किया गया है। रोचक तथ्य यह है कि कुछ महिलाओं ने चार बच्चों को जन्म दिया है और उन्होंने पाकिस्तानी नागरिकता का ही विकल्प चुना है।

मीनल खान ने यहां केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के एक जवान से शादी की है, जिसका वीजा इस साल 14 मार्च को समाप्त हो गया था। अधिकारियों ने कहा कि महिला ने वीजा में विस्तार के लिए आवेदन किया है और उसका आवेदन केंद्रीय गृह मंत्रालय के समक्ष लंबित है। दरअसल कल केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ टेलीफोन पर बातचीत के बाद, केंद्रीय गृह सचिव गो-विंद मोहन ने भी सभी राज्यों के मुख्य सचिवों के साथ एक वीडियो कांफ्रेंस की थी और उन्हें यह सुनिश्चित करने के लिए कहा था कि जिन पाकिस्तानी नागरिकों के वीजा रद्द किए गए हैं, वे तय समय सीमा तक भारत छोड़ दें।

सभी राज्य सरकारों को भेजे गए संदेश में गृह मंत्रालय ने कहा कि यह आदेश पाकिस्तानी नागरिकों को जारी किए गए दीर्घकालिक वीजा (एलटीवी) और राजनयिक और आधिकारिक वीजा पर लागू नहीं होगा। गृह मंत्रालय के आदेश के अनुसार, सार्क वीजा रखने वालों को 26 अप्रैल तक भारत छोड़ देना चाहिए और जिनके पास आगमन पर वीजा, व्यवसाय, फिल्म, पत्रकार, पारगमन, सम्मेलन, पर्वतारोहण, छात्र, आगंतुक, समूह पर्यटक और तीर्थयात्री वीजा हैं, उन्हें 27 अप्रैल तक भारत छोड़ देना चाहिए। पाकिस्तान के अल्पसंख्यकों को दिए जाने वाले समूह तीर्थयात्री वीजा वाले लोगों को भी 27 अप्रैल तक देश छोड़ देना चाहिए।

अवैध शराब के खिलाफ सरकार ने छेड़ा महाअभियान

संयुक्त कार्रवाई में शराब माफिया की तोड़ी कमर

एक हफ्ते में 5838.57 लीटर अवैध शराब जब्त

लखनऊ, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में अवैध शराब के कारोबार के खिलाफ जोरदार अभियान चलाया जा रहा है। आबकारी विभाग, पुलिस और अन्य प्रशासनिक इकाइयों की संयुक्त कार्रवाई ने शराब माफिया की कमर तोड़ दी है। बीते एक सप्ताह में विभिन्न जिलों में छापेमारी, वाहन चेकिंग और गोपनीय जांच के जरिए भारी मात्रा में अवैध शराब जब्त की गई, लहन नष्ट किया गया और अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है। विभिन्न जिलों में की गई कार्रवाइ में कुल 5838.57 लीटर अवैध शराब जब्त की गई। इसमें कच्ची शराब, देशी शराब और विदेशी शराब शामिल है। सबसे अधिक जब्ती लखीमपुर खीरी में हुई। यहां 325 लीटर, 310 लीटर और 300 लीटर शराब जब्त की गई। झांसी में 590 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद की गई।

बीते एक सप्ताह में प्रदेश के विभिन्न जिलों जैसे मुरादाबाद, सीतापुर, उन्नाव, गोरखपुर, सुल्तानपुर, पीलीभीत, गोण्डा, बलरामपुर, बहराइच, हरदोई, कुशीनगर, गौतमबुद्धनगर, लखीमपुर खीरी, झांसी, रामपुर, प्रयागराज, अम्बेडकरनगर, बाराबंकी, सिद्धार्थनगर, संतकबीरनगर, मुजफ्फरनगर, ललितपुर, मैनपुरी, बस्ती, मेरठ, मिर्जापुर, श्रावस्ती, जौनपुर, सोनभद्र, फतेहपुर, हमीरपुर और बरेली में आबकारी और पुलिस की संयुक्त टीमों ने ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक छापेमारी की है। उदाहरण के लिए, उन्नाव में ग्राम चम्पा पुरवा, मोहान, न्योतनी, शकूराबाद, रामपुर, मवईया, केदारखेडा और रसूलपुर मझगवा में 280 लीटर अवैध शराब बरामद की गई और 700 किलोग्राम लहन नष्ट किया गया। इसी तरह, लखीमपुर खीरी में ग्राम गुलौली बसबिरवा, बसंतापुर, कुसमी कॉलोनी, भटपुरवा, बाईकुआं रह्जनिया, नयागांव और जमुनिया काढीले में 300 लीटर अवैध शराब जब्त की गई और 1270 किलोग्राम लहन नष्ट किया गया।

सड़क पर पाकिस्तान का झंडा चिपकाने पर कार्रवाई

बजरंग दल के कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया

कलबुर्गी, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। कर्नाटक के कलबुर्गी में बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले पर पाकिस्तान के खिलाफ नाराजगी दिखाने का कुछ अलग तरीका अपनाया। उन्होंने शहर के जगत सर्किल, अलंद नाका, मार्केट चौक और साथ गुंबज आदि चौराहों पर पाकिस्तान के झंडे के बड़े-बड़े पोस्टर सड़क पर चिपका दिए।

कुछ लोग उस पर पांव रखकर चले भी। पाकिस्तान का झंडा सड़क पर रख कर पैरों से रौंदने का विरोध मुस्लिम तुष्टिवादी कर्नाटक सरकार की पुलिस को रास नहीं आया। पुलिस ने हर इलाके में जाकर पोस्टर हटाए और कुछ लोगों को हिरासत में लिया। शहर के कमिश्नर शरनप्पा एसडी ने बताया कि बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने बिना अनुमति के सड़क पर पाकिस्तानी झंडे के पोस्टर लगाए थे। उनका कहना है कि इन पोस्टर्स से सांप्रदायिक तनाव बढ़ने की आशंका थी, इसलिए उन्हें हटा दिया गया है। इसके लिए छह लोगों को एहतियातन गिरफ्तार किया गया और बाद में चेतावनी देकर छोड़ दिया गया।

अयोध्या में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए सरकार ने लिया बड़ा निर्णय

सरयू नदी में बनेगा बहता हुआ स्नान कुंड

300 श्रद्धालु एक समय में कर सकेंगे स्नान

अयोध्या, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। अयोध्या में पर्यटन और श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए योगी सरकार ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। सरयू नदी में फ्लोटिंग बाथिंग कुंड का निर्माण किया जाएगा। यह कुंड आधुनिक सुविधाओं से लैस होगा। इसमें एक समय में 300 श्रद्धालु स्नान कर सकेंगे। यह कदम अयोध्या के मेलों और धार्मिक आयोजनों की भीड़ को देखते हुए उठाया गया है, ताकि श्रद्धालुओं को सुरक्षित और सुविधाजनक स्नान की व्यवस्था मिल सके।

अयोध्या में भव्य राम मंदिर निर्माण के बाद बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। प्रदेश की योगी सरकार अयोध्या के धार्मिक महत्व को बढ़ाने के साथ पर्यटन नगरी के रूप में भी सजा-संवार रही है। इसी कड़ी में अयोध्या विकास प्राधिकरण ने श्रद्धालुओं के लिए एक नायाब कुंड का निर्माण कराने का फैसला लिया है। योगी सरकार का यह प्रयास न केवल धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देगा, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती प्रदान करेगा। फ्लोटिंग बाथिंग कुंड के निर्माण से अयोध्या में आने वाले पर्यटकों और श्रद्धालुओं को एक नया और आधुनिक अनुभव मिलेगा, जो उनकी यात्रा को और भी यादगार बनाएगा।

फ्लोटिंग बाथिंग कुंड में सेफ्टी बैरियर, रेलिंग, चेंजिंग रूम, बेंच और सोलर लाइट, इमरजेंसी सपोर्ट बोट, शॉपिंग आदि की सुविधाएं प्रस्तावित हैं। इसके अलावा, अन्य अत्याधुनिक इंतजाम भी किए जाएंगे, जो इसे पर्यटकों और श्रद्धालुओं के लिए आकर्षक बनाएंगे। यह कुंड न केवल धार्मिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण होगा, बल्कि पर्यटन को बढ़ावा देने में भी अहम भूमिका निभाएगा। फ्ल-ोटिंग कुंड एक तैरती हुई संरचना होगी। यह हल्के और टिकाऊ सामग्रियों जैसे पैन्टून, फाइबर-रिइंफोर्सड प्लास्टिक या स्टील फ्रेम से बनाई जाती है। यह संरचना पानी पर स्थिर रहती है और नदी के उतार-चढ़ाव के साथ समायोजित हो सकती है। अयोध्या विकास प्राधिकरण ही इस पूरे प्रोजेक्ट की मॉनिटरिंग करेगा। यह श्रद्धालुओं के लिए बेहद आकर्षक होगा। उपाध्यक्ष अश्विनी पांडेय ने बताया कि प्रोजेक्ट की संरचना तैयार कर ली गई है। जल्द से इसका टेंडर करा दिया जाएगा।

खबरें जो सोच बदल दे शुभ लाभ

धर्म देख कर हत्या करने वालों को योगी ने फिर दी चेतावनी

जो जिस भाषा में समझेगा, उसे उसी भाषा में जवाब देंगे

सीएम ने नाव से लिया शारदा नदी के चैनेलाइजेशन कार्य का जायजा

लखीमपुर खीरी, 26 अप्रैल (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पहलगाम में पर्यटकों पर हुए कायराना आतंकी हमले की निंदा करते हुए यूपीवासियों की ओर से संवेदना व श्रद्धांजलि व्यक्त की। सीएम ने कहा कि सभ्य समाज में आतंकवाद-अराजकता के लिए कोई जगह नहीं है। भारत सरकार का सेवा, सुरक्षा व सुशासन का मॉडल विकास, गरीब कल्याण और सबकी सुरक्षा पर आधारित है। सुरक्षा में सेंध लगाने वालों को जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत जिस भाषा में समझेगा, उस भाषा में जवाब देने के लिए नया भारत तैयार है। नया भारत किसी को छेड़ता नहीं, लेकिन छेड़ने वाले को पीएम मोदी के नेतृत्व में छोड़ेगा भी नहीं। जीरो टॉलरेंस नीति के अंतर्गत ही यूपी को माफिया, अराजकता, दंगा मुक्त किया और देश की अग्रणी अर्थव्यवस्था के रूप में लाकर खड़ा किया।

मुख्यमंत्री ने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को ऋण, अनुदान, आवास व ट्रैक्टर की चाबी आदि प्रदान की। बाढ़ नियंत्रण की सकारात्मक पहल के लिए बिजवा व पलिया ब्लॉक के किसानों ने मंच पर आकर मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताया। मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश को आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर का प्रदेश बताते हुए कहा कि बाढ़ हो या बीमारी, नए भारत का नया उप्र इसके समाधान के लिए बखूबी आगे बढ़ा है। सीएम ने कहा कि पिछले वर्ष पलिया व निघासन क्षेत्र के लोगों को बाढ़ से जूझते हुए देखा था, तब मैंने कहा था कि चिंता न कीजिए, इसके स्थायी समाधान का रास्ता निकालेंगे। जनप्रतिनिधियों के सहयोग से जलशक्ति विभाग बाढ़ के स्थायी समाधान के लिए शारदा नदी को चैनलाइज करने जा रहा है। इससे किसान का खेत भी बचेगा और बाढ़ से बस्ती भी बचेगी। सात किमी. लंबा चैनल बनाने का कार्य हो रहा है। सीएम ने बताया कि अप्रैल के पहले सप्ताह में आना था, लेकिन मैंने कहा कि पहले काम शुरू करो। अब यह कार्य तेजी से बढ़ रहा है।

योगी ने कहा कि सरकार जो पैसा खर्च करती है, वह मुख्यमंत्री-मंत्री का नहीं, बल्कि यह जनता के टैक्स का पैसा है। इसका सदुपयोग होना चाहिए। पहले प्रस्ताव आया था कि 180 करोड़ से तटबंध बनाया जाए। इससे किसानों की जमीन भी जाती। मैंने पूछा कि शारदा नदी में तीन-सवा तीन लाख क्यूसेक पानी आएगा तो मिट्टी का तटबंध कैसे इसे रोक पाएगा। यह समस्या का समाधान नहीं है, नदी को चैनलाइज कीजिये, ड्रेजर मंगाइए और नदी को एक साथ चलने का रास्ता दीजिए, तब बाढ़ की समस्या का समाधान होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि 180 करोड़ का काम मात्र 22 करोड़ में हो सकता है तो इस कार्य को 10 जून तक पूरा कर दीजिए। मानसून आएगा तो पानी पलिया, निघासन या लखीमपुर खीरी की तरफ नहीं जाएगा, बल्कि सरयू जी में मिलकर आगे बढ़ जाएगा। यदि इसे चैनलाइज कर देंगे तो पानी बिखरेगा नहीं, अपने रास्ते लय करते हुए आगे बढ़ जाएगा, जिससे किसान भी सुरक्षित रहेगा और उसकी खेती, घर, फसल, पशुधन भी सुरक्षित रहेगा। बाढ़ से जन-धन की हानि नहीं होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लखीमपुर विकास की नई ऊंचाइयों को प्राप्त कर रहा है। अब यहां मेडिकल कॉलेज का निर्माण भी हो गया, जबकि साल वर्ष पहले यह सपना था। दुधवा नेशनल पार्क के माध्यम से पर्यटन की संभावना भी बढ़ेगी। लखीमपुर खीरी में एयरपोर्ट हो, इसके लिए पैसा भी दिया है। एयरपोर्ट सुहेली नदी व अन्य जलप्लावन से बचे, इसका भी निरीक्षण करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि अन्नदाता किसान, युवा व आधी आबादी डबल इंजन सरकार की शीर्ष प्राथमिकता में है। सरकार ने किसानों के कर्ज माफी से कार्यों की शुरुआत की थी। हर किसान को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि दी जा रही है। हमने पहले दिन से ही कहा था कि किसी को भी किसानों के शोषण की इजाजत नहीं देंगे। 2017 के पहले किसानों का 10-10 वर्षों का गन्ना मूल्य बकाया रहता था, आज एक वर्ष पुराना भुगतान किसी का नहीं होगा। 122 में से 105 चीनी मिलें एक सप्ताह के अंदर भुगतान कर रही हैं। शेष 17 मिलों में लेटलतीफी का समाधान निकाल रहे हैं। पैसा किसी का डूबेगा नहीं, क्योंकि चीनी मिल का कब्जा सरकार के पास है। अभी हमने एस्क्रो अकाउंट खोला है, यह ज्वाइंट एकाउंट होगा। जो भी चीनी बिकेगी, उसका पैसा पहले किसान के पास जाएगा, फिर चीनी मिल मालिक के पास। यदि किसी ने इसके बाद भी बदमाशी की कि चीनी मिल की नीलामी करके पहले किसानों को पैसा देंगे।

सीएम ने सपा को घेरा, बोले कि विकास, महिला, युवा, किसान विरोधी लोगों को जब शासन का अवसर मिला था तो यह लोग किसानों को आत्महत्या, युवाओं को पलायन पर मजबूर करते थे और पेशेवर अपराधियों को संरक्षण देकर बेटी, बहन व व्यापारियों की सुरक्षा में सेंध लगाते थे। आज शासन सबकी सुरक्षा के लिए मजबूती से कार्य कर रहा है। कांग्रेस व सपा जाति के नाम पर समाज को बांट रही है। यह छत्रपति शिवाजी, राणा सांगा का अपमान व क्रूर औरंगजेब-बाबर का महिमामंडन करते हैं। दो वर्ष पहले जब लौहपुरुष की जयंती पर रन फॉर यूनिटी का कार्यक्रम चल रहा था, तब सपा मुखिया जिन्ना का महिमामंडन बदल दिया गया, यह लोग अपने परिवार के सदस्यों के नाम पर करने जा रहे थे। हमारी सरकार ने कन्नौज मेडिकल कॉलेज फिर से बाबा साहब के नाम पर किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा सुरक्षा, सेवा, स्वावलंबन व गरीब कल्याण के लिए कार्य कर रही है। शारदा नदी जैसे ही चैनलाइज होगी तो 400 गांव, ढाई लाख आबादी, 10 हजार हेक्टेयर भूमि को बाढ़ से बचाव में मदद मिलेगी।

यहां के जनप्रतिनिधियों ने मिलकर बाढ़ के स्थायी समाधान के लिए सरकार की मदद की है। मुख्यमंत्री ने 30 अप्रैल को अक्षय तृतीया व भगवान परशुराम की बधाई दी। सीएम ने गोला गोकर्णनाथ में कॉरिडोर व दुधवा के विकास का भी जिक्र किया। बोले लखनऊ में जब तापमान 46 होगा तो दुधवा में 38 डिग्री तापमान होगा। पर्यटकों के आने से रोजगार की संभावना बढ़ेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली बार आया था तो खेतों में गेहूं व गन्ना की फसल थी। अब किसानों ने समय पर उसे समेट लिया है। सीएम ने अपील की कि फसल कट गई है तो आग न लगाइए, बल्कि भूसा बैंक बनाइए, गोमाता का आशीर्वाद बना रहेगा। भूसा में हरा चारा और चोकर मिलाकर खिलाएंगे तो गोवंश के दूध से आप व आपके बच्चे मजबूत होंगे। इससे दुश्मन के दांत खट्टा करने के लिए सीमाओं की रक्षा करने में सफल हो जाएंगे। इस दौरान जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल, विधायक हरविंदर कुमार उर्फ रोमी साहनी, विनोद शंकर अवस्थी, अमन गिरि, लोकेंद्र प्रताप सिंह, योगेश वर्मा, मंजू त्यागी, शशांक वर्मा, सौरभ सिंह सोनू, भाजपा जिलाध्यक्ष सुनील सिंह, कमिश्नर रोशन जैकब, जिलाधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल आदि मौजूद रहीं।

सीएम योगी ने भोलेराम, बालचंद्र, पृथ्वी लाल को ट्रैक्टर व मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के लाभार्थी सनेव, मीना देवी, नीतू, कुसुमा, रीमा को चाबी दी।

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत 358 समूहों को रिवाल्विंग फंड तथा 882 समूहों को सीआईएफ का डेमो चेक (14 करोड़, 30 लाख, 40 हजार) दिया गया। यह चेक सुनीता देवी, रेनु, अर्चना, शबाना, रंजू देवी ने प्राप्त किया।

सीएम युवा उद्यमी विकास अभियान के लाभार्थी अहिल्या राणा, वैशाली दिवाकर, हिमांशु जायसवाल, विनीत कुमार पटेल और रचित अग्रवाल को सीएम ने चेक प्रदान किया।

सीएम योगी ने दुधवा टाइगर रिजर्व का निरीक्षण किया

थारू समाज की महिलाओं को दिया प्रशस्ति पत्र

विदेशी पर्यटकों से सीएम योगी ने की बातचीत

लखीमपुर खीरी, 26 अप्रैल (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को दुधवा टाइगर रिजर्व का निरीक्षण किया। यहां उन्होंने विभिन्न स्टॉल का अवलोकन किया। थारू समाज की महिलाओं के कार्यों को जाना। विशिष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने यहां विदेशी पर्यटकों से भी संवाद साधा।

मुख्यमंत्री ने दुधवा टाइगर रिजर्व के निरीक्षण के दरम्यान थारू समाज की महिलाओं से उनका हालचाल पूछा और नाबार्ड द्वारा केले के उत्पादों पर स्वयं सहायता समूह की महिलाओं की प्रदर्शनी का अवलोकन किया। सीएम ने यहां महिलाओं को प्रशस्ति पत्र भी दिया। मानव वन्य जीव संघर्ष को न्यूनतम करने के लिए डब्ल्यूडब्ल्यूएफ (वर्ल्ड वाइल्डलाइफ फंड फॉर नेचर), ट्रेंकुलाइजर गन, ट्रेल कैमरा, ड्रोन, आरआरटी (रैपिड रिस्पांस टीम) प्रदर्शनी का अवलोकन किया। सीएम ने यहां डॉक्टरों से भी बातचीत की। मुख्यमंत्री ने दुधवा टाइगर रिजर्व में विदेशी पर्यटकों से भी बातचीत की। उन्होंने यहा की व्यवस्थाओं के बारे में भी जानकारी ली। विदेशी पर्यटकों ने यहां की व्यवस्थाओं पर संतुष्टि जताई। सीएम ने वन विभाग के अधिकारियों को सभी का ध्यान रखने और सभी सुविधाएं मुहैया कराने का निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री ने सलूकापुर हाथी कैंप का भी अवलोकन किया। यहां उन्होंने शिशु हथिनी का नामकरण किया। सीएम ने उसे भवानी नाम दिया। फिर चार हाथियों को चारा, केला आदि खिलाया। इस दौरान कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, प्रभारी मंत्री नितिन अग्रवाल, पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह, वन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ अरुण कुमार सक्सेना, राज्यमंत्री केपी मलिक, प्रमुख सचिव (वन) अनिल कुमार, प्रधान मुख्य वन रक्षक एवं विभागाध्यक्ष, वन विभाग सुनील चौधरी, प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन्य जीव अनुराधा वेमुरी, प्रबंध निदेशक, उत्तर प्रदेश वन निगम केके सिंह, दुधवा टाइगर रिजर्व के फील्ड डायरेक्टर एच राजमोहन, उप निदेशक सौरीष सहाय आदि मौजूद रहे।

निराश्रित महिला पेंशन की लाभार्थियों का सत्यापन कराएगी सरकार

लखनऊ, 26 अप्रैल (एजेंसियां)।

प्रदेश सरकार निराश्रित महिला पेंशन योजना के सभी लाभार्थियों का सघन सत्यापन कराएगी। प्रमुख सचिव महिला कल्याण लीना जौहरी ने इस संबंध में प्रदेश के सभी मंडलायुक्त और जिलाधिकारियों को आदेश जारी कर दिए हैं। इसके सत्यापन का काम 25 मई तक हर हाल में पूरा किए जाने के लिए कहा गया है।

सत्यापन के दौरान मृतक एवं अपात्र लाभार्थियों की पेंशन तत्काल प्रभाव से बंद कर दी जाएगी। वहीं, पात्र लाभार्थियों को समय-समय पर भुगतान की जाने वाली धनराशि के संबंध में एस0एम0एस0 के माध्यम से सूचना प्रदान की जाएगी। प्रदेश में निराश्रित महिला पेंशन योजना के तहत लाभान्वित महिलाओं का आधार प्रमाणीकरण भी अनिवार्य किया गया है। सत्यापन का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि योजना का लाभ केवल वास्तविक पात्र महिलाओं को ही मिले।

सत्यापन कार्य तीन चरणों में सम्पन्न होगा, जिसमे पहले चरण में लाभार्थियों के सत्यापन का कार्य 10 मई तक पूरा किया जाना है। दूसरे चरण में 15 मई तक हस्ताक्षरित सूची सहित रिपोर्ट जिला प्रोबेशन अधिकारी को उपलब्ध करानी होगी। इसके तीसरे और अंतिम चरण में 25 मई तक मृतक एवं अपात्र लाभार्थियों की पेंशन बंद करने की कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। यह पूरी प्रक्रिया जिलाधिकारी की देख रेख में होगी। जांच में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी पाए जाने पर दोषी अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी यह सुनिश्चित करेंगे कि सत्यापन पूरी गंभीरता और गहनता से किया जाए।

18 वर्ष से अधिक आयु की ऐसी महिलाएं, जो उत्तर प्रदेश की स्थायी निवासी हों। उनके पति की मृत्यु हो चुकी हो तथा उनकी पारिवारिक वार्षिक आय 2 लाख रुपए से अधिक न हो। पात्र लाभार्थियों के रूप में उनके आधार लिंक बैंक खाते में हस्तांतरित की जाती है। योजना के अन्तर्गत वर्ष 2016-17 में 500 रुपए प्रति माह प्रति लाभार्थी की दर से पेंशन भुगतान किया जाता है। वर्ष 2021-22 से पात्र लाभार्थियों को 1000 रुपए प्रतिमाह प्रति लाभार्थी की दर पेंशन का भुगतान किया जा रहा है। वित्तीय वर्ष 2016-17 में पति की मृत्यु उपरान्त निराश्रित महिला पेंशन योजना के अन्तर्गत कुल 17.31 लाख लाभार्थियों को पेंशन का लाभ प्रदान किया जा रहा था। जबकि मात्र 8 वर्षों में ही इस योजना के अन्तर्गत कुल 16.83 लाख नई लाभार्थी महिलाओं को चिन्हित कर योजना से जोड़ा गया है। वर्तमान वित्तीय वर्ष से योजनान्तर्गत लाभार्थियों को आधार बेस्ड भुगतान प्रारम्भ किया गया है। इस प्रकार योजना के अंतर्गत अब कुल 34 लाख से अधिक महिलाओं को पेंशन का लाभ दिया जा रहा है।

10 जून तक बाढ़ से बचाव की तैयारियां पूरी करने का निर्देश

सीएम ने दुधवा टाइगर रिजर्व में की वन एवं पर्यटन विभाग की समीक्षा बैठक

लखीमपुर खीरी, 26 अप्रैल (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को दुधवा टाइगर रिजर्व में समीक्षा बैठक की। उन्होंने यहां वन विभाग व पर्यटन विभाग के प्रजेंटेशन को देखा। फिर जनपद के विकास कार्यों को लेकर जिलाधिकारी से जानकारी ली। इसके पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दुधवा टाइगर रिजर्व के पार्क में मौलश्री का पौधा रोपा, फिर यहां लगे स्टॉल का अवल-ोकन किया। मुख्यमंत्री का थारू महिलाओं ने स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने समीक्षा बैठक में स्थानीय, वन व पर्यटन के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

मुख्यमंत्री ने बाढ़ से बचाव को लेकर चलाई जा रही तैयारियों की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिया कि 10 से 12 जून तक इससे जुड़ी परियोजनाएं पूरी कर ली जाएं। साथ ही पर्यवेक्षण के लिए नोडल अधिकारी की तैनाती कर ली जाए। मुख्यमंत्री ने अफसरों को निर्देश दिया कि जनपद के विकास के लिए जनप्रतिनिधियों के समन्वय से योजनाएं तैयार कराई जाएं। मुख्यमंत्री ने जनपद के विकास और कानून व्यवस्था को लेकर भी जानकारी ली।

सीएम ने वन विभाग के प्रजेंटेशन को देखने के बाद कहा कि पर्यटन विकास को बढ़ाने का निर्देश दिया और दुधवा में आने वाले पर्यटकों की वर्षवार संख्या पूछी। मुख्यमंत्री ने पर्यटन के अधिकारियों का भी प्रेजेंटेशन देखा और कनेक्टिविटी, होटल, गाइड के रूप में स्थानीय लोगों को जोड़ने की बात कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि दुधवा टाइगर रिजर्व को इको टूरिज्म के केंद्र के रूप में कैसे विकसित करें, वन-पर्यटन मिलकर 15 दिन में यह प्लानिंग तय करे। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि पर्यटन विकास हो। यहां पर्यटकों के लिए बेहतरीन सुविधा दी जाए।

बैठक में मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि पुलिस, एसएसबी व वन विभाग के अफसर वन क्षेत्र में संयुक्त पेट्रोलिंग करें, ताकि अवैध कटान न हो और वन्य जीवों को कोई नुकसान न हो। मुख्यमंत्री ने कनेक्टिविटी की बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि वन्यजीव-मानव संघर्ष रोकने के लिए ग्रामीणों को प्रशिक्षण दिया जाए। वन क्षेत्र के आसपास बने गांवों में सोलर फेंसिंग कराई जाए। मुख्यमंत्री को सुहेली नदी के पुनरुद्धार के लिए कराए जा रहे प्रयास से अवगत कराया गया। जिलाधिकारी ने बताया कि पांच किमी के क्षेत्र में सफाई हो रही है। सीएम ने मनरेगा व सिंचाई के माध्यम से सफाई व जल निकासी की समुचित व्यवस्था कराने को कहा।

मुख्यमंत्री के समक्ष जिलाधिकारी ने जिला प्रशासन की अभिनव पहल मिशन मैदान के बारे में प्रेजेंटेशन दिया। उन्होंने बताया कि 1000 स्कूलों में आदर्श खेल मैदान तैयार किए गए हैं। जिन स्कूलों में खेल मैदान की जगह नहीं थी, वहां रूफटॉप इनडोर गेमिंग जोन बनाए हैं। सीएम ने इस प्रयास की सराहना की।

मेडिकल यूनिवर्सिटी में बना दी अवैध मजार और बसा दी बस्ती

खाली कराने गई पुलिस पर की पत्थरबाजी, कई डॉक्टर घायल

लखनऊ, 26 अप्रैल (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में एक अवैध मजार हटाने का विरोध करते हुए मुस्लिम भीड़ ने पुलिस और डॉक्टरों पर पथराव कर दिया। इसमें कई लोग चोटिल हो गए हैं। दरअसल, यह अवैध मजार यूपी के नामी किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) में बना दी गई है। इस मजार के आसपास अवैध बस्ती भी बस गई है। इस अतिक्रमण को हटाने के लिए प्रशासन द्वारा कई बार नोटिस दिया गया, लेकिन अतिक्रमणकारियों ने खाली नहीं किया।

आखिरकार, शनिवार 26 अप्रैल को केजीएमयू प्रशासन ने पुलिस के साथ मिलकर उस अवैध अतिक्रमण खाली कराने की कोशिश की तो उन पर हमला कर दिया गया। दंगाइयों ने एक डॉक्टर को भी पकड़ लिया। हालात को देखते हुए वहां भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। दरअसल, नेत्र विभाग के पीछे एक मजार बना दिया गया है और उसके आसपास पान-बीड़ी सहित कई अवैध दुकानें लगा दी गई हैं। इस हमले का हिंदू संगठनों ने भी विरोध किया है।

जिज्ञासा

पैंगुइन उड़ क्यों नहीं पाते?

बच्चो, टीवी पर आप लोगों ने पैंगुइन तो जरूर देखे होंगे। यह देखने में बहुत सुंदर लगते हैं। ऑस्ट्रिच और इमू की तरह पैंगुइन भी पंख होते हैं। यह पक्षियों की प्रजाति के ही हैं। इसके बावजूद यह उड़ नहीं पाते। या आप जानते हैं कि यह उड़ क्यों नहीं पाते?

कहते हैं कहते हैं आज से 650 लाख साल पहले पैंगुइन के पूर्वज उड़ पाते थे। वह भी अन्य पक्षियों की तरह आसमान में उड़ते थे और हवा में गोते लगाते थे। परंतु धीरे-धीरे उनकी यह क्षमता खत्म हो गई। पैंगुइन के पूर्वज समुद्र के ऊपर उड़ते थे और भोजन की तलाश में समुद्र में डाइव लगाते थे।

वैज्ञानिक शोधों से पता चला है कि लाखों साल पहले पैंगुइन की हड्डियां पक्षियों की तरह ही हल्की होती थीं जिसके कारण वह उड़ पाते थे। समय के साथ उनकी हड्डियां भारी हो गईं और व ान बढ़ जाने से उनका खुद को हवा में उठाना नामुमकिन हो गया। यह भी सिद्ध है कि जिस अंग का प्रयोग ना किया जाए, वह धीरेधीरे लोप हो जाता है। इस बात को मानव विकास क्रम से भी समझा जा सकता है। पैंगुइन के बारे में बात करें, तो वर्तमान में अपनी हड्डियों के कारण पैंगुइन अब पानी में डाइव बेहतर तरीके से लगा पाते हैं।

अंगकोर वाट मंदिरों का शहर

अंगकोर वाट मंदिरों की शृंखला है, जिसका निर्माण खामेर साम्राज्य के दौरान हुआ। आज भी ये मंदिर प्राचीन समय की महान धरोहर समेटे पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र हैं...

अंगकोर वाट का अर्थ है मंदिरों का शहर। यह खमेर साम्राज्य के काल में स्थापित की गई मंदिरों की एक शृंखला है, जो कंबोडिया तथा वियतनाम की सीमा पर बनी है। इसका निर्माण 802 से 1431 ईस्वी के बीच हुआ। यह शृंखला कई वर्गमील के क्षेत्रफल में फैली हुई है और खाईयों से घिरी हुई है।

प्रथम मंदिर का निर्माण

802 से 850 ईस्वी तक इस क्षेत्र पर राज करने वाले सम्राट का नाम जयावर्मन द्वितीय था और यही खमेर साम्राज्य का संस्थापक था। उन्होंने इस बात का प्रचार किया वह देव पुरुष यानी देव राजा हैं और उसमें हिंदु भगवान शिव की शक्तियां हैं। उसकी पीढ़ियों व वंशजों ने इस देव राजा वाली गाथा का अंगकोर वाट के पूरे इतिहास में अनुसरण किया।

जयावर्मन द्वितीय ने नॉम कुलेन पहाड़ को शिव के आवास के रूप प्रचारित कर एक मंदिर का निर्माण करवाया और उसे अपना दरबार बनाया। उसने यह कहा कि नॉम कुलेन विश्व का केंद्र बिंदु है और वह ही एकमात्र राजा है। नॉम कुलेन आज भी कंबोडियाई लोगों के लिए पवित्र व श्रद्धा का स्थान है। कालांतर में राजा का दरबार रोलस नामक स्थान पर स्थानांत्रित हो गया।

बैकांग मंदिरों का निर्माण

इंद्रावर्मन प्रथम ने इसके बाद गद्दी संभाली। उसने प्रथम झील व तालाब बनवाया और रोलस में प्रियाह को और बैकांग मंदिरों का निर्माण करवाया। यह मंदिर खाईयों से घिरे हुए थे। इन खाईयों का भी धार्मिक महत्व है। ऐसा समझा जाता था कि पवित्र मेरु पहाड़, झीलों और खाईयों से घिरा हुआ है।

लोलेई व नॉम बैखंग का निर्माण

यासोवर्मन प्रथम इंद्रावर्मन प्रथम का पुत्र था उसने अपने साम्राज्य की राजधानी को अंगकोर क्षेत्र में स्थानांत्रित किया, जिसे आज हम इसी नाम से जानते हैं। उसने पूर्व राजधानी रोलस में लोलेई नामक मंदिर का निर्माण करवाया। नॉम बैखंग मंदिर का निर्माण भी उसी के शासनकाल में हुआ। यासोवर्मन प्रथम ने नॉम क्रोम तथा नॉम बोक मंदिरों का भी निर्माण करवाया तथा 7 किमी लंबी और 1.8 किमी चौड़ी पूर्वी झील का निर्माण करवाकर इतिहास के पन्नों में अपना नाम अंकित करवा दिया।

कोह केर का निर्माण

जयावर्मन चतुर्थ अगला शासक था। उसने यासोवर्मन की मौत के कुछ देर बाद गद्दी संभाली। जयावर्मन चतुर्थ ने अपनी राजधानी को कोह केर में स्थानांत्रित किया। कोह केर के निर्माण में उसे 20 वर्ष लगे। उसने क्षेत्र में फैले प्राकृतिक स्त्रोतों का भरपूर इस्तेमाल किया और कामगारों की पूरी फौज निर्माण में लगा दी। कोह केर एक बेमिसाल राजधानी थी, किंतु अंगकोर वाट के इतिहास में इसका उल्लेख बहुत कम मिलता है।

पूर्वी मेबोन मंदिर का निर्माण

राजेंद्रवर्मन द्वितीय ने अपनी राजधानी को वापस अंगकोर में स्थापित किया। उसने पूर्वी मेबोन, प्री रूप तथा फाईमानाकास मंदिरों का निर्माण करवाया। पूर्वी मेबोन मंदिर का निर्माण पूर्वी झील के मध्य में किया गया था और एक समय था जब यह मंदिर पानी से घिरा हुआ था। किंतु आज यह झील सूख चुकी है और इन मंदिरों के अवशेष सूखी भूमि पर स्थित दिखाई देते हैं।

बांतेयी श्री मंदिरों का निर्माण

जयावर्मन पंचम राजेंद्रवर्मन द्वितीय का पुत्र था। उसके शासन काल में ता कियो तथा बांतेयी श्री मंदिरों का निर्माण हुआ। बांतेयी श्री मंदिर को इस शृंखला में सबसे खूबसूरत मंदिर माना जाता है। इसके बारे में रोचक तथ्य यह है कि यह किसी राजा के अधिकार क्षेत्र में नहीं, बल्कि एक ब्राह्मण के अधिकार में था।

अंगकोर वॉट के इतिहास का प्रतिशष्ठित काल

1002-49 ई.

सूर्यावर्मन प्रथम ने खमेर साम्राज्य को अपने चरम तक फैला दिया। इस काल में निशिध व संग्रहित मंदिरों का निर्माण किया गया। इस काल में काफ़ी लड़ाईयां हुईं, जिससे अशांति का माहौल बन गया। सूर्यावर्मन प्रथम को कंबोडिया में बौद्ध धर्म का प्रचारक समझा जाता है। उसने बौद्ध धर्म का ख़ूब प्रचार व प्रसार किया। वर्तमान में 97 प्रतिशत कंबोडियाई बौद्ध धर्म में आस्था रखने वाले हैं।

1049-65 ई.

उदयादित्यावर्मन द्वितीय सूर्यावर्मन प्रथम का होनहार पुत्र था। उसने साम्राज्य को और विकसित किया। उसने बाफोन और पश्चिमी मेबोन मंदिरों का निर्माण करवाया, जोकि पश्चिमी झील में स्थित हैं। इस पश्चिमी झील में आज भी काफी मात्रा में पानी है।

1112-52 ई.

इस दौरान अंगकोर वाट का निर्माण हुआ। हिंदू भगवान विष्णु को पूर्णतया समर्पित विशाल अंगकोर वाट मंदिर तथा खूबसूरत बेंग मेलिया मंदिर के निर्माण के लिए जिम्मेदार हैं सूर्यावर्मन द्वितीय। उसने जितनी भगवान विष्णु में आस्था दिखाई उससे पहले किसी भी राजा ने इतनी श्रद्धा नहीं दिखाई।

1181-219 ई.

अंगकोर वाट के इतिहास का शिखर

इस काल में जयावर्मन छठे ने खमेर साम्राज्य को संभाला। इसके बाद वियतनामी सेना ने आक्रमण कर दिया। उसने अंगकोर वाट से आकार में बड़े अंगकोर थोम का निर्माण करवाया। इसके अलावा प्रियाह खान तथा बांतेयी कदई मंदिरों का भी निर्माण करवाया। उसने अन्य मंदिर परिसरों बांतेयी छमार और प्रियाह विहार क्षेत्र में प्रियाह खान मंदिरों का भी पुर्ननिर्माण करवाया।

जयावर्मन छठे ने पार परिक धर्म के साथ-साथ बुद्ध को समान स्थान दिया और मंदिरों में बुद्ध की मूर्तियों को भी तराशा गया। इनमें सबसे विख्यात बेयोन मंदिर है, जिसमें बुद्ध की 216 चंहुमुखी मूर्तियां स्थापित हैं। इससे अंगकोर वाट के इतिहास में एक बदलाव आ गया और बौद्ध धर्म प्रमुख और हिंदू धर्म दूसरे दर्जे का बनकर रह गया। उसकी मृत्यु के पश्चात साम्राज्य पतन की ओर चला गया और हिंदू धर्म एक बार प्रमुख धर्म बन गया और मंदिरों में तोड़-फोड़ कर बुद्ध की प्रतिमाओं को नुकसान पहुंचाया गया। खमेर साम्राज्य का असली अंत 1351 और 1431 में हुआ, जब थाईलैंड ने अंगकोर पर आक्रमण किया।

इस ऐतिहासिक विशाल साम्राज्य के अवशेष कंबोडिया के जंगलों में ही कहीं दफन हुए पड़े रहते यदि 1860 में फ्रांस के जीव विज्ञानी हैनरी मैहोत को अपनी खोज के दौरान ये न मिलते। खोई हुई इस स यता में पश्चिमी इतिहासकारों व पुरातत्व विज्ञानियों ने रुचि दिखाई। हालांकि स्थानीय लोगों को भी इसके बारे में अधिक जानकारी नहीं थी।

इस बात में कोई शक नहीं कि अंगकोर वाट, अंगकोर थोम तथा अन्य सैंकड़ों खमेर मंदिर प्राचीन खमेर सभ्यता की अनकही कहानी ब्यान करते हैं और आज पर्यटन स्थलों के रूप में लोगों के आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं।

रिमझिम बारिश

बारिश का सुहाना मौसम
जब भी आता है
गर्मी से मिल जाती राहत
हर चेहरा खिल जाता है।
काली घटाएं जब छाती हैं
सबके मन को ये भाती हैं
पड़ती हैं जब ठंडी फुहारें
लातीं अपने संग बहारें।
बारिश की रिमझिम में नहाना
फिर कागज की नाव बनाना
नावों को पानी में बहाना
उछल-उछलकर शोर मचाना।
कोयल की मीठी बोली
वो इंद्रधनुष के बहके रंग
मोर-पपीहे नाच उठे तब
गाएं सब बारिश के संग।
बारिश की बूंदों के मोती
जब फसलों के मुख पर चमकें
हर्ष और उल्लास भरे तब
किसानों के चेहरे भी चमकें।
प्रकृति की छवि निखारे
जब भी आ जाए बारिश
सूरज की तपिश से सूखी
धरा की प्यास बुझाए बारिश।
सोंधी-सोंधी खुशबू मिट्टी की
बिखरा देती है ये बारिश
मस्ती के इस आलम को
महका देती है ये बारिश।

-नविता शर्मा

रिक्शा चलाने वाला रोबोट

नाचने वाले, घर के काम करने वाले रोबोट आदि के बारे में पढ़ने के साथ ही उन्हें टीवी पर भी देखा होगा। लेकिन, क्या आपने किसी रोबोट को रिक्शा चलाते हुए देखा है। निश्चित तौर पर आपका जवाब नहीं में होगा। चीन में एक किसान ने एक ऐसा रोबोट बनाया है जो रिक्शा चलाता है, जिसमें बैठकर वह घूमने जाते हैं। पहली बार रोबोट को रिक्शा चलाते हुए देख कोई भी दांतों तले उंगली दबा लेगा, लेकिन इसे बनाने वाले वू यूलू (48) के पड़ोसी इस नजारे के आदि हो चुके हैं। आपको जानकार हैरानी होगी की सिर्फ यही एक रोबोट उन्होंने नहीं बनाया है। वह कबाड़ की मदद से 47 ऐसे और रोबोट बना चुके हैं जो चित्रकारी, मसाज करना आदि सहित कई अन्य काम कर सकते हैं। इतने सारे रोबोट बनाने के चलते वू यूलू दुनियाभर में काफी मशहूर हो गए हैं। उन्होंने अपना यह अनोखा शौक 1986 में शुरू किया था, जो आज तक जारी है। इसके लिए वह भारी कर्ज में डूब गए थे, लोगों ने इस सनक के चलते उनपर बैट्री एसिड (तेजाब) फेंका और उनकी पत्नी ने लगभग उनका साथ छोड़ ही दिया था।

जाते समय का सत्कार

एक बार एक चित्रकार नेपोलियन के पास गया। नेपोलियन ने उस चित्रकार को मैले कपड़ों में देखकर उसका आदर नहीं किया और उसे एक ओर बैठने का हुक्म दे दिया। पर कुछ समय तक उससे बातचीत करके नेपोलियन को पता चला कि वह बहुत ही बढ़िया चित्रकार है। अंतत: जब चित्रकार जाने लगा तो नेपोलियन ने खुद उठकर उससे हाथ मिलाया। इसके साथ ही वह उसके साथ दरवाजे तक भी गया। इस तरह का आदर देखकर चित्रकार को बहुत हैरानी हुई।

उसने डरते हुए नेपोलियन से पूछा, 'जब मैं आया था, तब तो आपने मुझे अपने पास बैठने तक नहीं दिया था, पर अब जाते समय आप मुझे यहां तक छोड़ने आए हैं। इसका क्या कारण है।'

नेपोलियन ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, 'आते समय जो आदर किया जाता है, वो मनुष्य के पहनावे को देखकर किया जाता है, पर जाते हुए जो सत्कार किया जाता है, वो उसके गुणों को देखकर किया जाता है।' बच्चों इसलिए हमें सदैव ही अपनी जिंदगी में ऐसे कपड़े पहनने चाहिएं, जो दूसरों को भी अच्छे लगें। लेकिन खाना वही खाना चाहिए, जो आपके मन को अच्छा लगे।

गूगल का नया ब्राउजर

बच्चो, आप इंटरनैट सर्फिंग के लिए जिस गूगल ब्राउजर का प्रयोग करते हैं, 1 अगस्त से उसका रूप बदला हुआ होगा। जी हां, इंटरनैट कंपनी गूगल ने अपनी सेवाओं का उपयोग करने वालों को आगाह किया है कि पहली अगस्त से पुराने इंटरनैट ब्राउजरों को गूगल सपोर्ट नहीं करेगा। इसका मतलब यह हुआ कि इंटरनैट एक्सप्लोरर 7, सफारी 3 या फायरफॉक्स 3.5 ब्राउजरों की सहायता से इंटरनैट का उपयोग करने वालों को गूगल की जीमेल, गूगल कैलेंडर, गूगल टॉक या गूगल डॉक्स जैसी सेवाएं आधी- अधूरी उपलब्ध होंगी। इतना ही नहीं भविष्य में विकसित की जाने वाली गूगल की सेवाएं भी पुराने ब्राउजर पर उपलब्ध नहीं होंगी। माना जाता है कि गूगल ने पुरानी पीढ़ी के वैब ब्राउजरों की सुरक्षा खामियों से बचने के लिए यह फैसला किया है।

स्टैटकाउंटर नामक वेब विश्लेषण कंपनी की मानें तो इंटरनैट से जुड़े 17 प्रतिशत लोग गूगल के फैसले से प्रभावित होंगे। गूगल की पूरी सेवाएं प्राप्त करने के लिए उन्हें अपने इंटरनैट ब्राउजर को अद्यतन बनाना होगा।

हम बताएं, आप बनाएं

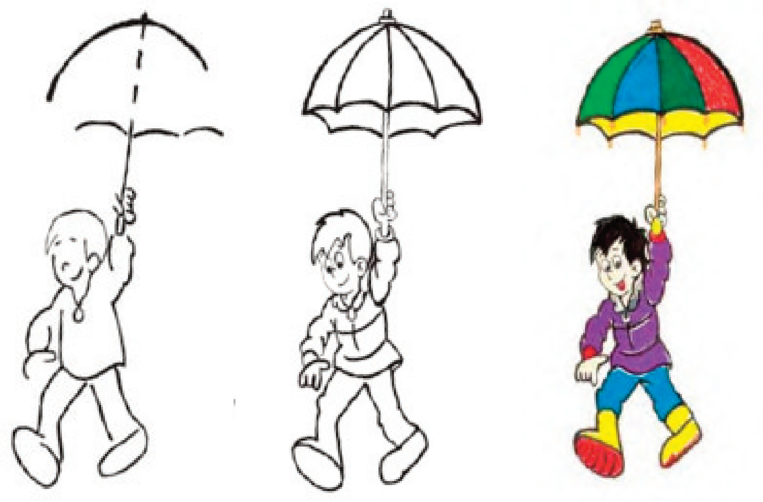

क्यों आता है तूफान

जब नमी से भरी हुई ढेर-सी गर्म हवा तेजी से ऊपर की ओर उठती है तब तूफान आते हैं। तुमने तूफान की शुरुआत से पहले हवा को तेज होते हुए देखा होगा। जब बादल को बड़े होते जाते हैं और गहरे होते हुए आसमान में अंधेरा छाने लगता है। ये तूफान के लक्षण हैं। बादलों के अंदर पानी के कण तेजी से घूमते हैं और आपस में टकराते हैं, जिससे बिजली पैदा होती है। बिजली पैदा होने का काम तब-तक चलता रहता है जब तक वह बड़ी-सी चिंगारी बनकर एक बादल से दूसरे बादल तक होती हुई धरती तक जोरदार चमक बन कर कौंध नहीं जाती।

ईमानदारी ही सर्वश्रेष्ठ नीति

बाल कहानी

काम की तलाश में इधर-उधर धक्के खाने के बाद निराश होकर दीनू घर लौटने लगा। तो पीछे से एक आवाज आई। ऐ भाई! यहाँ कोई मजदूर मिलेगा क्या?' उसने पीछे मुड़कर देखा कि एक बूढ़ा तीन-तीन गठरियाँ उठाए खड़ा है। उसने कहा - हाँ! बोलो क्या काम है? मैं ही मजदूरी कर लूँगा।'

यह तीसरी गठरी जरा भारी है। तुम इसे उठा लो, मैं तुम्हें दो रुपए दूँगा।' दीनू ने कहा - 'ठीक है! चलो आप बूढ़े हैं। इतनी मदद तो मैं यूँ ही कर दूँगा।' इतना कहकर वह गठरी सिर पर रखकर चलने लगा। चलते-चलते दीनू ने बूढ़े से कहा - गठरी काफी भारी है, इसमें है क्या?'

बूढ़े ने धीरे से कहा - इसमें एक-एक रुपए के सिक्के हैं।' चलते-चलते दीनू ने देखा कि बूढ़ा उस पर नजर रखे है। उसने सोचा यह बूढ़ा सोच रहा होगा कि कहीं यह भाग नहीं जाए। पर मैं इतना बेइमान एवं लालची नहीं हूँ। मैं सिक्के के लालच में फँसकर बेइमानी नहीं करूँगा।

कुछ दूरी तय करने पर रास्ते में एक नदी पड़ी। दीनू ने देखा कि बूढ़ा थका हुआ है। उससे यह नदी पार नहीं होगी। उसने बूढ़े से कहा - 'बाबा आप थक चुके हैं। यदि आप ठीक समझें तो इन दो गठरियों में से एक और गठरी मुझे पकड़ा दें। मैं इसका बोझ आसानी से सह लूँगा।'

बूढ़े ने रुककर दीनू से कहा - 'ठीक है! लो पर तुम इसे लेकर कहीं भाग न जाना। इसमें चाँदी के सिक्के हैं।'

दीनू बोला - 'भला मैं क्यों भागूँगा? मैं आपको चोर, बेइमान दिखाई देता हूँ क्या? मैं धन के लालच में किसी को धोखा देने वाला नहीं हूँ।'

दीनू ने दूसरी गठरी उठाई और नदी पार कर ली। चाँदी के सिक्कों का लालच भी उसे डिगा नहीं पाया।

थोड़ी दूर चलने के बाद सामने एक पहाड़ी आ गई। बूढ़े ने फिर कहा - 'ए भाई! मैं तो ठीक से चल भी नहीं पा रहा हूँ।

ऊपर से कमर पर गठरी का बोझ और फिर पहाड़ी की चढ़ाई।'

दीनू बोला - लाइए बाबा यह गठरी भी मुझे दे दीजिए।'

बूढ़े ने कहा - 'कैसे दे दूँ?

इसमें तो सोने के सिक्के हैं। अगर तुम इसे लेकर भाग गए तो मैं बूढ़ा तुम्हारा पीछा भी नहीं कर सकूँगा।'

दीनू बोला - कहा ना, मैं ऐसा आदमी नहीं हूँ। ईमानदारी के चक्कर में ही मुझे मजदूरी करना पड़ रही है। वरना मैं एक सेठ के यहाँ मुनीम की नौकरी करता था। सेठ मुझे हिसाब में गड़बड़ करके लोगों को ठगने के लिए दबाव बनाता था। तब मैंने ऐसा करने से मना किया, तो उसने मुझे नौकरी से निकाल दिया।' तो फिर ठीक है। तीसरी गठरी भी तुम्हीं उठा लो, मैं धीरे-धीरे पहाड़ी चढ़ता हूँ।' दीनू अब सोने की गठरी भी उठाकर चलने लगा। इस समय उसके दिमाग में आया कि यदि मैं तीनों गठरी लेकर भाग जाऊँ तो यह बूढ़ा मेरी पीछा भी न कर सकेगा और मैं एक झटके में मालामाल हो जाऊँगा। तब मेरी पत्नी भी खुश हो जाएगी। पैसा होगा तो इज्जत ऐशो आराम सभी कुछ मिलेगा। दिमाग में इतना आते ही उसके दिल में लालच आ गया और वह तीनों गठरियों को लेकर भाग खड़ा हुआ।

घर पहुँचकर उसने गठरियों को खोलकर देखा तो वह अपना सिर पीटकर रह गया। क्योंकि गठरियों में सिक्कों की आकृति के मिट्टी के ढेले थे।

वह सोच में पड़ गया कि बूढ़े ने ऐसा नाटक क्यों किया? तभी उसकी पत्नी को मिट्टी के सिक्कों में एक कागज मिला जिस पर लिखा था - 'यह नाटक इस राज्य के खजाने की सुरक्षा के लिए किया गया था। परीक्षा लेने वाला बूढ़ा कोई और नहीं स्वयं महाराज ही थे। तुम इस तरह नहीं भागते तो तुम्हें मंत्री पद मान-सम्मान सभी कुछ मिलता, कोई बात नहीं। अब दीनू को ईमानदारी की कीमत समझ आ गई थी।

पाकिस्तान में सिंधु पर नहर परियोजना का विरोध, आंदोलन से डरी सरकार

कराची,26 अप्रैल (एजेंसियां)।

पाकिस्तान का सिंध प्रांत संघीय सरकार की सिंधु नदी पर नहरों का जाल बिछाने की योजना के खिलाफ उबल रहा है। राजधानी कराची से लेकर गांव और शहरों के लोगों ने बगावत का झंडा उठा लिया है। अरब सागर के तट पर बसे कराची में अशांति की लपटें उठ रही हैं। नहर प्रदर्शनकारियों के धरना समाप्त करने से इनकार करने की वजह से करीब 15 हजार मालवाहक वाहन बीच रास्ते में फंस गए हैं।

नहर प्रदर्शनकारियों को संघीय सरकार के आश्वासन पर भरोसा नहीं है। उन्होंने धरना समाप्त करने से इनकार कर दिया है। हालांकि आंदोलन से भयभीत संघीय सरकार ने सिंधु नदी पर विवादास्पद नहर परियोजना को रोकने का निर्णय लिया है। ट्रांसपोर्टरों ने शुक्रवार को कहा कि आंदोलन के कारण देश की आपूर्ति श्रृंखला में गंभीर व्यवधान पैदा हो गया है। ट्रांसपोर्ट गुड्स एसोसिएशन के अध्यक्ष तारिक गुज्जर ने कहा कि सड़कों पर लगाए गए अवरोधों के कारण सुक्कुर-लरकाना डिवीजन और बहावलपुर के आसपास 15,000 से अधिक ट्रॉलर, कंटेनर, ट्रक और तेल टैंकर फंसे हुए हैं। गुज्जर का कहना है कि आंदोलन में वकीलों के कूद जाने से हालात और बिगड़ गए हैं। प्रदर्शनकारी दो मई का इंतजार कर रहे हैं। संघीय सरकार ने घोषणा की है कि नहर परियोजनाओं को रोकने की आधिकारिक अधिसूचना का दो मई को जारी होगी।

संघीय सरकार ने गुरुवार को घोषणा की कि प्रस्तावित नहर परियोजना तब तक स्थगित रहेगी जब तक कि दो मई को होने वाली काउंसिल ऑफ कॉमन इंटरेस्ट्स की बैठक में आम सहमति नहीं बन जाती। हालांकि, शुक्रवार रात पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी और प्रदर्शनकारी वकीलों का प्रतिनिधित्व करने वाले एडवोकेट आमिर वराइच के बीच बैठक हुई है। इस बीच, सिंध के मुख्यमंत्री मुराद अली शाह ने प्रदर्शनकारियों से अवरुद्ध राजमार्गों को खोलने और माल की आवाजाही को फिर से शुरू करने की अपील की है।

कराची चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष जावेद बिलवानी ने पिछले 10-12 दिनों में निर्यात ऑर्डर और स्थानीय उत्पादन में 500 बिलियन रुपये (1.8 बिलियन डॉलर) से अधिक के संचयी नुकसान का अनुमान जताया है।

न्यूज ब्रीफ

भारत और पाकिस्तान के बीच में टेंशन बढ़ रही है, आपस में ही सुलझाएं: राष्ट्रपति ट्रंप

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पहलगाम हमले को लेकर सार्वजनिक टिप्पणी करते हुए इसे बेहद

बुरा बताया। रोम की यात्रा पर जा रहे ट्रंप ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच में टेंशन बढ़ रही है..उन्हें यह आपस में ही सुलझानी होगी। ट्रंप ने कहा, मैं भारत और पाकिस्तान दोनों देशों के बहुत करीब हूं, वे दोनों वहां पर हजार सालों से लड़ रहे हैं, कश्मीर में हजारों सालों से युद्ध चल रहा है या शायद उससे भी ज्यादा समय से यह आतंकी हमला बेहद बुरा था। ट्रंप ने कहा, उस सीमा पर करीब 1500 सालों से युद्ध जारी है, और यह लगातार हो ही रहा है। मुझे उम्मीद है कि वह दोनों मिलकर इसका रास्ता निकाल लेंगे। मैं दोनों देशों को जानता हूं.. वहां बहुत टेंशन है। बता दें कि अपने पहले कार्यकाल के दौरान डोनाल्ड ट्रंप दोनों देशों के बीच में सुलह कराने का ऑफर दे चुके हैं, जिसको भारत सरकार ने मना कर दिया था भारत का कहना था कि यह द्विपक्षीय मामला है जिसे हम मिलकर सुलझा लेंगे। इस मामले को लेकर ट्रंप ने अपने चुनावी अभियान के दौरान कहा था कि मैंने मोदी से बोला कि हम कश्मीर में आपकी मदद करना चाहते हैं तो इस पर मोदी का जवाब था कि नहीं हम इसे अपने हिसाब से देख लेंगे। हम हजारों सालों से उनसे लड़ते आ रहे हैं और हम अपने हक की लड़ाई लड़ते रहेंगे। भारत और पाकिस्तान के बीच कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद तनाव बढ़ा हुआ है। 22 अप्रैल को हुए इस हमले में 26 पर्यटकों ने अपनी जान गंवा दी थी। पुलवामा हमले के बाद यह कश्मीर का सबसे दर्दनाक हमला था। इसके बाद भारत सरकार ने कदम उठाते हुए सिंधु जल संधि को रद्द कर दिया और पाकिस्तानी नागरिकों को जारी किए गए वीजा भी रद्द कर दिए, इतना ही नहीं उन्होंने पाकिस्तान के लिए अटारी बॉर्डर के दरवाजे भी बंद कर दिए।

शहबाज शरीफ का पाकिस्तान के सशस्त्र बलों से तैयार रहने का आह्वान

एबटाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने आज सुबह एबटाबाद के काकुल स्थित

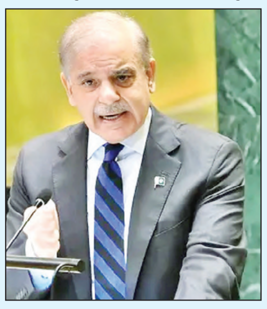

पाकिस्तान सैन्य अकादमी के पासिंग आउट समारोह में हिस्सा लिया। शहबाज ने इस मंच का भी उपयोग भारत को धमकी देने के लिए किया। उन्होंने धमकी भरे लहजे कहा कि भारत आरोप-प्रत्यारोप का खेल बंद करे। पाकिस्तान उसके किसी भी दुस्साहस का ताकत से जवाब देने के लिए तैयार है। शरीफ ने मुल्क की संप्रभुता की रक्षा के लिए सशस्त्र बलों से तैयार रहने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री शहबाज ने शनिवार को भारत से लगातार आरोप-प्रत्यारोप का खेल बंद करने की मांग की और कहा कि किसी भी दुस्साहस का पूरी ताकत से जवाब दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि पहलगाम हमले के भारत मुल्क पर निराधार आरोप लगा रहा है। भारत के पास आरोपों के पक्ष में कोई साक्ष्य नहीं हैं। पहलगाम हमले की अंतरराष्ट्रीय निष्पक्ष और पारदर्शी जांच जरूरी है। शहबाज ने सिंधु जल संधि के तहत पाकिस्तान के जल हिस्से को रोकने या मोड़ने के किसी भी कदम के खिलाफ सख्त चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि इस मोर्चे पर पाकिस्तान के संकल्प के बारे में किसी को भी कोई भ्रम नहीं होना चाहिए। पाकिस्तान ने भारत के 2019 के हवाई हमले का माकूल जवाब दिया। भविष्य में किसी भी दुस्साहस का इसी तरह का जवाब दिया जाएगा।

गिरफ्तारी में अड़ंगा लगाने वाले जज को एफबीआई ने किया गिरफ्तार, काश बोले- शाबाश

वॉशिंगटन। अमेरिका में ट्रंप सरकार और न्यायपालिका आमने सामने दिखाई दे रहे हैं। ट्रंप प्रशासन के खिलाफ कई प्रकरण अदालत में चल रहे हैं। हाल ही में अमेरिका ने आप्रवासन और सीमा शुल्क प्रवर्तन की कार्रवाई में बाधा डालने और एक अवैध आप्रवासी को गिरफ्तारी से बचाने में मदद करने का आरोप में एक जज को गिरफ्तार कर लिया है। इस गिरफ्तारी पर एफबीआई निदेशक काश पटेल ने बधाई दी है। यह मामला विस्कॉन्सिन राज्य के मिल्वौकी का है। यहां एक अभूतपूर्व घटना में, एफबीआई ने मिल्वौकी काउंटी सर्किट जज हन्ना डुगन को गिरफ्तार कर लिया। उन पर आप्रवासन और सीमा शुल्क प्रवर्तन की कार्रवाई में बाधा डालने और एक अवैध आप्रवासी को गिरफ्तारी से बचाने में मदद करने का आरोप है। एफबीआई निदेशक काश पटेल ने इस कार्रवाई की घोषणा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर की।

कोलंबिया विवि के छात्र और फिलिस्तीन समर्थक खलील को बिना वारंट हिरासत में लेने का खुलासा

वाशिंगटन,26 अप्रैल (एजेंसियां)।

फिलिस्तीन समर्थक और कोलंबिया विश्वविद्यालय के स्नातक छात्र महमूद खलील को पिछले महीने बिना किसी गिरफ्तारी वारंट के हिरासत में लिया गया। सीरिया में जन्मे और ग्रीन कार्ड धारक खलील को 8 मार्च को रमजान के दौरान इफ्तार से लौटने के बाद गिरफ्तार किया गया था।

गुरुवार को जारी किए गए अदालती दस्तावेजों से इसकी पुष्टि हुई है कि खलील को बिना किसी गिरफ्तारी वारंट के हिरासत में लिया गया। अदालती दस्तावेजों में होमलैंड सुरक्षा विभाग के वकीलों ने कहा कि आव्रजन अधिकारियों के पास %%वारंट रहित गिरफ्तारी करने के लिए आवश्यक परिस्थितियाँ थीं%%। यह आशंका थी कि वह वह सहयोग नहीं करेगा और भागने की फिराक में है। संघीय आव्रजन अधिकारियों ने कहा कि उन्हें विश्वास था कि उसके भागने का जोखिम है। इसलिए गिरफ्तारी आवश्यक थी।

चैनल के अनुसार, गिरफ्तारी के वीडियो फुटेज में खलील को सहयोग करते हुए और अधिकारियों से यह कहते हुए दिखाया गया है, हां, मैं आपके साथ चलने के लिए तैयार हूं। खलील इस समय लुइसियाना में एक इमिग्रेशन डिटेंशन सुविधा में हिरासत में है। खलील की पत्नी नूर अब्दुल्ला ने पिछले दिनों पहले बच्चे के जन्म दिया है।

खलील के वकीलों का तर्क है कि उनके मुवक्किल के अपार्टमेंट बिल्डिंग में प्रवेश करने के लिए वारंट की आवश्यकता थी। खलील की कानूनी टीम मामले को खारिज करने की मांग कर रही है। टीम का दावा है कि उसने गिरफ्तारी के दौरान अधिकारियों के साथ सहयोग किया और यह साबित करने के लिए कोई सबूत पेश नहीं किया गया है कि वह भागने का जोखिम था।

होमलैंड सुरक्षा विभाग की सहायक सचिव ट्रिसिया मैकलॉघलिन ने शुक्रवार को एक ई-मेल बयान में कहा, खलील ने भागने की कोशिश की, इसलिए उसे गिरफ्तार कर लिया गया। उसके यहां जाते समय प्रशासनिक गिरफ्तारी वारंट निष्पादित किया गया था। कोलंबिया विश्वविद्यालय ने इस मामले में किसी भी तरह की टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है। उधर, ट्रंप प्रशासन ने आठ मार्च को न्यूयॉर्क शहर में खलील की गिरफ़्तारी के बाद से उसे अमेरिका से निर्वासित करने के लिए दो आधार प्रस्तुत किए हैं। प्रशासन ने इमिग्रेशन कानून में एक प्रावधान का हवाला दिया जो राज्य के सचिव को किसी व्यक्ति को निर्वासित करने का अधिकार देता है। दूसरा आधार 23 मार्च को सार्वजनिक किया गया। इसमें आरोप लगाया गया है कि खलील ने कुछ संगठनों में अपनी सदस्यता के बारे में जानकारी छुपाई और अपने स्थायी निवास आवेदन में बेरूत में ब्रिटिश दूतावास में सीरिया कार्यालय में अपने रोजगार का खुलासा करने में विफल रहा।

डॉ. जयशंकर ने राजदूत शर्मा से मिल पहलगाम हमले में मारे गए नेपाली युवक के प्रति संवेदना जताई

काठमांडू। भारत के विदेशमंत्री डॉ. एस जयशंकर ने दिल्ली में नेपाल के राजदूत डॉ. शंकर शर्मा को बुलाकर पहलगाम हमले में मारे गए नेपाली युवक के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की। भारतीय विदेश मंत्रालय में पहलगाम आतंकी हमले को लेकर विभिन्न देशों के राजदूतों से मिलने के क्रम में डॉ. जयशंकर ने नेपाल के राजदूत डॉ. शर्मा से मुलाकात की है। भारतीय विदेश मंत्रालय में शुक्रवार शाम हुई इस मुलाकात के दौरान जयशंकर ने पहलगाम हमले में मारे गए नेपाली नागरिक सुदीप न्यौपाने के प्रति दुख प्रकट करते हुए अपनी संवेदना जताई है। डॉ. शर्मा ने बताया कि विदेशमंत्री डॉ. जयशंकर के अनुसार, भारत सरकार न्यौपाने के पीड़ित परिवार को वह सभी सुविधाएं मुहैया कराएगी, जो उस हमले में मारे गए भारतीय नागरिकों को मिलेंगी। विदेशमंत्री ने पहलगाम हमले पर नेपाल सरकार के समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के तरफ से संवेदना प्रकट करने के लिए भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को व्यक्तिगत रूप से फोन कर इस दुख के क्षण में भारत के साथ खड़े होने पर भी धन्यवाद दिया।

पोप फ्रांसिस के अंतिम संस्कार में शामिल होने दुनियाभर से पहुंचे प्रतिनिधि

वेटिकन सिटी,26 अप्रैल (एजेंसियां)।

राष्ट्रपति मुर्मू ने श्रद्धांजलि अर्पित की

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को वेटिकन सिटी के सेंट पीटर बेसिलिका में दिवंगत पोप फ्रांसिस को श्रद्धांजलि अर्पित की। राष्ट्रपति मुर्मू, अल्पसंख्यक मामलों के केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू, राज्य मंत्री जॉर्ज कुरियन और गोवा विधानसभा के उपाध्यक्ष जोशुआ डी सूजा के साथ, पोप के राजकीय अंतिम संस्कार में भाग लेने के लिए वेटिकन पहुंची हैं। पोप फ्रांसिस को अंतिम विदाई देने दुनियाभर से राष्ट्राध्यक्ष और उनके प्रतिनिधि पहुंचे हैं। यहां राष्ट्रपति मुर्मू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, वेटिकन सिटी में सेंट पीटर बेसिलिका में परम पावन पोप फ्रांसिस को श्रद्धांजलि अर्पित की। उनकी महान सेवा और आध्यात्मिक नेतृत्व को हमेशा याद किया जाएगा।

दुनियाभर से उमड़ा श्रद्धांजलि का सैलाब

पोप फ्रांसिस, जिनका 21 अप्रैल को 88 वर्ष की आयु में निधन हो गया था, के अंतिम संस्कार में हिस्सा लेने के लिए कम से कम 130 विदेशी प्रतिनिधिमंडल पहुंचे हैं। इनमें 50 राष्ट्राध्यक्ष और 10 राजघरानों के सदस्य शामिल हैं। पोप को श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में प्रमुख वैश्विक हस्तियों में अमेरिकी पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, ब्रिटेन के प्रिंस विलियम, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, स्पेन के राजा फेलिप सिक्स्थ और रानी लेटिजिया, तथा ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डा सिल्वा जैसे नाम शामिल हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने जताया शोक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी पोप फ्रांसिस के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। एक्स पर अपनी श्रद्धांजलि में प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा, परम पूज्य पोप फ्रांसिस के निधन से बहुत दुखी हूं। वह करुणा, विनम्रता और आध्यात्मिक साहस के प्रतीक थे। उनका जीवन गरीबों और वंचितों की सेवा के लिए समर्पित था।

माल्टा में इंटरनेशनल फायरवर्क फेस्टीवल

माल्टा में इंटरनेशनल फायरवर्क फेस्टीवल में आसमान में आतिशबाजी नजर आती हुई।

रूस-यूक्रेन युद्ध फिर भड़का: रूसी जनरल की मौत के बाद यूक्रेन पर ड्रोन हमले, कई की जान गई

मास्को,26 अप्रैल (एजेंसियां)।

रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध ने एक बार फिर भयावह रूप ले लिया है। रूस की राजधानी मॉस्को के पास बालाशिखा में हुए बम विस्फोट में रूसी सेना के शीर्ष अधिकारी लेफ्टिनेंट जनरल यारोस्लाव मोस्कालिक की मौत हो गई है। वे रूसी सशस्त्र बलों के जनरल स्टाफ में मुख्य परिचालन विभाग के उप प्रमुख थे। रूस की शीर्ष आपराधिक जांच एजेंसी ने उनकी मौत की पुष्टि की है और इसके लिए सीधे तौर पर यूक्रेन को जिम्मेदार ठहराया है।

इस हमले ने रूस की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं, क्योंकि जनरल की हत्या राजधानी के नजदीक एक उच्च-सुरक्षित क्षेत्र में हुई। रिपोर्ट के अनुसार, यह हमला एक आईइडी से किया गया, जिसे जनरल की कार में लगाया गया था। जनरल मोस्कालिक की मौत के कुछ ही घंटों बाद रूस ने यूक्रेन पर व्यापक पैमाने पर ड्रोन हमले शुरू कर दिए। यूक्रेन के पाव्लोग्राद शहर में हुए रूसी ड्रोन हमले में एक बच्चे और 76 वर्षीय बुजुर्ग महिला समेत तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि 10 अन्य घायल हुए हैं। स्थानीय प्रशासन के मुताबिक, यह हमला देर रात किया गया और इससे इलाके में भारी तबाही मची।

यूक्रेन की वायुसेना ने जानकारी दी कि रूस ने एक ही रात में छह अलग-अलग क्षेत्रों पर कुल 103 ड्रोन हमले किए। सूमी और खारकीव जैसे उत्तर-पूर्वी इलाकों में भी सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचा है। हालांकि, इन इलाकों में किसी की जान जाने की सूचना नहीं है। जुलाई के बाद सबसे बड़ा हमला इससे पहले रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव पर भी एक बड़ा हमला किया था, जिसमें 12 लोगों की मौत हो गई थी और 87 लोग घायल हुए थे। यह हमला जुलाई के बाद से सबसे घातक माना जा रहा है। रूस-यूक्रेन संघर्ष लगातार तीव्र होता जा रहा है और अब यह व्यक्तिगत निशानों से लेकर आम नागरिकों तक को अपनी चपेट में ले रहा है।

पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ दुष्प्रचार में विदेशी मीडिया का सहारा लिया

रक्षामंत्री ख्वाजा आसिफ ने की पहलगाम हमले की अंतरराष्ट्रीय जांच कराने की मांग

इस्लामाबाद,26 अप्रैल (एजेंसियां)।

भारत के जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद आरोपों से घिरा पाकिस्तान विदेशी मीडिया की शरण में पहुंचा है। इस बहाने अपनी पुरानी आदत के अनुसार, भारत के खिलाफ राग अलाप रहा है। मुल्क के रक्षामंत्री ख्वाजा आसिफ ने अमेरिकी अखबार द न्यूयॉर्क टाइम्स को दिए इंटरव्यू में भारत पर तमाम आरोप लगाते हुए पहलगाम हमले की अंतरराष्ट्रीय जांच कराने की मांग की है।

रिपोर्ट में ख्वाजा के इस इंटरव्यू की चर्चा की गई है। इसमें कहा गया है कि पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए हमले में 26 लोग मारे गए इनमें से ज्यादातर पर्यटक थे। वर्ष 2000 के बाद यह सबसे

घातक सशस्त्र हमला है। हमले की जिम्मेदारी कथित तौर पर द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने ली है। हमले के बाद दोनों देशों ने एक-दूसरे के खिलाफ कई तरह के कदम उठाए हैं। भारत ने सिंधु जल संधि को स्थगित करने की घोषणा की है। पाकिस्तान ने शिमला समझौते को स्थगित कर भारतीय उड़ानों के लिए अपने हवाई क्षेत्र को बंद कर दिया है। आसिफ ने शुक्रवार को द न्यूयॉर्क टाइम्स को दिए साक्षात्कार में कहा कि पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय पर्यवेक्षकों की किसी भी जांच में सहयोग करने के लिए तैयार है। पहलगाम में हुई घटना से भारत को सिंधु जल संधि को निलंबित करने का बहाना मिल गया है। आसिफ ने कहा कि पाकिस्तान नहीं चाहता कि जल युद्ध भड़के। आसिफ ने सफाई दी कि प्रतिबंधित संगठन लश्कर-ए-तैयबा निष्क्रिय हो चुका है। उसके पास पाकिस्तान से हमले की योजना बनाने या उसे अंजाम देने की कोई क्षमता नहीं है। लश्कर के लोगों में से कुछ को घरों में नजरबंद कर दिया गया है और कुछ को हिरासत में लिया गया है। आसिफ ने इंटरव्यू में दुनिया को यह बताने की कोशिश की है कि यह हमला भारत सरकार ने ही कराया। पिछले एक दशक से भारत इस संधि से बाहर निकलने की कोशिश करता रहा है। इस हमले के बहाने उसे अब मौका मिल गया है। स्काई न्यूज के साथ एक अलग साक्षात्कार में रक्षामंत्री आसिफ चेतावनी दे चुके हैं।

आतंकी हमले का विरोध कर रहे लोगों की ओर पाकिस्तानी राजनयिक ने किया गला रेतने का इशारा

लंदन। पाकिस्तान की घटिया सोच हर जगह देखने की मिलती है। यहां पाकिस्तान के राजनयिक ने इतनी शर्मनाक हरकत है जिससे पूरी दुनिया उस पर थूंक रही है। दरअसल, पहलगाम में हुए आतंकी हमले का विरोध करने यहां के दूतावास पर लोग पहुंचे थे। तभी पाकिस्तानी राजनयिक ने गला रेतने का धमकी भरा इशारा किया है। इसके बाद वहां मौजूद लोगों में और सोशल मीडिया पर आक्रोश पैदा हो गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक लंदन स्थित पाकिस्तानी दूतावास में रक्षा अताशे के रूप में काम करने वाले तैमूर राहत धमकी भरा इशारा करते हुए कैमरे में कैद हो गए। पाकिस्तानी राजनयिक का यह व्यवहार तब सामने आया जब पाकिस्तानी दूतावास के बाहर भारतीय मूल के लोगों ने पहलगाम हिंसा को लेकर प्रदर्शन करना शुरू कर दिया और पाकिस्तान से आतंकवाद फैलाने से बाज आने को कहा। कई प्रदर्शनकारी इस दौरान वहां मौजूद थे। इसी बीच पाकिस्तानी डिप्लोमैट्स भी वहां छत पर आ गए और उन्होंने प्रदर्शनकारियों को उकसाना शुरू कर दिया। राजनयिक के पास खड़े लोग हंसते नजर आए भारतीय प्रदर्शनकारियों को उकसाने के लिए पाकिस्तानी राजनयिकों ने भारतीय वायु सेना के विंग कमांडर अभिनंदन वर्थमान का एक पोस्टर लहराया, अभिनंदन 2019 में पाकिस्तानी विमान एफ 16 को गिराने के बाद पाकिस्तान में क्रैश कर गए थे। अभिनंदन का पोस्टर लहराने के साथ ही पाकिस्तानी डिप्लोमैट ने भारतीय प्रदर्शनकारियों की तरफ उंगली दिखाते हुए गला रेतने का इशारा किया। डिप्लोमैट के इस इशारे के बाद उसके आसपास मौजूद लोग हंसते हुए नजर आते हैं।

महिला त्रिकोणीय सीरीज के पहले मुकाबले में श्रीलंका से भिड़ेगा भारत

नई दिल्ली, 26 अप्रैल (एजेंसियां) ।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम रविवार को कोलंबो में महिला त्रिकोणीय श्रृंखला के पहले मुकाबले में श्रीलंका के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। यह सीरीज इस साल के अंत में भारत में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप की तैयारियों का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जहां खासतौर पर गेंदबाजी संयोजन को परखने पर जोर रहेगा। बल्लेबाजी विभाग फिलहाल काफी संतुलित और मजबूत नजर आ रहा है। इस सीरीज की तीसरी टीम दक्षिण अफ्रीका की है।

भारतीय टीम इस समय तेज गेंदबाजी संसाधनों की चुनौती से जूझ रही है। रेणुका सिंह, पूजा वस्त्रकार और तीतास साधु चोटिल हैं, जिससे टीम को अरुंधति रेड्डी और ऑलराउंडर अमनजोत कौर पर निर्भर रहना पड़ रहा है। तेज गेंदबाजों के सीमित विकल्पों के बीच कप्तान हरमनप्रीत कौर युवा तेज गेंदबाज काश्वी गौतम को भी मौका देकर परखना चाहेंगी।

काश्वी ने हाल ही में महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में गुजरात जायंट्स के लिए शानदार प्रदर्शन किया था, जहां उन्होंने नौ मैचों में 6.45 की इकॉनमी रेट से 11 विकेट झटके थे। उनकी फॉर्म भारतीय टीम के लिए उत्साहजनक संकेत है।

प्रेमदासा स्टेडियम की धीमी पिचों को देखते हुए भारतीय टीम का भरोसा स्पिनरों पर होगा। सीनियर ऑफ स्पिनर दीप्ति शर्मा और स्नेह राणा के साथ मुंबई इंडियंस की बाएं हाथ की स्पिनर श्री चरणी भी 50 ओवरों में से 30 ओवर तक गेंदबाजी कर सकती हैं। ऑलराउंडर अमनजोत कौर भी जरूरत पड़ने पर अपने ऑफ ब्रेक से गेंदबाजी आक्रमण को विविधता दे सकती हैं।

टीम की बल्लेबाजी इकाई में कप्तान हरमनप्रीत कौर, उप-कप्तान स्मृति मंधाना, पावर-हिटर ऋचा घोष, भरोसेमंद जेमिमा रोड्रिग्स और हरलीन देओल शामिल हैं, जो टीम को स्थिरता और आक्रामकता दोनों प्रदान करते हैं। हालांकि एक बार फिर शैफाली वर्मा को चयनकर्ताओं ने नजरअंदाज किया है, लेकिन दीप्ति शर्मा और अमनजोत कौर की ऑलराउंड क्षमताएं भारत को गहराई प्रदान करती हैं। सही दिन पर भारतीय टीम किसी भी प्रतिद्वंद्वी को आसानी से पटखनी दे सकती है।

मेजबान श्रीलंका ने इस श्रृंखला के लिए अपनी टीम में छह बदलाव किए हैं, जिसमें चार अनकैप्ड खिलाड़ियों को शामिल किया गया है। अनुभवी बाएं हाथ की स्पिनर इनोका रानावीरा की वापसी से टीम को मजबूती मिली है। उनके साथ सुगंधिका कुमारी, इनोशी प्रियदर्शनी और कविशा दिलहारी जैसे अन्य स्पिनर भी भारतीय बल्लेबाजों को चुनौती देने के लिए तैयार हैं।

भारतीय टीम वेस्टइंडीज और आयरलैंड के खिलाफ अपने पिछले छह वनडे मुकाबले जीतकर इस त्रिकोणीय सीरीज में उतर रही है। ऐसे में आत्मविश्वास से लबरेज भारतीय महिला ब्रिगेड से एक दमदार शुरुआत की उम्मीद की जा रही है, ताकि विश्व कप की तैयारी को एक ठोस दिशा दी जा सके।

न्यूज़ ब्रीफ

हैदराबाद से मिली हार के बाद धोनी ने कहा-हम 15-20 रन पीछे रह गए

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को आईपीएल 2025 में एक और करारी हार झेलनी पड़ी। शुक्रवार को सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के हाथों 5 विकेट से हार के बाद कप्तान एमएस धोनी ने माना कि उनकी टीम कम से कम 15-20 रन पीछे रह गई। इस हार के साथ सीएसके ने अपने 9 में से 7 मैच गंवा दिए हैं और अंक तालिका में सबसे नीचे बनी हुई है। धोनी ने मैच के बाद कहा, मुझे लगता है कि हमने लगातार विकेट गंवाए। पहली पारी में विकेट थोड़ा बेहतर था और 154 रन न्यायोचित स्कोर नहीं था। आठवें-नौवें ओवर के बाद पिच थोड़ा धीमा जरूर हुआ, लेकिन ऐसा कुछ असामान्य नहीं था। रनिंग बेहतर होती तो हम कुछ और रन जोड़ सकते थे। उन्होंने यह भी कहा कि गेंदबाज़ों ने कोशिश की, खासकर स्पिनरों ने अच्छी गेंदबाज़ी की, लेकिन स्कोर छोटा था। धोनी ने टीम की एक बड़ी कमजोरी की ओर इशारा किया, उन्होंने कहा, हम मिडल ओवर्स में स्पिन के खिलाफ रन बनाने में संघर्ष कर रहे हैं। हमें या तो चतुराई से रन निकालने होंगे या बड़े शॉट लगाने होंगे। वहीं हम चूक रहे हैं। ये ओवर्स बेहद अहम होते हैं जहां 5-10 रन ज़्यादा बन सकते हैं। जहां एक ओर टीम का मिडल ऑर्डर लड़खड़ाता रहा, वहीं 21 वर्षीय डेवाल्ड ब्रेविस ने पहली बार मौका मिलने पर प्रभावित किया। उन्होंने सिर्फ 25 गेंदों में 42 रन बनाए और चार छक्के उड़ाए। धोनी ने उनकी तारीफ करते हुए कहा, ब्रेविस ने शानदार बल्लेबाज़ी की। हमें मिडल ऑर्डर में इसी तरह की पारी की जरूरत थी। ये पहली बार था जब एसआरएच ने चेपॉक में सीएसके को हराया। इस सीज़न में सीएसके ने अपने पांच में से चार होम मैच गंवाए हैं। अब अगला मुकाबला 30 अप्रैल को चेपॉक में ही पंजाब किंग्स के खिलाफ है।

आईपीएल से मोटी कमाई करती हैं चीयर लीडर्स

मुम्बई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में नजर आने वाली खूबसूरत चीयर लीडर्स इसमें ग्लैमर का तड़का लगाती है। चीयर लीडर्स हर चौक और छक्के पर नाचती गाती दिखती हैं। ये एक प्रकार से आईपीएल से जुड़ गयी हैं। चीयरलीडर का काम हालांकि आसान नहीं होता, गर्मी में डांस करना, टूर्नामेंट के दौरान लगातार यात्रा करना थकान भरा होता है। चीयरलीडर को इसके लिए वेतन के आलावा भी कई और सुविधियाँ मिलती हैं।एक रिपोर्ट के अनुसार सनराइजर्स हैदराबाद टीम अपने चीयरलीडर को प्रत्येक मैच का 14 से 16 हजार रूपये देती है। यानी अगर टीम प्लेऑफ तक भी ना पहुंचे तो भी चीयरलीडर मॉली 2 लाख से अधिक की कमाई कर लेंगी। मुंबई इंडियंस की एक चीयरलीडर को प्रति मैच 20 हजार रूपये मिलते हैं। इससे वह एक सीजन में 2.8 लाख रूपये कमा सकती है. अगर मुंबई इंडियंस टीम प्लेऑफ में पहुंचे तो चीयरलीडर्स की कमाई भी बढ़ जाएगी। वो कौन सी 3 टीमें हैं जो चीयरलीडर्स को देती हैं सबसे ज्यादा सैलरी, एक दिन की कमाई जान होश उड़ जाएगा. चेन्नई सुपर किंग्स टीम की एक चीयरलीडर को प्रति मैच 17 हजार रुपये तक वेतन देती है। इस प्रकार सीएसके की चीयरलीडर्स एक सीजन में 2 लाख 38 हजार रुपये तक कमा सकती है।

एशियन अंडर-15 और अंडर-17 बॉक्सिंग चैंपियनशिप : भारत ने पक्के किए 43 पदक

अम्मान (जॉर्डन)। भारतीय बॉक्सिंग टीम ने वर्ल्ड बॉक्सिंग से मान्यता प्राप्त नई एशियाई बॉक्सिंग संस्था की आयोजित पहली एशियन अंडर-15 और अंडर-17 बॉक्सिंग चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए अब तक कुल 43 पदक पक्के कर लिए हैं। बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (बीएफआई) की जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, प्रतियोगिता के सातवें दिन चार और भारतीय मुक्केबाज सेमीफाइनल में पहुंच गए। भारत ने अब अंडर-15 वर्ग में कम से कम 25 और अंडर-17 वर्ग में 18 पदक सुनिश्चित कर लिए हैं, क्योंकि सेमीफाइनल में पहुंचने वाले सभी खिलाड़ी कम से कम कांस्य पदक के हकदार होते हैं। उम्दा प्रदर्शन जारी-अंडर-17 बालकों के वर्ग में अमन सिवाच (63 किग्रा) और देवांश (80 किग्रा) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फिलीपींस और जॉर्डन के खिलाड़ियों के खिलाफ रेफरी स्टॉप्ड कंटेस्ट के जरिए मुकाबले जीते और सेमीफाइनल में प्रवेश किया। वहीं, बालिकाओं के वर्ग में सिमरनजीत कौर (60 किग्रा) ने जॉर्डन की अया अलहसनत को 5-0 के बड़े अंतर से हराया।

प्रियांश और प्रभसिमरन की मेहनत पर फिरा पानी कोलकाता और पंजाब का मुकाबला बेनतीजा रहा

कोलकाता, 26 अप्रैल (एजेंसियां) ।

आईपीएल 2025 में कोलकाता नाइटराइडर्स और पंजाब किंग्स का मुकाबला बारिश के भेंट चढ़ गया है। ईडन गार्डन्स के मैदान पर कोलकाता नाइटराइडर्स की पारी शुरू होते ही बारिश आ गई। एक घंटे से ज्यादा समय इंतजार करने के बाद भी मैच शुरू नहीं हुआ। इसके बाद इसे रद्द करने का ऐलान कर दिया गया। पंजाब किंग्स ने मैच में पहले खेलते हुए 4 विकेट पर 201 रन बनाए थे। बारिश आने के समय केकेआर का स्कोर एक विकेट पर 7 रन था। दोनों टीमों को 1-1 पॉइंट मिला है।प्रभसिमरन सिंह (83) और प्रियांश आर्य (69) की अर्धशतकीय पारियों और दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 72 गेंद में 120 रन की साझेदारी के बूते पंजाब किंग्स ने इस स्कोर तक पहुंच पाई। प्रभसिमरन ने 49 गेंद की पारी में छह छक्के और इतने ही चौके जड़े जबकि चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ अपना पहला शतक जड़ने वाले प्रियांश ने 35 गेंद की पारी में आठ चौके और चार छक्के लगाये।पंजाब की टीम 14वें ओवर के बाद एक विकेट पर 158 रन बनाकर बड़े स्कोर की तरफ बढ़ रही थी लेकिन केकेआर के गेंदबाजों ने आखिरी छह ओवर में सिर्फ 43 रन पर तीन विकेट लेकर उन्हें 201 रन पर रोक दिया। पंजाब के कप्तान श्रेयस अय्यर ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने का फैसला किया और प्रभसिमरन तथा प्रियांश की जोड़ी ने उसे सही साबित किया।

प्रियांश ने शुरुआती ओवरों में आक्रामक रूख अपनाया तो वहीं उनके आउट होने के बाद प्रभसिमरन ने तेजी से रन बनाये। प्रभसिमरन एक समय 34 गेंद में 32 रन पर खेल रहे थे लेकिन उन्होंने अगले 17 गेंद में 49 रन जोड़ डाले। प्रभसिमरन के आउट होने के बाद हालांकि पंजाब के बल्लेबाज तेजी से रन बनाने के लिए संघर्ष करते दिखे। कप्तान श्रेयस अय्यर 16 गेंद में नाबाद 25 और जोश इंग्लिस ने छह गेंद में नाबाद 11 रन का योगदान दिया।

केकेआर के लिए वैभव अरोड़ा ने 34 रन देकर दो विकेट लिये। प्रियांश को आउट कर पहले विकेट की साझेदारी तोड़ने वाले आंद्रे रसेल ने 27 रन पर एक सफलता हासिल की। वरुण चक्रवर्ती (39 रन पर एक विकेट) और सुनील नारायण ने भी आखिरी ओवरों में कसी हुई गेंदबाजी करते हुए पंजाब को और बड़ा स्कोर खड़ा करने से रोक दिया। पंजाब किंग्स के बल्लेबाजों ने 10वें से 15वें ओवर के बीच 71 रन बटोर तब लग रहा था कि टीम आसानी से 230 रन के करीब पहुंच जायेगी। शुरुआती ओवरों में गेंद सही गति से बल्ले पर आ रही थी और 23 साल के आर्य ने शानदार स्टोक्स के साथ इसका फायदा उठाया। उन्होंने अरोड़ा की गेंद पर दिलकश कवर ड्राइव पर चौका जड़ने के बाद हर्षित राणा के वाइड यॉर्कर गेंद पर शानदार छक्का लगाया।

प्रियांश ने परिपक्वता से बल्लेबाजी करते हुए बिना जोखिम लिए तेजी से रन बनाते हुए अपना दबदबा कायम किया। प्रभसिमरन ने धीमी शुरुआत से उबरते हुए अच्छी आक्रामक तेवर दिखाये। केकेआर ने अपनी गेंदबाजी को मजबूत करने के लिए चेतन सकारिया को शुरुआती एकादश में शामिल किया लेकिन बायें हाथ के इस गेंदबाज ने अपने तीन ओवर में बिना किसी सफलता के 39 रन दिए।

टीसीएस वर्ल्ड 10के बेंगलुरु में शामिल होने से पहले सांसद तेजस्वी सूर्या ने कहा-यह जीवन का उत्सव है

बेंगलुरू, 26 अप्रैल (एजेंसियां) ।

बेंगलुरु एक बार फिर दौड़ के उत्सव में डूबने को तैयार है। प्रतिष्ठित टीसीएस वर्ल्ड 10के बेंगलुरु के 17वें संस्करण का आयोजन रविवार को होने जा रहा है, जिसमें लगभग 35,000 प्रतिभागी भाग लेंगे। खास बात यह है कि इस बार लोकसभा सांसद तेजस्वी सूर्या भी इस विश्व एथलेटिक्स स्वर्ण मानक दौड़ में प्रतिभाग करेंगे।

अपने व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद दौड़ में भाग लेने के निर्णय के पीछे की प्रेरणा के बारे में पूछे जाने पर तेजस्वी सूर्या ने कहा, ऐसे कई लोग हैं जिनका जीवन मुझसे कहीं अधिक चुनौतीपूर्ण है, फिर भी वे ऐसे धैर्य परीक्षण आयोजनों में भाग लेते हैं। मैंने उन महिलाओं को देखा है जो प्रसव के बाद, बच्चे की देखभाल करते हुए भी दौड़ में भाग लेती हैं। मैंने ऐसे लोगों को भी देखा है जो गंभीर बीमारियों, जीवन संकट से उबरकर दौड़ते हैं। ये सभी लोग हमें जीवन को नई आशा के साथ देखने की प्रेरणा देते हैं। 34 वर्षीय तेजस्वी ने बताया कि पिछले वर्ष गोवा में एक त्रैथलन प्रतियोगिता में मित्र के प्रोत्साहन से भाग लेने के बाद उन्हें धैर्यपूर्ण प्रतिस्पर्धाओं का शौक लग गया। उन्होंने एक आधिकारिक बयान में कहा,व्यायाम सबसे बड़ा आनंद रसायन (डोपामिन) उत्पन्न करता है जो आप पा सकते हैं। यह सबसे स्वस्थ माध्यम से खुशी प्राप्त करने का छोटा मार्ग है और जीवन को देखने का एक नया दृष्टिकोण भी देता है। उन्होंने आगे कहा, यह जीवन का उत्सव है। दौड़ना, तैरना, अपने आराम क्षेत्र से बाहर निकलना-यह सब तभी संभव है जब आप जीवित हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि शारीरिक फिटनेस एक ऐसा कार्य है जिसे आप किसी और को नहीं सौंप सकते। जो परिश्रम आप करेंगे, उसका परिणाम आपको ही मिलेगा।

जब उनसे पूछा गया कि शारीरिक फिटनेस से सीखे गए सबक वह अपने सार्वजनिक जीवन में कैसे अपनाते हैं, तो तेजस्वी ने स्पष्ट कहा, कुछ भी आसानी से और तुरंत नहीं मिलता।

एवीसी महिला वॉलीबाल लीग

फिलीपींस में एवीसी महिला वॉलीबाल लीग में खेलती हुई खिलाड़ी।

शैली सिंह ने तोड़ा 23 साल पुराना अंजू बॉबी जॉर्ज का रिकॉर्ड, बोलीं-यह तो बस शुरुआत है

नई दिल्ली, 26 अप्रैल (एजेंसियां) ।

भारतीय एथलेटिक्स को नई ऊंचाइयों पर ले जाते हुए युवा लॉन्ग जम्पर शैली सिंह ने नेशनल फेडरेशन कप में धमाकेदार प्रदर्शन किया। उन्होंने शुक्रवार को 6.64 मीटर की शानदार छलांग लगाकर दिग्गज एथलीट अंजू बॉबी जॉर्ज का 23 साल पुराना मीट रिकॉर्ड तोड़ते हुए देश का सिर गर्व से ऊंचा कर दिया। इस ऐतिहासिक जीत के बाद शैली ने जो भावुक बयान दिया, उसने खेल प्रेमियों के दिल जीत लिए।

रिकॉर्ड तोड़ने के बाद अपनी खुशी जाहिर करते हुए शैली सिंह ने शनिवार को एक आधिकारिक बयान में कहा,अंजू मैम का लंबे समय तक कायम रहा फेडरेशन कप रिकॉर्ड तोड़ना मेरे लिए गर्व का पल है। उनकी उपलब्धियां हमेशा मेरी प्रेरणा रही हैं और उनके नक्शेकदम पर चलना मेरे जीवन का सबसे बड़ा सपना रहा है। यह रिकॉर्ड 23 वर्षों तक बना रहा, जो उनकी महानता को दर्शाता है और आज इस विरासत का हिस्सा बनना मेरे लिए सम्मान की बात है।

शैली ने कहा, यह तो बस शुरुआत है। मैं इस उपलब्धि से संतुष्ट नहीं हूं। मेरा सपना है कि मैं भारतीय एथलेटिक्स को और भी ऊंचाइयों तक ले जाऊं। मैं लगातार मेहनत करती रहूंगी ताकि देश का नाम अंतरराष्ट्रीय मंचों पर रोशन कर सकूं।

वहीं, अपनी रिकॉर्डधारी शिष्या की उपलब्धि पर अंजू बॉबी जॉर्ज ने भी खुशी जताई और कहा, रिकॉर्ड टूटने के लिए ही होते हैं और शैली ने यह कारनामा कर दिखाया। उनकी तरक्की देखकर गर्व होता है। शैली भारतीय महिला एथलेटिक्स के उज्वल भविष्य की मिसाल हैं।

शैली सिंह की यह ऐतिहासिक छलांग भारतीय एथलेटिक्स में एक नई उम्मीद की किरण लेकर आई है। उनका जुनून, आत्मविश्वास और कड़ी मेहनत इस बात का संकेत है कि भारतीय महिलाएं खेल जगत में वैश्विक मंच पर एक नई पहचान बनाने को तैयार हैं।

कुछ ही दिन पहले, उत्तर प्रदेश की इस युवा एथलीट ने 6.45 मीटर की छलांग लगाकर एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप्स के 6.41 मीटर के क्वालीफाइंग मार्क को पार किया था। इसके बाद शुक्रवार (26 अप्रैल) को उन्होंने एर्नाकुलम के महाराजा कॉलेज ग्राउंड में इतिहास रचते हुए 6.64 मीटर की लंबी छलांग लगाई और अंजू बॉबी जॉर्ज का 2002 में बनाया गया 6.59 मीटर का मीट रिकॉर्ड तोड़ दिया। गौरतलब है कि शैली का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 6.76 मीटर का है, जो उन्होंने 2023 में हासिल किया था। यह भारत की महिला एथलीटों में दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रयास है, जो अब भी अंजू बॉबी जॉर्ज के राष्ट्रीय रिकॉर्ड 6.83 मीटर से थोड़ा पीछे है।

मैड्रिड ओपन 2025: सबालेंका ने जीत के साथ की शुरुआत, ज्वेरेव चमके, ओंस जबूर बाहर

सबालेंका ने ब्लिंकोवा को हराकर तीसरे दौर में बनाई जगह

मैड्रिड, 26 अप्रैल (एजेंसियां) ।

वर्ल्ड नंबर-1 आर्यना सबालेंका ने मैड्रिड ओपन में अपने खिताब की रक्षा की शुरुआत शानदार अंदाज में की। उन्होंने शुक्रवार को दूसरे दौर में रूस की अन्ना ब्लिंकोवा को 6-3, 6-4 से हराया। सबालेंका की यह इस टूर्नामेंट में कुल 18वीं जीत रही, जबकि उन्हें सिर्फ 4 बार हार मिली है। वह 2021 और 2023 में यह खिताब जीत चुकी हैं और पिछले साल स्वियातेक के खिलाफ उपविजेता रही थीं। मैच की शुरुआत में ही सबालेंका ने 5-0 की बढ़त बना ली थी। हालांकि उन्होंने एक ब्रेक गंवाया, लेकिन 48वें मिनट में तीसरे सेट प्वाइंट पर पहला सेट अपने नाम किया। दूसरा सेट पूरी तरह एकतरफा रहा, जिसमें उन्होंने शुरुआती ब्रेक के बाद बढ़त बनाए रखी। अब तीसरे दौर में उनका सामना एलिस मर्टेंस या कोलंबिया की कैमिला ओसोरियो से होगा।

क्ले पर भी सबालेंका का जलवा जारी

हालांकि सबालेंका के तीनों ग्रैंड स्लैम खिताब हार्ड कोर्ट पर आए हैं, लेकिन उन्होंने क्ले कोर्ट पर भी दो फाइनल जीतकर अपनी ताकत साबित की है। उन्होंने माना कि फ्रेंच ओपन उनके लिए चुनौतीपूर्ण रहा है, जहां वह 2023 में सेमीफाइनल और 2024 में क्वार्टरफाइनल में हार गई थीं।

उन्होंने कहा, हर बार जब मैं रोलां गैरोज़ जाती हूं, तो यह एक चुनौती होती है, लेकिन मुझे ऐसी चुनौतियां पसंद हैं। उम्मीद है कि एक दिन वह खूबसूरत ट्रॉफी मेरी कलेक्शन में होगी।

ओंस जबूर पहले ही दौर में बाहर, सक्कारी का फॉर्म में लौटने का संकेत 2022 की चैंपियन ट्यूनीशिया की ओंस जबूर पहले ही दौर में जापान की मोयुका उचिजिमा से 4-6, 6-3, 6-4 से हारकर बाहर हो गईं। वहीं ग्रीस की मारिया सक्कारी ने 29वीं सीड माग्दा लिनेट को 7-6(5), 6-3 से हराकर तीसरे दौर में जगह बनाई। ज्वेरेव का दबदबा कायम, मैड्रिड कोर्ट को बताया पसंदीदा पुरुष वर्ग में जर्मनी के एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने स्पेन के रॉबर्टो बॉतिस्ता अगुत को 6-2, 6-2 से हराया। उन्होंने मैच में 32 विनर्स लगाए और सिर्फ 24 अनफोर्स्ड एरर किए। दो बार के मैड्रिड चैंपियन ज्वेरेव ने कहा, यह कोर्ट मेरी फेवरेट सेंटर कोर्ट है। मैंने यहां पूरी जिंदगी में सिर्फ दो मैच हारे हैं और उम्मीद है कि यह सिलसिला अगले 10 दिनों तक जारी रहेगा।

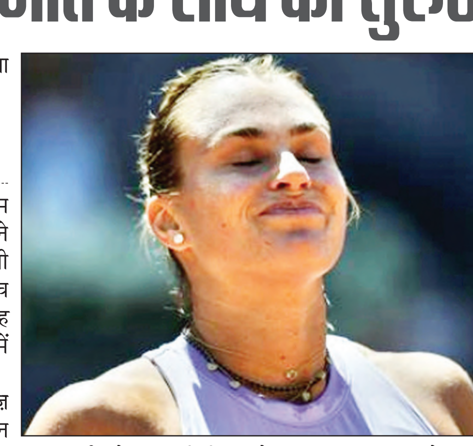

अगला मुकाबला उनका नूनो बोरजेस या डेविडोविच फोकिना से होगा।

फेलिक्स ऑगर-अलियासिम की हार, अर्जेंटीनियाई खिलाड़ियों का जलवा

पिछले साल के फाइनलिस्ट फेलिक्स ऑगर-अलियासिम पहले ही दौर में अर्जेंटीना के जुआन मैनुअल सेरुंडोलो से 7-6(5), 6-4 से हार गए। इस हार के बाद वह टॉप 25 रैंकिंग से बाहर हो सकते हैं।

वहीं, उनके भाई फ्रांसिस्को सेरुंडोलो ने क्वालिफायर हेरोल्ड मायोट को 6-3, 6-4 से हराकर तीसरे दौर में जगह बनाई। अब उनका सामना अपने ही देश के फ्रांसिस्को कोमेसाना से होगा, जिन्होंने 13वीं सीड आर्थर फिल्स को 7-6(4), 6-4 से हराया।

लाइन कॉलिंग पर विवाद, खिलाड़ियों ने जताई चिंता

फ्रांस के आर्थर फिल्स ने क्ले कोर्ट पर पहली बार लागू हुई लाइव इलेक्ट्रॉनिक लाइन कॉलिंग की आलोचना की। उन्होंने कहा कि कोर्ट पर दिख रही बॉल मार्क और वीडियो में दिखाई जा रही पोजीशन मेल नहीं खातीं। कोमेसाना ने भी तकनीक की सटीकता पर सवाल उठाए, लेकिन फिर भी इसे लाइन जज और चेयर अंपायर से बेहतर विकल्प बताया।

जेनसोल के खिलाफ इरेडा ने दर्ज कराई शिकायत दोनों कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट

नई दिल्ली, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। संकट में फंसी जेनसोल इंजीनियरिंग लिमिटेड की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। इलेक्ट्रिक वाहन फाइनेंसिंग के लिए कर्ज देने वाली सार्वजनिक क्षेत्र की संस्था भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी (इरेडा) ने कंपनी और इसके प्रवर्तकों के खिलाफ अनुबंध उल्लंघन का आरोप लगाते हुए आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) में शिकायत दर्ज कराई है।

इरेडा ने कहा कि जेनसोल के प्रवर्तकों ने उनकी मंजूरी के बिना अपनी शेयरहोल्डिंग घटाई, जो सीधे तौर पर कॉन्ट्रैक्ट का उल्लंघन है। इरेडा ने 24 अप्रैल को इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई थी। कंपनी ने शेयर बाजार को जानकारी दी कि जेनसोल के हालिया घटनाक्रमों के मद्देनजर आंतरिक समीक्षा शुरू की गई है और आरबीआई के दिशानिर्देशों का पालन किया जा रहा है।

हालांकि, इरेडा ने स्पष्ट किया कि जेनसोल का कर्ज खाता अभी एनपीए घोषित नहीं हुआ है। इस मामले की बारीकी से जांच की जा रही है और समीक्षा के आधार पर आगे वसूली के कदम उठाए जाएंगे।

ईडी ने तेज की कार्रवाई

इस बीच, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भी जेनसोल इंजीनियरिंग और इसके प्रवर्तकों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के तहत दिल्ली, गुरुग्राम और अहमदाबाद में कंपनी के परिसरों पर छापेमारी की गई और सह-प्रवर्तक पुनीत सिंह जग्गी को दिल्ली के एक होटल से हिरासत में लिया गया। यहां बताते चलें कि कथित वित्तीय अनियमितताओं और धन के हेरफेर के आरोपों के चलते कंपनी के प्रवर्तक अनमोल सिंह जग्गी और पुनीत सिंह जग्गी जांच के घेरे में हैं। इस घटनाक्रम का असर शेयर बाजार पर भी देखने को मिला। शुक्रवार को जेनसोल इंजीनियरिंग के शेयर 4.96 फीसदी गिरकर 91.05 रुपये पर बंद हुए, जो पिछले 52 हफ्तों का सबसे निचला स्तर है। वहीं, इरेडा के शेयर भी 4.40फीसद टूटकर 167.40 रुपये पर बंद हुए।

न्यूज ब्रीफ

चोलामंडलम इनवेस्टमेंट का शानदार मुनाफा, गोल्ड लोन बिजनेस में उतरने की तैयारी

नई दिल्ली। चोलामंडलम इनवेस्टमेंट एंड फाइनेंस कंपनी ने मार्च 2025 तिमाही में शानदार प्रदर्शन करते हुए 1,058 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया है। यह मुनाफा पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले 24 प्रतिशत ज्यादा है। वित्त वर्ष 2024 की मार्च तिमाही में कंपनी का मुनाफा 853 करोड़ रुपये था। कंपनी ने ऐलान किया है कि वह जल्द ही गोल्ड लोन बिजनेस में भी कदम रखेगी। इस खबर के बाद कंपनी के शेयर शुक्रवार को बीएसई पर 1,541.20 रुपये पर बंद हुए। मार्च तिमाही में कंपनी की नेट इंटरेस्ट इनकम 30.8 प्रतिशत बढ़कर 2,006.9 करोड़ रुपये रही। इसी अवधि में कुल डिस्बर्समेंट्स 18 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 24,784 करोड़ रुपये पर पहुंच गए, जो एक साल पहले 21,020 करोड़ रुपये थे। चोलामंडलम का एसेट्स अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) 31 मार्च 2025 तक 1.53 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया है, जो सालाना आधार पर 36 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

ओसामु सुजुकी की याद में होगी ओएससीओई सेंटर की स्थापना

नई दिल्ली। भारत में जापनी कंपनी सुजुकी मोटर कॉर्पोरेशन और मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने ओसामु सुजुकी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (ओएससीओई) स्थापित करने का प्रस्ताव पेश किया है। दिल्ली के यशोभूमि में एक स्मरण समारोह के दौरान यह घोषणा की गई, जिसमें स्वर्गीय ओसामु सुजुकी को श्रद्धांजलि दी गई। ओएससीओई का उद्देश्य भारत में मैन्युफैक्चरिंग के विभिन्न क्षेत्रों में विकास को बढ़ावा देना है। इसे गुजरात और हरियाणा में स्थापित करने का प्रस्ताव है। यह केंद्र भारतीय सप्लाई चेन को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में मजबूत बनाने के लिए कंपोनेंट निर्माताओं के स्टैंडर्ड को सुधारने में मदद करेगा। साथ ही, जापानी मैन्युफैक्चरिंग फिलॉसफी को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न शैक्षिक कार्यक्रमों और सेमिनारों का आयोजन भी किया जाएगा। यह पहल देश के मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र के भविष्य में अहम योगदान करेगी। मालूम हो कि ओसामु सुजुकी का 25 दिसंबर, 2024 को निधन हो गया था। स्वर्गीय ओसामु सुजुकी ने भारत में जापानी मैन्युफैक्चरिंग पद्धतियों का परिचय कराया, जिसने न केवल मैन्युफैक्चरिंग की प्रतिस्पर्धा को बढ़ाया, बल्कि देश में समावेशी और सामंजस्यपूर्ण समाज की दिशा में भी योगदान दिया। उनकी इन पद्धतियों के परिणामस्वरूप मारुति सुजुकी की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अब उनके योगदान को सम्मानित करने के लिए और उनकी मैन्युफैक्चरिंग फिलॉसफी को बढ़ावा देने के लिए ओएससीओई का गठन किया जा रहा है।

स्मार्टफोन्स रेजर 60 अल्ट्रा और एग्ज 60 प्रो लांच

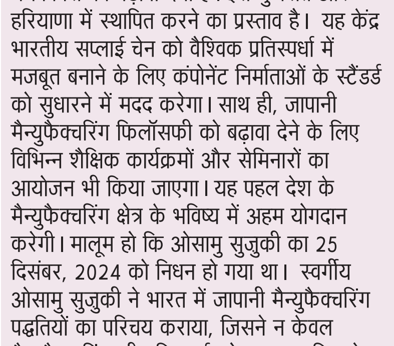

नई दिल्ली। स्मार्टफोन बनाने वाली कंपनी मोटोरोला के दो नए फ्लैगशिप स्मार्टफोन्स रेजर 60 अल्ट्रा और एग्ज 60 प्रो जल्द ही लॉन्च हो सकते हैं। यह स्मार्टफोन माउंटेन ट्रेल और स्कारब रंगों में दिखाई दिया है। वहीं मोटोरोला एग्ज 60 प्रो को 12जीबी प्लस512जीबी वेरिएंट के लिए करीब रुपए 58,100 में लिस्ट किया गया है, जिसे डेजलिंग ब्लू और शैडो कलर में पेश किया जा सकता है। मोटोरोला रेजर 60 अल्ट्रा का 16 जीबी रैम और 512जीबी स्टोरेज वेरिएंट लगभग रुपए1,26,100 में उपलब्ध होगा। रेजर 60 अल्ट्रा में स्नैपड्रैगन 8 एलीट चिपसेट, 16जीबी रैम और 512जीबी स्टोरेज की उम्मीद है। इसका मेन फोल्डिंग डिस्प्ले 7 इंच का एलटीपीओ अमोलेड होगा, जो 165एचझेड रिफ्रेश रेट को सपोर्ट करेगा, जबकि बाहर की ओर 4 इंच का कवर अमोलेड डिस्प्ले मिलेगा। फोटोग्राफी के लिए इसमें 50एमपी के दो रियर कैमरे और 50एमपी सेल्फी कैमरा हो सकता है। 4500एमएएच बैटरी के साथ 68वॉट फास्ट चार्जिंग सपोर्ट की भी जानकारी लीक हुई है। फोन का वजन 199 ग्राम और डायमेंशन 74गुणा171.5गुणा7.19 एमएम बताया गया है। इसमें रिंग होल्डर वाला प्रोटेक्टिव केस और दो साल की वारंटी भी मिलने की संभावना है। दूसरी ओर, एग्ज 60 प्रो में स्नैपड्रेगन 8जेन 2 प्रोसेसर और 12जीबी रैम मिल सकती है।

सरकार देशभर में ग्रीनफील्ड औद्योगिक स्मार्ट शहर विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध : राजू श्रीनिवास वर्मा

पलक्कड़ औद्योगिक स्मार्ट सिटी केरल के औद्योगिक परिदृश्य को नया आकार देगी

नई दिल्ली, 26 अप्रैल (एजेंसियां)।

केंद्रीय भारी उद्योग, सार्वजनिक उद्यम और इस्पात राज्यमंत्री भूपति राजू श्रीनिवास वर्मा ने शनिवार को कहा कि सरकार देशभर में अत्याधुनिक ग्रीनफील्ड औद्योगिक स्मार्ट शहरों के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। वर्मा ने यहां आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान यह बात कही, जहां राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास निगम (एनआईसीडीसी) को उद्योग विकास पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पूरे भारत में अत्याधुनिक ग्रीनफील्ड औद्योगिक स्मार्ट शहरों के विकास के लिए केंद्र सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता के बारे में बताया।

अपने संबोधन के दौरान वर्मा ने केरल के पलक्कड़ में एकीकृत विनिर्माण क्लस्टर (आईएमसी) की परिवर्तनकारी क्षमता की सराहना की और कहा कि यह परियोजना केरल और देश के व्यापक दक्षिणी क्षेत्र के बुनियादी ढांचे और औद्योगिक परिदृश्य को नया आकार देने के लिए तैयार है। इस कार्यक्रम में भारत के लॉजिस्टिक्स पारिस्थितिकी तंत्र को बदलने में एनएलडीएसल के योगदान को भी प्रदर्शित किया गया। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास कार्यक्रम पर केंद्रित एक तकनीकी सत्र भी शामिल था जिसमें आगामी पलक्कड़ औद्योगिक स्मार्ट सिटी की रणनीतिक दृष्टि, योजना और प्रगति के बारे में गहन जानकारी दी गई। एनआईसीडीसी लॉजिस्टिक्स डेटा सर्विसेज लिमिटेड द्वारा एक समर्पित सत्र में लॉजिस्टिक्स डेटा बैंक और यूनिफाइड लॉजिस्टिक्स इंटरफेस प्लेटफॉर्म के माध्यम से तैनात किए जा रहे अभिनव डिजिटल समाधानों के बारे में विस्तार से बताया गया।

पुडुसेरी मध्य, पुडुसेरी पश्चिम और कन्नम्बरा में 1,710 एकड़ में फैला पलक्कड़ औद्योगिक स्मार्ट सिटी केरल के औद्योगिक विकास में एक प्रमुख मील का पत्थर है। पलक्कड़ शहर से 21 किमी, कोचीन से 120 किमी और कोयंबटूर से 50 किमी दूर रणनीतिक रूप से स्थित यह परियोजना निर्बाध अंतरराज्यीय संपर्क और महत्वपूर्ण लॉजिस्टिक लाभ मुहैया कराती है। इसे सड़क, रेल और हवाई मार्ग से अच्छी तरह से मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी के साथ शहर को उच्च गुणवत्ता वाले निवेश को आकर्षित करने और क्षेत्रीय रोजगार तथा नवाचार को बढ़ावा देने के लिए बनाया गया है।

परियोजना की प्रमुख उपलब्धियां-

- -आवश्यक भूमि का 81 फीसदी हिस्सा पहले से ही कब्जे में है।
- - सभी भूमि खंडों के लिए पर्यावरणीय मंजूरी 01 जनवरी, 2025 को प्रदान कर दी गई हैं।
- -परियोजना प्रबंधन और निर्माण परामर्शदाता को कार्य-निष्पादन पत्र जारी कर दिया गया है।
- -ईपीसी निविदा दस्तावेजों को अंतिम रूप देने का कार्य प्रगति पर है।

इस कार्यक्रम में भारत के लॉजिस्टिक्स तंत्र को बदलने में एनएलडीएसएल के योगदान को दर्शाया गया। सितंबर 2022 में अपनी स्थापना के बाद से यूलिप ने 11 मंत्रालयों की 43 प्रणालियों को एकीकृत किया है जो 129 एपीआई और 1,800 से अधिक डेटा फील्ड के जिरए जुड़ी हैं, 1,300 से अधिक पंजीकृत कंपनियों को सशक्त बनाया है और 100 करोड़ से अधिक एपीआई लेनदेन को सक्षम किया है। यह प्रौद्योगिकी-संचालित प्लेटफ़ॉर्म भारत में एकीकृत, कुशल और पारदर्शी लॉजिस्टिक्स नेटवर्क के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण का उदाहरण है। उद्योग विकास कार्यक्रम में एनआईसीडीसी को मिली मान्यता भारत के औद्योगिक परिवर्तन को गति देने तथा वैश्विक विनिर्माण और लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में देश की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाता है।

हुंडई ने किया नौ संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं का चयन

नई दिल्ली, 26 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) दिल्ली में हुंडई मोटर ग्रुप ने हुंडई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर फ्यूचर मोबिलिटी टेक्नोलॉजी (हयूदै सीओई) का उद्घाटन किया है। हुंडई ने आईआईटीएस के साथ मिलकर नौ संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं का चयन किया है, जो बैटरी नवाचार पर केंद्रित हैं।

इस पहल का उद्देश्य भविष्य की मोबिलिटी तकनीकों पर अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देना है, विशेष रूप से इलेक्ट्रिफिकेशन और बैटरी सिस्टम के क्षेत्र में। ये परियोजनाएं बैटरी सेल्स, बैटरी सिस्टम्स, परीक्षण, बैटरी प्रबंधन प्रणाली, ऊर्जा घनत्व में वृद्धि, सुरक्षा, टिकाऊपन और डायग्नोस्टिक तकनीकों जैसे प्रमुख क्षेत्रों को कवर करेंगी।

हुंडई सीओई की संचालन समिति का नेतृत्व हुंडई मोटर ग्रुप के एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट चांग ह्वान किम और आईआईटी दिल्ली के प्रोफेसर बिजय केतन पाणिग्राही करेंगे।

हुंडई मोटर ग्रुप के आर एंड डी डिवीजन के प्रमुख, हेउइवोन यांग ने कहा, हम भारत के सबसे उज्जवल दिमागों के साथ बैटरी नवाचार में काम करने को लेकर उत्साहित हैं।

उनका मानना है कि इस सेंटर के माध्यम से, आईआईटी के प्रमुख शोधकर्ताओं और प्रोफेसरों के साथ सहयोग, विशेष रूप से भारत के लिए अनुकूलित तकनीकों के विकास में मदद करेगा, जिससे देश की अर्थव्यवस्था और समाज में भी योगदान मिलेगा। इसके अतिरिक्त, हुंडई ने अपने फ्यूचर टेक्नोलॉजी रिसर्च प्रोग्राम को भी बढ़ावा दिया है, जो 2021 से संचालित हो रहा है। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालयों के शिक्षकों को अपने अनुसंधान प्रस्ताव प्रस्तुत करने का अवसर मिलता है, जिसे हुंडई द्वारा समीक्षा कर चयनित किया जाता है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

हमले के बाद...

उन्होंने कहा, यह चिंताजनक घटना न केवल बांग्लादेश के आतंकवाद निरोधी तंत्र की कमजोरी उजागर करती है, बल्कि राजनीतिक मिलीभगत के जरिए चरमपंथी नेटवर्क को वैधता दिए जाने खतरे को भी रेखांकित करती है।क्षेत्रीय चिंता को और गहरा करने वाली बात यह है कि पाकिस्तान का सैन्य नेतृत्व, खास तौर पर पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर और बांग्लादेश के अंतरिम मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस के बीच एक अघोषित रणनीतिक गठबंधन है। खुफिया एजेंसियां बताती हैं कि बांग्लादेश में यूनुस के नेतृत्व वाला प्रशासन धीरे-धीरे चरमपंथी विचारकों और गुर्गों के प्रति अधिक अनुकूल होता जा रहा है, जिनमें से कई का पाकिस्तान के डीप स्टेट से सीधा और वैचारिक संबंध है। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी इंटर सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) के पूर्व महानिदेशक जनरल असीम मुनीर ने लश्कर ए तैयबा और टीआरएफ जैसे आतंकी समूहों से संबंध काफी प्रगाढ़ बना लिए हैं। अफगानिस्तान में तालिबान के फिर से उभरने के बाद जनरल मुनीर ने इसमें और तेजी लाई। मुनीर की यह रणनीति कश्मीर में कट्टरपंथी उबाल बनाए रखने और बांग्लादेश में अस्थिरता बढ़ावा देते रहने की है।खास बात यह है कि पहलगाम हमले के ठीक पहले पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल मुनीर ने लश्कर के गुर्गों को रसद और वित्तीय सहायता बढ़ाने की व्यक्तिगत रूप से मंजूरी दी थी।

इसमें एन्क्रिप्टेड संचार और फर्जी एनजीओ के माध्यम से धन भेजना और कश्मीर और बांग्लादेश में क्षेत्रीय संचालकों को सक्रिय करना शामिल था। हिंदू नागरिकों पर हमला, अधिकतम मनोवैज्ञानिक प्रभाव करने, भारत की आंतरिक स्थिरता को बाधित करने और विदेशी जुड़ाव को पटरी से उतारने के लिए इसे डिजाइन किया गया था।उधर, मुहम्मद यूनुस की अंतरिम बांग्लादेश सरकार ने अनौपचारिक रूप से अपने सैन्य प्रतिष्ठानों में चुनिंदा पाकिस्तानी सेनाधिकारियों के लिए चैनल खोल दिए हैं। असीम मुनीर-यूनुस गठजोड़ कागज पर औपचारिक रूप से भले ही न हो, लेकिन इसके निहित परिणाम जमीन पर सामने आ रहे हैं। पहलगाम नरसंहार एक अलग घटना नहीं है, बल्कि एक बड़े और अधिक खतरनाक भू-राजनीतिक खेल का एक फ्लैशपॉइंट है, इसे आप फिल्म का ट्रेलर भी मान सकते हैं।

निर्दोष पर्यटकों के...

भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों। तालिबान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अब्दुल कहर बल्खी ने भी दोषियों को सजा देने पर जोर दिया। तालिबान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अब्दुल कहर बल्खी ने इस हमले को क्षेत्रीय शांति के लिए हानिकारक बताया और दोषियों को सजा देने की आवश्यकता पर जोर दिया है। तालिबान का पहलगाम हमले पर बयान और भारत के प्रति समर्थन अहम है क्योंकि पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच संबंध बीते कुछ दिनों से अच्छे नहीं हैं।अफगानिस्तान की तालिबान सरकार द्वारा पहलगाम जेहादी हमले को लेकर पाकिस्तान की बखिया उधेड़ने और भारत का समर्थन करने को लेकर दुनियाभर के कूटनीतिक विशेषज्ञ आश्चर्यचकित हैं। कट्टर इस्लामवादी तालिबान जिन्ना के देश पर बिफरे हुए हैं और दोषी जेहादियों को सबक सिखाने का आह्वान कर रहे हैं। तालिबान और पाकिस्तान के संबंध कितने तल्ख हो चुके हैं, इस प्रतिक्रिया से साफ पता चलता है। तालिबान के इस रुख का क्षेत्र की राजनीति और सुरक्षा वातावरण पर गहरा प्रभाव पड़ सकता है।भारत ने इस हमले के लिए साफ तौर पर पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराया है, क्योंकि टीआरएफ का संबंध पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठनों से है। हालांकि, पाकिस्तान ने इन आरोपों को खारिज किया है। इस घटना के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव स्वाभाविक तौर पर बढ़ गया है। भारत ने सिंधु जल समझौते को निलंबित कर दिया और पाकिस्तानी नागरिकों को देश छोड़ने का आदेश दिया है। पाकिस्तान ने इसके जवाब में शिमला समझौता रद्द करने की धमकी दी है।

अहमदाबाद और ...

गैरकानूनी रूप से रहने वाले बांग्लादेशियों के खिलाफ एक अभियान शुरू किया है। इस अभियान के दौरान सूरत से 134 बांग्लादेशियों को पकड़ा गया है जो अवैध रूप से गुजरात में लंबे अरसे से रह रहे थे। अहमदाबाद के चंदोला तालाब एरिया में सबसे ज्यादा बांग्लादेशी झोपड़ियां बनाकर अवैध रूप से रह रहे थे। इस इलाके में पुलिस ने सुबह 3 बजे से सर्च ऑपरेशन शुरू कर 890 बांग्लादेशी घुसपैठियों को दबोच लिया। डीजीपी विकास सहाय ने कहा कि फर्जी दस्तावेज बनाने वाले बंगाली आपराधिक नेटवर्क की जांच जारी है। गिरफ्तार बांग्लादेशियों को कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उनके मूल देश बांग्लादेश वापस भेज दिया जाएगा।

गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी ने अवैध बांग्लादेशियों को चेतावनी दी है कि वे दो दिन के भीतर स्वैच्छिक रूप से पुलिस थाने में आत्मसमर्पण करें, अन्यथा उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इन अवैध घुसपैठियों को आश्रय देने वालों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं।गुजरात में बांग्लादेशियों को पहले भी नशीले पदार्थों, मानव तस्करी और अन्य आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त पाया गया है। आज गिरफ्तार किए गए चार बांग्लादेशियों में से दो पर अल-कायदा स्लीपर सेल के रूप में काम करने का संदेह है जिसके चलते उनकी गतिविधियों की जांच चल रही है। हिरासत में लिए गए बांग्लादेशियों का वेरिफिकेशन अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने शुरू कर दिया है। हिरासत में लिए गए व्यक्तियों के पास मौजूद डॉक्यूमेंट्स का सत्यापन किया जाएगा। इस बात की भी जांच की जाएगी कि यह डॉक्यूमेंट्स कैसे और किससे प्राप्त किये गये। क्योंकि कुछ बांग्लादेशियों के पास दस्तावेजी सबूत नहीं हैं तो उनका डिजिटल सत्यापन किया जाएगा। डिजिटल सत्यापन के लिए साइबर अपराध कार्यालय ले जाया गया है।

यह पता लगाया जा रहा है कि वो भारत में कैसे घुसे, उन्होंने फर्जी दस्तावेज कैसे बनवाए और वे किन-किन लोगों से सम्पर्क में थे। इन सभी के मोबाइल फोन जब्त कर लिए गए हैं। इनमें से कइ के पास फर्जी आधार कार्ड तक मिले हैं।

जारी हुई 14 ...

जुलाई 2015 से हिजबुल से जुड़ा, 8. नसीर अहमद वानी (21) - 2019 से शोपियां में लश्कर-ए-तैयबा का सक्रिय आतंकी, 9. शाहिद अहमद कुटाय (27) - शोपियां में सक्रिय, लश्कर-ए-तैयबा और उसके फ्रंट टीआरएफ से जुड़ा, 10. आमिर अहमद डार - लश्कर-ए-तैयबा का सदस्य, 2023 से शोपियां में सक्रिय, 11. अदनान सफी डार - 2024 से लश्कर-ए-तैयबा और टीआरएफ के लिए काम कर रहा, सूचना संप्रेषक, 12. जुबैर अहमद वानी उर्फ अबू उबैदा उर्फ उस्मान (39) - अनंतनाग में हिजबुल का ऑपरेशन कमांडर, 13. हारून रशीद गनई (32) - हिजबुल का आतंकी, पीओके से प्रशिक्षण प्राप्त कर हाल में वापस लौटा, 14. जाकिर अहमद गनी (29) - कुलगाम निवासी, लश्कर-ए-तैयबा का सदस्य, सुरक्षा बलों पर हमलों में शामिल।उल्लेखनीय है कि 22 अप्रैल को पहलगाम के बैसरन मैदान में दोपहर लगभग 2 बजे हुए आतंकी हमले में 26 पर्यटकों समेत 27 लोग मारे गए थे। हमले में दो स्थानीय आतंकी और तीन पाकिस्तानी आतंकी शामिल थे। पाकिस्तानी आतंकियों का नाम आसिफ फौजी, सुलेमान शाह और अबू तल्हा है। स्थानीय आतंकियों का नाम अदिल गूरी और अहसन है। सभी पर 20-20 लाख रुपए का इनाम घोषित किया गया है।

विधायक समेत आठ ...

पहलगाम का आतंकी हमला सरकार की साजिश थी। नागांव निवासी अमीनुल इस्लाम को इसके बाद असम पुलिस ने भड़काऊ टिप्पणी के लिए गिरफ्तार कर लिया गया।विधायक के अलावा सात अन्य लोगों को भी सोशल मीडिया पर हमले के समर्थन में बात करने वालों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें से एक असम विश्वविद्यालय का छात्र भी है। उसने सोशल मीडिया पर सांप्रदायिक और भड़काऊ पोस्ट किए थे। अन्य गिरफ्तार लोगों में दो सिलचर के कछार और हैलाकांडी, मोरीगांव, नागांव और शिवसागर जिले से एक-एक व्यक्ति शामिल हैं।

सैन्य अभियान की...

सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। कारगिल युद्ध, मुंबई आतंकवादी हमले (26/11), और कंधार अपहरण कांड जैसी घटनाओं के दौरान असंयमित और अपरिपक्व कवरेज के कारण राष्ट्रीय हितों पर प्रतिकूल परिणाम हुए।सूचना मंत्रालय द्वारा जारी परामर्श में कहा गया है कि सभी टीवी चैनलों को केबल टेलीविजन नेटवर्क (संशोधन) नियम, 2021 के नियम 6 (1) (पी) का पालन करना चाहिए। नियम 6 (1) (पी) में कहा गया है कि ऐसा कोई कार्यक्रम नहीं चलाया जाना चाहिए, जिसमें सुरक्षा बलों द्वारा किसी भी आतंकवाद विरोधी अभियान का लाइव कवरेज हो। टीवी चैनलों को सलाह दी गई है कि वे राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में सुरक्षा बलों द्वारा आतंकवाद विरोधी अभियान और आंदोलन का लाइव कवरेज न करें।

मोक्ष और मनोकामनाओं की पूर्ति का पावन पर्व

वैशाख अमावस्या आज

आज 27 अप्रैल को वैशाख मास की अमावस्या है, इसे सतुवाई अमावस्या कहा जाता है। इस तिथि पर पूजा-पाठ के साथ ही दान-पुण्य और पितरों के लिए धूप-ध्यान करने की परंपरा है। ज्योतिष में सूर्य को रविवार का कारक ग्रह माना जाता है। इसलिए रविवार और अमावस्या के योग में दिन की शुरुआत सूर्य पूजा के साथ करनी चाहिए। इस अमावस्या पर सत्तु का दान करने का विधान है। शास्त्रों के अनुसार वैशाख मास भगवान विष्णु को अत्यंत प्रिय है और इस मास की अमावस्या तिथि का धार्मिक दृष्टि से विशेष महत्व होता है। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि इस वर्ष वैशाख अमावस्या 27 अप्रैल को पड़ रही है। शास्त्रों में बताया गया है कि इस दिन पवित्र नदियों में स्नान, दान-पुण्य और भगवान लक्ष्मी नारायण की विधिपूर्वक पूजा करने से व्यक्ति को न केवल समस्त पापों से मुक्ति मिलती है, बल्कि मृत्युपरांत मोक्ष की भी प्राप्ति होती है। अभी गर्मी का समय है, इसलिए वैशाख अमावस्या पर जरूरतमंद लोगों को जूते-चप्पल, जल, कपड़े, खाना और छाते का दान करना चाहिए। अमावस्या को भी पर्व की तरह माना जाता है। इस तिथि के स्वामी पितर देव माने जाते हैं।

वैशाख अमावस्या 27 अप्रैल 2025 को पड़ रही है, और इसे 'सतुवाई अमावस्या' के नाम से भी जाना जाता है। यह दिन विशेष रूप से धार्मिक महत्व रखता है और कई पवित्र कार्यों के लिए शुभ माना जाता है। अमावस्या के दिन गंगा नदी में स्नान करना, पितृ तर्पण, पितृ पूजा, और दान पुण्य करना अत्यंत लाभकारी माना जाता है। वैशाख अमावस्या को पवित्र गंगा नदी में स्नान करने के साथ-साथ शनि देव और भगवान विष्णु की पूजा करने से अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है। इसके अलावा, इस दिन किए गए धार्मिक अनुष्ठान जीवन में समृद्धि, शांति और

सकारात्मक ऊर्जा लाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम माने जाते हैं। इस दिन का माहौल विशेष रूप से संतुलन और आध्यात्मिक उन्नति के लिए उपयुक्त होता है, और यह समृद्धि और आत्मविकास की दिशा में एक कदम और आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करता है। साथ ही, वैशाख अमावस्या पर पितृ तर्पण करने से पितरों के आशीर्वाद की प्राप्ति होती है, और यह दिन परिवार के लिए एकता और सौहार्द की भावना को भी बढ़ावा देता है। इस दिन विशेष रूप से दान पुण्य का महत्व है, जिससे पुण्य की प्राप्ति होती है और जीवन में सुख-समृद्धि आती है।

वैशाख अमावस्या

पंचांग अनुसार वैशाख अमावस्या 27 अप्रैल 2025 की सुबह 04:49 से 28 अप्रैल 2025 की सुबह 1 बजे तक रहेगी। इस दिन ब्रह्म मुहूर्त में स्नान-दान का विशेष महत्व माना जाता है।

पितरों के लिए धूप-ध्यान

पितरों के लिए धूप-ध्यान करने का सबसे अच्छा समय दोपहर का होता है। सुबह-शाम देवी-देवताओं की पूजा के लिए सबसे अच्छा समय रहता है और दोपहर में करीब 12 बजे पितरों के लिए धूप-ध्यान करने का समय बताया गया है। इस समय को कुतप काल कहते हैं। अमावस्या की दोपहर में गोबर के कंडे जलाएं और जब कंडों से धुआं निकलना बंद हो जाए, तब अंगारों पर गुड़ और घी से धूप अर्पित करें।

दान-पुण्य

इस अमावस्या पर किसी पवित्र नदी में स्नान करें और स्नान के बाद नदी किनारे दान-पुण्य जरूर करें। इस अमावस्या पर किसी सार्वजनिक स्थान पर प्याऊ लगवाएं या किसी प्याऊ में मटके का और जल का दान भी कर सकते हैं। जरूरतमंद लोगों को भोजन कराएं। मौसमी फल जैसे आम, तरबूज, खरबूजा का दान करें। जूते-चप्पल, सूती वस्त्र, छाता भी दान कर सकते हैं। किसी गोशाला में गायों की देखभाल के लिए धन का दान करें और गायों को हरी घास खिलाएं। अमावस्या पर सुबह जल्दी उठें और स्नान के बाद सूर्य देव को अर्घ्य अर्पित करें। इसके लिए तांबे के लोटे का इस्तेमाल करें। अर्घ्य चढ़ाते समय ऊँ सूर्याय नम: मंत्र का जप करना चाहिए। सूर्य को पीले फूल चढ़ाएं। सूर्य देव के लिए गुड़ का दान करें। किसी मंदिर में पूजा-पाठ में काम आने वाले तांबे के बर्तन दान कर सकते हैं। घर की छत पर या किसी अन्य सार्वजनिक स्थान पर पक्षियों के लिए दाना-पानी रखें। वैशाख मास की अमावस्या पर ऊँ नम: शिवाय मंत्र का जप करते हुए शिवलिंग पर ठंडा जल चढ़ाएं। बिल्व पत्र, धतूरा, आंकड़े का फूल, जनेऊ, चावल आदि पूजन सामग्री अर्पित करें। मिठाई का भोग लगाएं। धूप-दीप जलाएं, आरती करें। पूजा के बाद प्रसाद बांटें और खुद भी लें। किसी मंदिर में शिवलिंग के लिए मिट्टी के कलश का दान करें, जिसकी मदद से शिवलिंग पर जल की धारा गिराई जाती है। हनुमान जी के सामने दीपक जलाएं और सुंदरकांड या हनुमान चालीसा का पाठ करें, जिससे आत्मबल और मानसिक शांति मिले। किसी मंदिर में धूप बत्ती, घी, तेल, हार-फूल, भोग के लिए मिठाई, कुमकुम, गुलाल, और भगवान के लिए वस्त्र जैसी पूजा सामग्री का दान करें।

चावल से तृप्त होते हैं पितर देव

चावल से बने सत्तू का दान इस दिन पितरों के लिए किए जाने वाले श्राद्ध में चावल से बने पिंड का दान किया जाता है और चावल के ही आटे से बने सत्तू का दान किया जाता है। इससे पितृ खुश होते हैं। चावल को हविष्य अन्न कहा गया है यानी देवताओं का भोजन। चावल का उपयोग हर यज्ञ में किया जाता है। चावल पितरों को भी प्रिय है। चावल के बिना श्राद्ध और तर्पण नहीं किया जा सकता। इसलिए इस दिन चावल का विशेष इस्तेमाल करने से पितर संतुष्ट होते हैं।

वैशाख अमावस्या की महिमा

मान्यता है कि इस मास की सभी तिथियां पुण्यदायिनी मानी गई हैं। एक-एक तिथि में किया हुआ पुण्य कोटि-कोटि गुना अधिक होता है। उनमें भी जो वैशाख की अमावस्या तिथि है,वह मनुष्यों को मोक्ष देने वाली है। स्कंद पुराण के अनुसार परम पवित्र वैशाख मास में जब सूर्य मेष राशि में स्थित हों,तब पापनाशिनी अमावस्या कोटि गया के समान फल देने वाली मानी गई है। जो प्राणी इस दिन पवित्र नदियों में स्नान करके पितरों के निमित्त श्रद्धा पूर्वक जल से भरा हुआ कलश, तिल, पिंड और वस्त्र दान करता है, उसे अक्षय फल की प्राप्ति होती है एवं उसके पितरों को मोक्ष मिलता है। यदि कोई व्यक्ति पूर्वजों की आत्मा की शांति हेतु इस दिन व्रत रखता है, ब्राह्मणों को भोजन कराता है और श्रद्धा से पिंडदान करता है, तो न केवल उसके पितर तृप्त होते हैं, बल्कि उसे स्वयं भी मोक्ष की प्राप्ति होती है। यह तिथि देवताओं की भी अत्यंत प्रिय मानी गई है और इसी कारण इस दिन किए गए कर्म, साधना और दान-दक्षिणा विशेष फलदायी होते हैं। इस दिन प्याऊ लगाना,छायादार वृक्ष लगाना,पशु-पक्षियों के खान-पान की व्यवस्था करना,राहगीरों को जल पिलाना जैसे सत्कर्म मनुष्य के जीवन को समृद्धि के पथ पर ले जाते हैं।

स्नान का यह मुहूर्त सबसे श्रेष्ठ

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार वैशाख अमावस्या के दिन स्नान के लिए सबसे शुभ ब्रह्म मुहूर्त माना जाता है। इस दिन ब्रह्म मुहूर्त में पवित्र नदी में डुबकी लगाने से अधिक और विशेष पुण्य प्राप्त होता है। इसलिए इस दिन ब्रह्म मुहूर्त में ही पवित्र नदी में स्नान करना चाहिए। स्नान करने के बाद दान-पुण्य करना चाहिए।

वैशाख अमावस्या का धार्मिक महत्व ?

वैशाख अमावस्या के दिन दान और स्नान करने का विशेष महत्व माना जाता है। वैशाख की अमावस्या पर दान करने से पितृ दोष के दुष्प्रभाव को कम किया जा सकता है।इसके अलावा वैशाख अमावस्या पर पवित्र नदियों में स्नान जरूर करना चाहिए।वहीं, इस दिन गाय, कौवे और कुत्ते को भोजन कराने से जीवन के कष्ट दूर हो सकते हैं।

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर, अजमेर

क्यों खास वैशाख मास की अमावस्या? इस दिन क्या करें-क्या नहीं?

हर महीने के कृष्ण पक्ष के अंतिम दिन अमावस्या तिथि आती है। इस दिन चंद्रमा दिखाई नहीं देता। इस बार वैशाख मास की अमावस्या 27 अप्रैल, रविवार को है। इसे सतुवाई अमवस्या कहते हैं। इस अमावस्या का महत्व धर्म ग्रंथों में बताया गया है। वैशाख मास की अमावस्या पर यदि कुछ खास उपाय किए जाएं तो अनेक तरह की परेशानियां दूर हो सकती हैं। आगे जानिए वैशाख अमावस्या का महत्व और इस दिन क्या करें-क्या नहीं?

वैशाख अमावस्या को सतुवाई अमावस्या कहते हैं क्योंकि इस दिन सत्तू का दान करने का विशेष महत्व है। सत्तू चने व अन्य अनाजों को पीसकर बनाया जाता है। इसे पीने से शरीर को ठंडक मिलती है। चूंकि वैसाख मास में भीषण गर्मी होती है, इस समय सत्तू का दान करना बहुत ही शुभ माना गया है। यही कारण ही इस अमावस्या को सतुवाई अमावस्या कहा जाता है।

सतुवाई अमावस्या पर क्या करें?

✼ 27 अप्रैल, रविवार को सतुवाई अमावस्या के मौके पर पितरों की शांति के लिए तर्पण, पिंडदान और श्राद्ध आदि करना चाहिए। इससे पितृ दोष खत्म होता है।

✼ अमावस्या पर जरूरतमंदों को दान देने का भी विशेष महत्व है। इस दिन अपनी इच्छा के अनुसार अनाज, पैसा, भोजन आदि का दान करना चाहिए।

✼ अमावस्या पर महादेव की पूजा का विशेष फल मिलता है। साथ ही हनुमानजी और भैरव महाराज को इस दिन चोला चढ़ाना चाहिए।

✼ अमावस्या पर पितरों की शांति के लिए गाय को चारा खिलाएं, मछलियों के लिए तालाब में आटे की गोलियां बनाकर डालें।

✼ अमावस्या पर घर आए किसी भी भिक्षुक को खाली हाथ न लौटाएं, उसे अपनी इच्छा अनुसार कुछ न कुछ जरूर दें।

अमावस्या पर कौन-से काम न करें?

✼ अमावस्या पर मांस-मदिरा आदि तामसिक चीजों का सेवन नहीं करना चाहिए, ऐसा करना अशुभ माना जाता है।

✼ अमावस्या पर ब्रह्मचर्य का पालन करें क्योंकि ये पितरों की तिथि है।

✼ अमावस्या पर किसी का मन न दुखाएं, क्रोध न करें और न ही किसी को अपशब्द बोलें।

✼ संभव हो तो अमावस्या पर यात्रा करने से बचें नहीं तो मार्ग में परेशानी हो सकती है।

✼ अमावस्या तिथि पर महिलाओं को सिर नहीं धोना चाहिए और न ही अपने बाल खुले रखने चाहिए।

अमावस्या पर पितरों के लिए इस नियम से जलाएं दीपक

वैशाख मास की अमावस्या हर साल भाव के साथ मनाई जाती है। यह दिन पितरों की पूजा के लिए समर्पित है। इस दिन किए गए श्राद्ध कर्म, तर्पण और दान-पुण्य का विशेष महत्व रखते हैं।

वहीं, इस मौके पर पितरों के निमित्त दीपक जलाना भी बहुत फलदायी माना जाता है। हालांकि इसके लिए सही नियम और स्थान की जानकारी होनी चाहिए।

दीपक जलाने का नियम

वैशाख अमावस्या को शाम के समय पितरों के लिए दीपक जलाना उत्तम माना जाता है। दीपक जलाने के लिए मिट्टी का दीया सबसे शुभ होता है। अगर मिट्टी का दीपक उपलब्ध न हो तो आप किसी अन्य धातु के दीपक का भी प्रयोग कर सकते हैं। दीपक में सरसों का तेल या तिल का तेल प्रयोग करना चाहिए।

सबसे पहले रुई की बत्ती बनाकर उसे तेल में डुबोएं और फिर दीपक को प्रज्वलित करें। दीपक जलाते समय अपने पितरों का ध्यान करें और उनकी शांति एवं मोक्ष की कामना करें।

दीपक जलाने का स्थान

घर की दक्षिण दिशा – दक्षिण दिशा को पितरों की दिशा माना जाता है। इसलिए वैशाख अमावस्या की शाम को घर की दक्षिण दिशा में दीपक जलाना बहुत लाभकारी माना जाता है। आप इसे घर के आंगन में छत पर या दक्षिण दिशा की दीवार के पास रख सकते हैं।

तुलसी के पौधे के पास – हिंदू धर्म में तुलसी के पौधा को बहुत पूजनीय माना गया है। ऐसा कहा जाता है कि तुलसी के पौधे के पास दीपक जलाने से पितरों को शांति मिलती है और घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

पीपल के वृक्ष के नीचे – ऐसा माना जाता है कि पीपल के वृक्ष में पितरों का वास होता है। ऐसे में आपके आसपास पीपल का वृक्ष हो तो वैशाख अमावस्या की शाम उसके नीचे दीपक जरूर जलाएं। इससे शुभ फलों की प्राप्ति होगी।

खाली जगह – घर के किसी ऐसे स्थान पर जहां कोई आवाजाही न हो, वहां भी पितरों के लिए दीपक जलाया जा सकता है। यह शांत स्थान पितरों की आत्मा को शांति देता है।

दीपक जलाने का धार्मिक महत्व

ऐसा माना जाता है कि दीपक की रोशनी पितरों को अपने लोक की ओर जाने में मदद करती है। इससे पितरों की आत्मा को शांति मिलती है और वे खुश होते हैं। इसके साथ ही परिवार में सुख-समृद्धि और खुशहाली बनी रहती है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, नियमित रूप से पितरों के लिए दीपक जलाने से कुंडली में मौजूद पितृदोष का प्रभाव कम होता है और जीवन में आ रही बाधाएं दूर होती हैं। यही नहीं परिवार में उन्नति, स्वास्थ्य और समृद्धि बनी रहती है।

वैशाख अमावस्या पर करें ये उपाय, पितृ दोष से जल्द मिलेगा छुटकारा

सनातन धर्म में अमावस्या तिथि पितरों को प्रसन्न करने के लिए उत्तम मानी जाती है। यह दिन पितरों और भगवान विष्णु की पूजा-अर्चना के लिए समर्पित है। वैशाख अमावस्या के दिन सुबह पवित्र नदी में स्नान और दान करने का विशेष महत्व है।

धार्मिक मान्यता के अनुसार, वैशाख अमावस्या तिथि पर पिंडदान करने से पितरों को मोक्ष की प्राप्ति होती है। साथ ही सुख-समृद्धि में वृद्धि होती है। ऐसा माना जाता है कि इस दिन कुछ उपाय करने से जातक को पितरों की कृपा प्राप्त होती है। साथ ही रुके हुए काम पूरे होने के योग बन सकते हैं।

पितृ दोष होगा दूर

अगर आप जीवन में लंबे समय से पितृ दोष का सामना कर रहे हैं, तो इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए वैशाख अमावस्या का दिन खास माना जाता है। इस दिन सुबह पवित्र दिन में स्नान करें। अगर ऐसा संभव नहीं है, तो घर में नहाने के पानी में गंगाजल मिलाकर स्नान करें। इसके बाद जल में काले तिल मिलाकर सूर्य देव को जल अर्पित करें। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस उपाय को करने से पितृ दोष दूर होता है। साथ ही जीवन में शुभ परिणाम देखने को मिल सकते हैं।

पितरों का मिलेगा आशीर्वाद

वैशाख अमावस्या के दिन दान करना फलदायी साबित होता है। मंदिर या गरीब लोगों में अन्न और धन समेत आदि चीजों का दान करने से जातक को पितरों का आशीर्वाद मिलता है। साथ ही शुभ फल की प्राप्ति होती है।

नहीं होगी किसी चीज की कमी

धार्मिक मान्यता के अनुसार, पीपल के पेड़ में पितरों का वास माना जाता है। ऐसे में वैशाख अमावस्या के दिन संध्याकाल में पीपल के पेड़ के पास तेल का दीपक जलाएं और पूजा अर्चना करें। इस दौरान जीवन सुख-शांति की प्राप्ति के लिए प्रार्थना करें। ऐसा माना जाता है कि इस उपाय को करने से जीवन में किसी भी चीज की कमी नहीं होती है और धन लाभ के योग बनते हैं।

जीवन में सभी मिलेंगे सुख

वैशाख अमावस्या के दिन चावल, चीनी, दही और दूध समेत आदि चीजों का दान करना चाहिए। ऐसा माना जाता है कि इन चीजों का दान करने से व्यक्ति की कुंडली में चंद्रमा की स्थिति मजबूत होती है और जीवन में सभी सुख मिलते हैं।

वैशाख अमावस्या पर किन राशियों के सपने होंगे पूरे, करियर में मिलेगी सफलता

अमावस्या तिथि पर पवित्र नदी में स्नान और दान करने का धार्मिक महत्व माना गया है। इसी के साथ अमावस्या तिथि पितरों के निमित्त तर्पण और पिंडदान करने के लिए भी उत्तम है। वैशाख अमावस्या पर सर्वार्थ सिद्धि योग योग और सौभाग्य योग जैसे शुभ योग बन रहे हैं।

पूरी होगी हर इच्छा

वैशाख अमावस्या पर मेष राशि के जातकों को विशेष लाभ मिलने वाला है। करियर में आपको अच्छे परिणाम देखने को मिलेंगे, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति में भी सुधार होगा। इस दिन पर आपको को इच्छा भी पूरी हो सकती है, जिसका आप काफी समय से इंतजार कर रहे हैं। वहीं जो जातक नई नौकरी की तलाश में हैं, उनके लिए यह अवसर अच्छा है, आपको मनचाही नौकरी मिल सकती है।

करियर में मिलेगा लाभ

वैशाख अमावस्या पर तुला राशि के लोगों को करियर में लाभ मिल सकता है। कार्यस्थल में आप अच्छा प्रदर्शन करेंगे, जिससे आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। साथ ही आपको कोई शुभ समाचार भी मिल सकता है। दांपत्य जीवन में प्रेम बढ़ेगा और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से मुक्ति मिलेगी। आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी। कुला मिलाकर यह समय आपकी राशि के लिए अच्छा रहने वाला है।

सेहत में होगा सुधार

मकर राशि के जातकों को भी जीवन में काफी लाभ देखने को मिलने वाला है। आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर होगी। व्यापार में भी लाभ के योग बनेंगे, जिससे धन से जुड़ी समस्याओं से राहत मिल सकती है। आप किसी धार्मिक यात्रा का प्लान बना सकते हैं, जिससे मन में शांति और ऊर्जा का अनुभव होगा। मकर राशि के जातकों को अपनी सेहत के साथ-साथ परिवार के लोगों की सेहत में भी सुधार देखने को मिलेगा।

सपने में पितरों को देखने से चमक सकती है किस्मत, मिलते हैं ये संकेत

वैदिक पंचांग के अनुसार, इस बार 27 अप्रैल को वैशाख अमावस्या का पर्व मनाया जाएगा। इस दिन भगवान विष्णु और पितरों की पूजा-अर्चना करने का विशेष महत्व है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, पितरों का तर्पण और पिंडदान करने से पूर्वजों को मोक्ष की प्राप्ति होती है। साथ ही पूर्वजों की कृपा से व्यक्ति का जीवन सदैव खुशहाल रहता है।

स्वप्न शास्त्र के अनुसार, अमावस्या तिथि पर सपने में पितरों को देखने से कई तरह के संकेत मिलते हैं। क्या लेकिन क्या आपने भी सपने में पितरों को देखा है और उस सपने का अर्थ पता है? अगर नहीं पता, तो ऐसे में आइए हम आपको बताएंगे पितरों को सपने में देखने से मिलने वाले संकेतों के बारे में।

मिलते हैं ये संकेत

स्वप्न शास्त्र के अनुसार, वैशाख अमावस्या के दिन सपने में पितरों को देखना शुभ सपना माना गया है। ऐसा माना जाता है कि सपने में पितरों को देखने से व्यक्ति की सभी मुरादें जल्द पूरी हो सकती हैं और पितरों के प्रसन्न होने के संकेत मिलते हैं। स्वप्न शास्त्र के अनुसार, अगर आप बार-बार अमावस्या तिथि पर सपने में पितरों को देख रहे हैं, तो इस अपने सपने का अर्थ यह है कि पितरों की कोई इच्छा अधूरी रह गई है, जिसकी वजह से वह आपको बार-बार दर्शन दे रहे हैं, ऐसे में पितरों को प्रसन्न करने के लिए वैशाख अमावस्या के दिन विशेष चीजों का दान करें।

इसके अलावा अगर आपने में सपने में पितरों को घर आते हुए देखा है, तो इस सपने को शुभ माना जाता है। स्वप्न शास्त्र के अनुसार, इस सपने को देखने से व्यक्ति के जीवन में खुशियों के आगमन के संकेत मिलते हैं। रुका हुआ पैसा आपको जल्द मिल सकता है।

अगर आपने अमावस्या के दिन पितरों को गुस्से में देखा है। स्वप्न शास्त्र के अनुसार, इस तरह के सपने को देखना अशुभ माना जाता है, तो ऐसे में पितरों को प्रसन्न करने के लिए अमावस्या के दिन पूजा करने के बाद गरीबों को भोजन करवाएं। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस उपाय को करने से सुख-समृद्धि में वृद्धि होती है।

धर्मेंद्र ने पुरानी यादें की ताजा, शेयर की बारिश में पालतू डॉग संग पहाड़ों में घूमने की तस्वीर

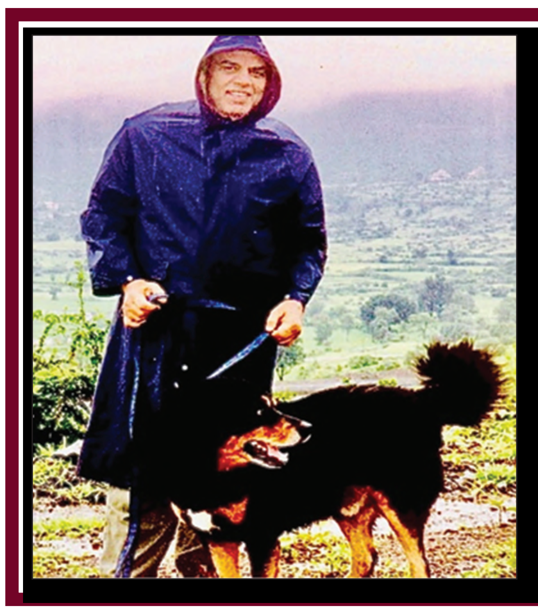

बॉलीवुड के 'ही मैन' धर्मेंद्र सोशल मीडिया पर एक्टिव रहते हैं और अपनी जिंदगी से जुड़ी खास यादों को फैंस के साथ शेयर करते रहते हैं। इस कड़ी में उन्होंने पुरानी यादों से जुड़ी एक यादगार तस्वीर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर शेयर की, जिसमें वह बारिश में अपने पालतू डॉग के साथ पहाड़ों पर घूमते नजर आ रहे हैं।

फोटो में धर्मेंद्र ने रेनकोट पहना हुआ है और पहाड़ों पर बारिश का लुत्फ उठा रहे हैं। वह कैमरे की ओर हंसते हुए पोज दे रहे हैं। इस फोटो में उनका प्यारा पालतू डॉग भी नजर आ रहा है। इस तस्वीर को शेयर करते हुए एक्टर ने कैप्शन में लिखा- मेरी शानदार यादें, बारिश में अपने प्यारे डॉग के साथ पहाड़ियों पर घूमना। इसके अलावा, उन्होंने एक और पोस्ट शेयर किया। एक्टर ने अपने दूसरे पोस्ट में पहलगाम में हुए आतंकी हमले की निंदा की और लिखा- ''मैं इस अमानवीय घटना की निंदा करता हूं, मेरा दिल पहलगाम में हुई क्रूरता के लिए रो रहा है। मैं पूरी दुनिया में शांति, प्रेम और मानवता के लिए प्रार्थना करता हूं।''

एक्टर के करियर की बात करें तो, धर्मेंद्र ने फिल्म 'दिल भी तेरा हम भी तेरे' से साल 1960 में डेब्यू किया था, लेकिन पहचान उन्हें साल 1964 में आई फिल्म 'आई मिलन की बेला' से मिली। इस फिल्म में उन्होंने खलनायक की भूमिका निभाई थी। बतौर हीरो उन्होंने कई फिल्मों में काम किया, जो हिट रही। इनमें 'चुपके चुपके', 'शोले', 'जुआरी', 'जुगनू', 'एक महल हो सपनों का', 'कर्तव्य', 'आजाद', 'ड्रीम गर्ल', 'द बर्निंग ट्रेन', 'झूठा सच', 'सीता और गीता', 'यमला पगला दिवाना', 'अपने','जुल्म-ओ-सितम', 'धर्म कर्म', 'तहलका', 'फरिश्ते', 'अंधा कानून', 'चुनौती', 'प्रतिज्ञा' जैसी कई फिल्में शामिल हैं। एक्टर को पिछली बार बड़े पर्दे पर शाहिद कपूर और कृति सेनन की फिल्म 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' में देखा गया था। यह फिल्म 9 फरवरी 2024 को रिलीज हुई थी।

अजय देवगन की ऑनस्क्रीन बेटी के बच्चे पर प्यार लुटाती दिखीं काजोल, गोद में लेकर किया लाड

बॉलीवुड एक्ट्रेस काजोल की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही हैं, जिसमें वह अजय देवगन की ऑनस्क्रीन बेटी के बच्चे को खिलाती नजर आ रही हैं। इन फोटोज को एक्ट्रेस ने खुद अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है। उनकी इस फोटो को फैंस काफी पसंद कर रहे हैं।

इंस्टाग्राम पर शेयर की गई फोटो में काजोल एक क्यूट से बच्चे के साथ खेलती दिख रही हैं। न सिर्फ काजोल के चेहरे पर हंसी है, बल्कि बच्चा भी मुस्कुरा रहा है। दोनों को एक-दूसरे की कंपनी काफी अच्छी लग रही है। अब सवाल ये है कि ये बच्चा है कौन? दरअसल, यह बच्चा एक्ट्रेस इशिता दत्ता का है, जिन्होंने फिल्म दृश्यम और दृश्यम 2 में अजय देवगन की बेटी का किरदार निभाया था। ये तस्वीर भी 2024 के दुर्गा पूजा की है।

इशिता दत्ता तनुश्री दत्ता की बहन हैं। उन्होंने ब्लैंक, सेट्टर्स और 'फिरंगी' जैसी फिल्मों में काम किया है। एक्ट्रेस ने एक्टर वत्सल सेठ से नवंबर 2017 में शादी की थी और जुलाई 2023 में पहले बच्चे को जन्म दिया।

अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में काजोल ने तीन तस्वीरों के साथ लिखा, मन किया आज एक हैप्पी बेबी तस्वीर साझा करूं। काजोल की इस पोस्ट पर एक्ट्रेस रिचा चड्ढा ने भी रिएक्ट किया। उन्होंने एक रिक्वेस्ट भी की। लिखा- क्या मैं अपनी वाली भेज दूं। इस पर काजोल ने तुरंत हंसके इमोजी के साथ कहा- हां, जरूर।

इशिता दत्ता के पति वत्सल सेठ ने भी इन तस्वीरों पर रिस्पॉन्ड किया। उन्होंने लिखा वायु अपनी पसंदीदा शख्सियत के साथ।काजोल के वर्कफ्रंट पर नजर डालें तो आखिरी बार वो स्क्रीन पर दो पत्ती में दिखी थीं। इस फिल्म में उनके अलावा एक्टर शहीर शेख और कृति सेनन लीड रोल में दिखाई दिए। फिल्म में काजोल ने पुलिस इंस्पेक्टर विद्या ज्योति का किरदार निभाया था। वह जल्द ही हॉरर फिल्म मां में नजर आएंगी। यह फिल्म 27 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसके अलावा, उनके पास निर्देशक कायोज ईरानी की फिल्म सरजमीन, चरण तेज उप्पलपति की 'महाराग्नि- क्वीन ऑफ क्वींस' भी है।

करिश्मा तन्ना ने अपने फेस एक्सप्रेशन से कहर ढाया

मशहूर एक्ट्रेस करिश्मा तन्ना अपनी खूबसूरती को लेकर हमेशा लाइमलाइट में रहती हैं। वह सोशल मीडिया पर अपनी फोटोज शेयर करती रहती हैं। एक बार फिर उन्होंने इंस्टाग्राम पर फोटोज शेयर कर फैंस का ध्यान अपनी ओर खींचा। इंस्टाग्राम पर शेयर की गई फोटोज में करिश्मा डेनिम जींस और वाइट टॉप में नजर आ रही हैं। वह सभी फोटोज में बैठे हुए शानदार पोज दे रही हैं और अपने फेस एक्सप्रेशन से कहर ढा रही हैं। एक्ट्रेस की यह फोटोज अब इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रही हैं। लोग उनकी इन तस्वीरों को काफी पसंद कर रहे हैं और जमकर कमेंट्स कर रहे हैं।

एक यूजर ने लिखा- लवली, दूसरे यूजर ने कमेंट में लिखा- उफ्फ! तुम्हारी मदहोश आंखें, एक अन्य यूजर ने लिखा- नेचुरल ब्यूटी

एक्ट्रेस के बारे में बात करें तो करिश्मा तन्ना छोटे पर्दे से लेकर बड़े पर्दे तक अपनी एक्टिंग का लोहा मनवा चुकी हैं। उन्होंने 2001 में टीवी शो 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' से अपने करियर की शुरुआत की। वह 'बाल वीर, नागिन 3, कयामत की रात जैसी टीवी सीरियल्स में नजर आ चुकी हैं। उन्होंने कई फिल्में भी की हैं, जिसमें दोस्ती: फ्रेंड्स फॉरएवर, ग्रैंड मस्ती, संजू जैसी फिल्में शामिल हैं। इसके अलावा, वह ओटीटी में भी किस्मत आजमा चुकी हैं। उन्होंने वेब सीरीज करले तू भी मोहब्बत और स्कूप में भी काम किया है।

वह रियलिटी शो बिग बॉस 7 की रनर-अप रहीं। उन्होंने झलक दिखला जा और खतरों के खिलाड़ी जैसे रियलिटी शोज भी किए। वह खतरों के खिलाड़ी 10 की विजेता रही हैं। तन्ना अपने बेबाक अंदाज के लिए जानी जाती हैं। साल 2022 में उन्होंने अपने बॉयफ्रेंड वरुण बंगेरा से शादी की। वरुण बंगेरा एक बिजनसमैन हैं और वीबी क्रॉप नाम की कंपनी के डायरेक्टर हैं। दोनों पहली बार कॉमन फ्रेंड सुवेद लोहिया की पार्टी में मिले थे। तकरीबन दो साल तक डेट करने के बाद दोनों 5 फरवरी 2022 को शादी के बंधन में बंध गए।

सैफ अली खान की ज्वेल थीफ के सीक्वल का ऐलान

अभिनेता सैफ अली खान पिछले लंबे समय से फिल्म ज्वेल थीफ: द हीस्ट बिगिन्स को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं। उनकी यह फिल्म आज यानी 25 अप्रैल को ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर दस्तक दे चुकी है।सैफ के साथ इस फिल्म में जयदीप अहलावत भी मुख्य भूमिका में नजर आ रहे हैं। फिल्म की कहानी और सैफ-जयदीप को दर्शकों की तरफ से हरी झंडी मिली है।अब निर्माताओं ने ज्वेल थीफ के सीक्वल का ऐलान कर दिया है।ज्वेल थीफ के अंत में निर्माताओं ने फिल्म की दूसरी किस्त की घोषणा कर दी है। फिल्म के सीक्वल का नाम ज्वेल थीफ: द हीस्ट कंटीन्यूज रखा गया है।पहले भाग की तरह दूसरे भाग में भी सैफ का सामना रणदीप से होगा। रिपोर्ट्स की मानें तो दोनों अपने-अपने किरदारों को दोहराते हुए नजर आएंगे।गौरतलब है कि ज्वेल थीफ: द हीस्ट कंटीन्यूज भी नेटफ्लिक्स पर ही रिलीज होगी। फिलहाल इसकी रिलीज तारीख सामने नहीं आई है।सैफ और रणदीप के अलावा फिल्म ज्वेल थीफ में कुणाल कपूर और निकिता दत्ता जैसे सितारों ने भी अपनी अदाकारी का तड़का लगाया है।फिल्म में सैफ ने रेहान रॉय की भूमिका निभाई है, जो एक चोर है।इस फिल्म के निर्देशन की कमान कुकी गुलाटी और रॉबी ग्रेवाल ने संभाली है, वहीं सिद्धार्थ आनंद फिल्म के निर्माता हैं।दूसरे भाग का निर्देशन भी गुलाटी और ग्रेवाल ही करने वाले हैं। फिल्म के निर्माता भी सिद्धार्थ ही होंगे।

न्यू बिगनिंग की झलक के साथ जान्हवी कपूर ने शेयर की दिल छू लेने वाली तस्वीर

बॉलीवुड एक्ट्रेस जान्हवी कपूर ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ बेहद प्यारी तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें वह एक सफेद फर वाले डॉगी के साथ खेलती नजर आ रही हैं। व्हाइट शर्ट में कैजुअल और ग्लोइंग लुक में जान्हवी का यह अंदाज़ सोशल मीडिया पर फैंस का दिल जीत रहा है। इन तस्वीरों के साथ जान्हवी ने कैप्शन में लिखा - नई शुरुआत के लिए उत्साहित प्यारज-ोरहताहै प्त लवआदि। इन फोटोज़ में जान्हवी जिस तरह से अपने डॉगी के साथ हंसते हुए नजर आ रही हैं, वह उनके नेचर और एनर्जी को साफ़ बयां करता है।जैसे ही तस्वीरें सामने आईं, सोशल मीडिया पर फैन्स की प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई। एक यूज़र ने कमेंट किया - सफ़ेद प्यारी तो वहीं दूसरे ने लिखा - सुंदर। एक अन्य फैन ने कमेंट किया - रानी हो आप जान्हवी। इस पोस्ट को शनाया कपूर समेत कई बॉलीवुड फ्रेंड्स ने लाइक किया है, और फैंस लगातार कमेंट्स में हार्ट और फायर इमोजी से भर रहे हैं। जान्हवी की ये तस्वीरें न केवल उनकी खूबसूरती को दर्शाती हैं, बल्कि यह भी दिखाती हैं कि वह जानवरों के प्रति कितनी प्यार भरी और संवेदनशील हैं।जान्हवी कपूर की यह पोस्ट एक बार फिर साबित करती है कि क्यों वह सोशल मीडिया पर सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली यंग एक्ट्रेसेस में से एक हैं।

सुनील शेट्टी केसरी वीर: लीजेंड्स ऑफ सोमनाथ के पोस्टर में निडर योद्धा वेगड़ा जी के रूप में नजर आए

सुनील शेट्टी, विवेक ओबेरॉय और सूरज पंचोली अभिनीत केसरी वीर: लीजेंड्स ऑफ सोमनाथ इस साल की सबसे बहुप्रतीक्षित पीरियड फिल्मों में से एक है। जैसे-जैसे इस भव्य फिल्म को लेकर उत्साह बढ़ रहा है, मेकर्स ने फिल्म का एक दमदार नया पोस्टर रिलीज़ किया है, जिसमें सुनील शेट्टी को निडर योद्धा वेगड़ा जी के रूप में दिखाया गया है। खून से सनी कुल्हाड़ी और एक रफ वॉरियर लुक में, सुनील का गहन एक्सप्रेशन जबरदस्त प्रभाव छोड़ता है। यह दृश्य एक ऊर्जावान युद्धभूमि को दर्शाता है, जहाँ योद्धा मैदान में फैले हुए हैं और पीछे गुजरात का प्रतिष्ठित सोमनाथ मंदिर नजर आ रहा है। सुनील शेट्टी की परतदार और तीव्र भूमिका को एक शक्तिशाली बैकग्राउंड स्कोर और भी ऊंचाइयों पर ले जाता है, जो पवित्र मंदिर की रक्षा के लिए एक महायुद्ध का मंच तैयार करता है। जहाँ वे अपराजेय योद्धा वेगड़ा जी की भूमिका निभा रहे हैं, वहीं सूरज पंचोली एक अनसुने नायक और युवा राजपूत राजकुमार वीर हमीरजी गोहिल के किरदार में नजर आएंगे।

विवेक ओबेरॉय खलनायक जफ़र की भूमिका में दिखेंगे, जबकि डेब्यू कर रहीं आकांक्षा शर्मा, सूरज के किरदार के साथ एक रोमांटिक ट्रैक के ज़रिए कहानी में भावनात्मक रंग भरेंगी। सुनील शेट्टी, विवेक ओबेरॉय, सूरज पंचोली और आकांक्षा शर्मा के नेतृत्व में सजी इस दमदार स्टारकास्ट वाली फिल्म केसरी वीर का निर्माण कानू चौहान ने चौहान स्टूडियोज के बैनर तले किया है। पैनोरमा स्टूडियोज की यह वर्ल्डवाइड रिलीज़ एक ऐसा जबरदस्त मेल है-एक्शन, भावना और ड्रामा का-जो 16 मई 2025 को दुनियाभर के दर्शकों को रोमांचित करने आ रही है।

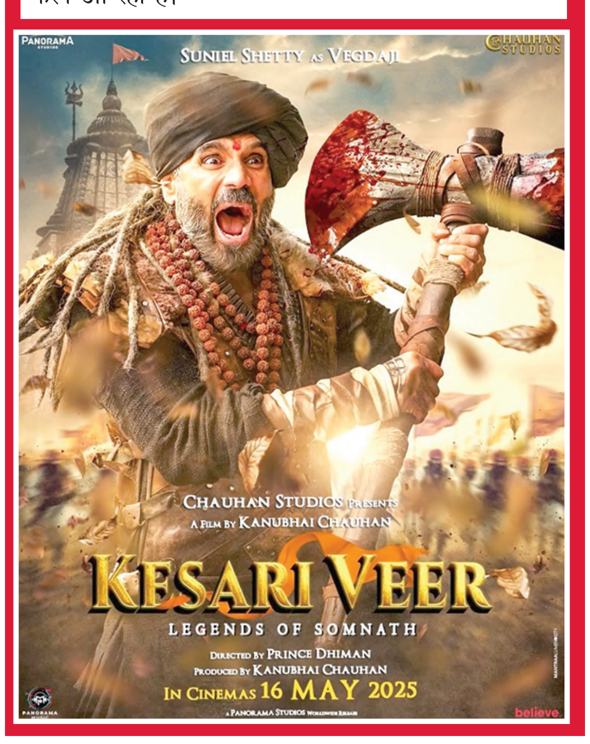

अंतरराष्ट्रीय थ्रिलर व्हाइट में श्री-श्री रविशंकर की भूमिका में नजर आएंगे अभिनेता विक्रांत मैसी

पठान, वॉर और फाइटर जैसी फिल्मों के लिए मशहूर फिल्म निर्माता सिद्धार्थ आनंद अपनी प्रोडक्शन कंपनी मार्फ्लिक्स पिक्चर्स के तहत और ऊंचाई व नागजिला जैसी फिल्मों के निर्माता महावीर जैन की महावीर जैन फिल्म्स के साथ मिलकर अपनी अगली महत्वाकांक्षी फिल्म की घोषणा की एक अंतरराष्ट्रीय प्रोजेक्ट जिसका नाम है व्हाइट। व्हाइट एक बेहद रोमांचक वैश्विक थ्रिलर है, जिसमें बहुमुखी अभिनेता विक्रांत मैसी प्रसिद्ध आध्यात्मिक गुरु और मानवतावादी गुरुदेव श्री श्री रविशंकर की भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म की तैयारी कोलंबिया में चल रही है और इसकी शूटिंग जुलाई से शुरू होने की योजना है। यह फिल्म एक प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय टीम को एक साथ लाकर उस प्रेरणादायक कहानी को पर्दे पर लाएगी कि कैसे कोलंबिया के 52 साल लंबे क्रूर गृहयुद्ध का अंत हुआ। एक ऐसा अध्याय जो आज भी दुनियाभर में बहुत कम जाना जाता है।

विक्रांत मैसी के इस प्रोजेक्ट से जुड़ने की अटकलें तब शुरू हुईं जब उन्हें लंबे बालों और शारीरिक बदलावों के साथ देखा गया जो उनके एक गहन आध्यात्मिक किरदार की तैयारी का संकेत दे रहे थे। 12वीं फेल और द साबरमती रिपोर्ट जैसी फिल्मों में शानदार अभिनय के लिए प्रशंसा पा चुके विक्रांत मैसी लगातार अपने ट्रांसफॉर्मेशन से दर्शकों को प्रभावित कर रहे हैं।

व्हाइट का निर्देशन प्रसिद्ध ऐड फिल्ममेकर मोंटू बासी कर रहे हैं और इसका सह-निर्माण पीसक्राफ्ट पिक्चर्स के साथ-साथ सिद्धार्थ आनंद और महावीर जैन कर रहे हैं। सिद्धार्थ आनंद की व्हाइट इस बात पर प्रकाश डालने का प्रयास करती है कि कैसे प्राचीन भारतीय ज्ञान ने इतिहास के सबसे लंबे समय तक चलने वाले संघर्षों में से एक को हल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सिनेमा और कहानी कहने की कला में माहिर क्रिएटर्स की इस टीम के साथ, व्हाइट भारत की ओर से एक ऐतिहासिक अंतरराष्ट्रीय प्रोजेक्ट बनने जा रही है- जो शांति और मानवता की एक अनकही कहानी को वैश्विक मंच पर लाने का कार्य करेगी।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आपका कोई पड़ोसी आज आपसे धन उधार मांगने आ सकता है, आपको सलाह दी जाती है कि उधार देने से पहले उनकी विश्वसनीयता अवश्य जांच लें नहीं तो धन हानि हो सकती है। तल्ख़ बर्ताव के बावजूद आपको जीवन–साथी का सहयोग मिलेगा। आप आज प्यार की मनोदशा में होंगे– और आपके लिए काफ़ी मौक़े भी होंगे। आपकी कड़ी मेहनत और निष्ठा ख़ुद आपके लिए बोलेगी व दूसरों का विश्वास और सहयोग आपको हासिल होगा। कोई आध्यात्मिक गुरू या बड़ा आपकी सहायता कर सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज इस राशि के कुछ बेरोजगार लोगों को नौकरी मिल सकती है जिससे उनकी आर्थिक स्थिति सुधरेगी। दोपहर के बाद किसी पुराने दोस्त से मुलाक़ात दिन को ख़ूबसूरत बना देगी। आप अपने सुनहरे दिनों को याद करके पुरानी यादों में डूब जाएंगे। प्रेमी एक–दूसरे की पारिवारिक भावनाओं को समझें–गे। आपके कठिन परिश्रम को पुरस्कार मिलेगा, क्योंकि आपकी पदोन्नति हो सकती है। आर्थिक लाभ के बारे में न सोचें, क्योंकि आगे चलकर आपको इससे बहुत फ़ायदा होगा। पढ़ाई के लिए यही समय सबसे सही है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आपका बचाया धन आज आपके काम आ सकता लेकिन इसके साथ ही इसके जाने का आपको दुख भी होगा। बच्चों की उनसे जुड़े मामलों में मदद करना आवश्यक है। आपको प्यार में ग़म का सामना करना पड़ सकता है। अगर आप अपना ज्ञान और अनुभव औरों के साथ बाटेंगे, तो निश्चय ही आपको प्रतिष्ठा मिलेगी। कोई रोचक मैगजीन या उपन्यास पढ़ के आजके दिन को आप अच्छी तरह से व्यतीत कर सकते हैं। अपने जीवनसाथी से बात करें और कुछ मस्तीभरी योजना बनाएँ।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

दिन फ़ायदेमन्द साबित होगा और आप किसी पुरानी बीमारी में काफ़ी आराम महसूस करेंगे। आज आप काफ़ी पैसे बना सकते हैं– लेकिन इसे अपने हाथों से फिसलने न दें। आज आपको अपने होशियारी और प्रभाव का उपयोग संवेदनशील घरेलू मुद्दों को हल करने के लिए करना चाहिए। प्यार एक ऐसा जज़्बा है जिसे न सिर्फ़ महसूस किया जाना चाहिए, बल्कि अपने प्रिय के साथ बांटना भी चाहिए। काम पर लोगों के साथ मेलजोल में समझ और धैर्य से सावधानी बरतें। यह ऐसा दिन है जब आप खुद को समय देने की कोशिश करते रहेंगे लेकिन आपको अपने लिए समय नहीं मिल पाएगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

अपने धन का संचय कैसे करना है यह हुनर आज आप सीख सकते हैं और इस हुनर को सीख कर आप अपना धन बचा सकते हैं। संबंधी आपके उदार स्वभाव का ग़लत फ़ायदा उठाने की कोशिश करेंगे। चौकन्ने रहें, नहीं तो बाद में आप ठगा हुआ महसूस करेंगे। उदारता एक हत तक ही ठीक है, लेकिन अगर यह अपना दायरा पार कर ले तो परेशानी बन जाती है। आज आपके पास अपनी धनार्जन की क्षमता को बढ़ाने के लिए ताक़त और समझ दोनों ही होंगे। रात को ऑफिस से घर आते वक्त आज आपको सावधानी से वाहन चलाना चाहिए।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आप ऊर्जा से लबरेज़ होंगे– आप जो भी करेंगे उसे आप उससे आधे वक़्त में ही कर देंगे, जितना वक़्त आप अक्सर लेते हैं। आज घर से बाहर बड़ों का आशीर्वाद लेकर निकलें इससे आपको धन लाभ हो सकता है। आपको बच्चों या ख़ुद से कम अनुभवी लोगों के साथ धैर्य से काम लेने की ज़रूरत है। रुमानी यादें आज आपके ऊपर छायी रहेंगी। कुछ लोगों को कार्यक्षेत्र में तरक़्क़ी मिलेगी। कार–ोबारी आज करोबार से ज्यादा अपने परिवार के लोगों के बीच समय बिताना पसंद करेंगे। इससे आपके परिवार में सामंजस्य बनेगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

यदि आप किसी से उधार वापस मांग रहे थे और अब तक वो आपकी बात को टाल रहा था तो आज बिना बोले ही वो आपको पैसा लौटा सकता है। दोस्तों के साथ कुछ दिलचस्प और रोमांचक समय बिताने के लिए अच्छा समय है। दिन को ख़ास बनाने के लिए स्नेह और उदारता के छोटे–छोटे तोहफ़े लोगों को दें। नयी साझीदारी आज के दिन फलदायी रहेगी। परिवार की जरुरतों को पूरा करते–करते आप कई बार खुद को वक्त देना भूल जाते हैं। लेकिन आज आप सबसे दूर होकर अपने आप के लिए वक्त निकाल पाएंगे।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आप पैसा बना सकते हैं, बशर्ते आप अपनी जमा–पूंजी पारम्परिक तौर पर निवेश करें। घर पर मेहमानों का आना दिन को बढ़िया और ख़ुशगवार बना देगा। बेवजह का शक रिश्तों को खराब करने का काम करता है। आपको भी अपने प्रेमी पर शक नहीं करना चाहिए। यदि किसी बात को लेकर आपके मन में उनके प्रति संशय है तो उनके साथ बैठकर हल निकालने की कोशिश करें। इस राशि के कारोबारी आज किसी करीबी की गलत सलाह के कारण परेशानी में आ सकते हैं। जॉब करने वाले जातकों को आज कार्यक्षेत्र में सोच–समझकर चलने की जरुरत है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

जल्दबाज़ी में फ़ैसले न लें– ख़ासतौर पर अहम आर्थिक सौदों में मोलभाव करते वक़्त। कुछ समय आप अपने शौक़ और अपने परिवार वालों की मदद में भी ख़र्च कर सकते हैं। आपके प्रिय/जीवनसाथी का फ़ोन आपका दिन बना देगा। अगर आप कामकाज के लिए ज़रूरत से ज़्यादा दबाव बनाएंगे तो लोग भड़क सकते हैं – कोई भी फ़ैसला लेने से पहले दूसरों की ज़रूरतों को समझने की कोशिश करें। लोगों के साथ बात करने में आज आप अपना बहुमूल्य समय बर्बाद कर सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आपके घर वाले आपकी कोशिशों और समर्पण को सराहेंगे। आपका प्यार न सिर्फ़ परवान चढ़ेगा, बल्कि नई ऊँचाइयों को भी छूएगा। दिन की शुरुआत प्रिय की मुस्कान से होगी और रात उसके सपनों में ढलेगी। आज के दिन आप सबके ध्यान का केंद्र होंगे और सफलता आपकी पहुँच में होगी। आज के समय में अपने लिए वक्त निकाल पाना बहुत मुश्किल है। लेकिन आज ऐसा दिन है जब आपके पास अपने लिए भरपूर समय होगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आप अपने घर के वरिष्ठ जनों से पैसे की बचत करने को लेकर कोई सलाह ले सकते हैं और उस सलाह को जिंदगी में जगह भी दे सकते हैं. कोई चिट्ठी या ई–मेल पूरे परिवार के लिए अच्छी ख़बर लाएगी। रोमांस को झटका लगेगा और आपके क़ीमती तोहफ़े भी आज जादू चलाने में विफल रहेंगे। अगर आज आपका रुख़ विनम्र और सहयोगी है, तो आपको अपने साझीदारों से बहुत सकारात्मक प्रतिक्रिया मिलेगी। आज किसी सहकर्मी के साथ आप शाम का वक्त बिता सकते हैं ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

रात के समय आप आज आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है क्योंकि आपके द्वारा दिया गया धन आज आपको वापस मिल सकता है। गृह–प्रवेश के लिए शुभ दिन है। जो लोग प्रेम के संगीत में डूबे हुए हैं, वही इसकी स्वर–लहरियों का आनन्द ले सकते हैं। आज के दिन आप भी उस संगीत को सुन सकेंगे, जो दुनिया के बाक़ी सभी गीतों को भुलवा देगा। आपको अपनी प्रतिभा दिखाने का अच्छा मौक़ा मिलेगा। इस राशि के जातक आज के दिन अपने भा–ई–बहनों के साथ घूमने का प्लान कर सकते हैं ।

आज का पंचांग

दिनांक : 27 अप्रैल 2025 , रविवार
विक्रम संवत : 2082
मास : वैशाख ,कृष्ण पक्ष
तिथि : अमावस्या रात्रि 01:03 तक
नक्षत्र : अश्विनी रात्रि 12:39 तक
योग : प्रीति रात्रि 12:18 तक
करण : चतुष्पाद दोपहर 02:58 तक
चन्द्रराशि : मेष
सूर्योदय : 05:52 , सूर्यास्त 06:35 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:00 , सूर्यास्त 06:34 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:52 , सूर्यास्त 06:27 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:44 , सूर्यास्त 06:25 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : देव पितृ कार्य अमावस्या, भरणी में रवि रात्रि 07:11 से , गण्डमूल रात्रि 12:39 तक , श्रीशुकदेव जयंती

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

14 सेक्टर्स के माध्यम से तैयार हुआ विकसित राजस्थान-2047 का रोडमैप : भजनलाल

जयपुर,26 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य की प्राप्ति में विकसित राजस्थान का अहम योगदान है। उन्होंने कहा कि प्रदेश को वर्ष 2047 तक विकसित बनाने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। इस लक्ष्य की प्राप्ति में राज्य सरकार के साथ ही 8 करोड़ प्रदेशवासियों की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि राज्य का प्रत्येक नागरिक समर्पण भावना के साथ प्रदेश को विकास के पथ पर अग्रसर करने के लिए अपना योगदान देगा तभी हम इस लक्ष्य तक पहुंच पाएंगे।

शर्मा शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास पर विकसित राजस्थान-2047 के लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु तैयार विजन डॉक्यूमेंट को लेकर बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विकसित राजस्थान का लक्ष्य हासिल करने के लिए हमें भौतिक विकास कार्यों की प्राथमिकता तय करते हुए लक्ष्य तय करने होंगे। इसके लिए कार्ययोजना बनाते समय हमें भविष्य की आवश्यकताओं तथा जनसंख्या वृद्धि एवं संसाधनों को ध्यान में रखना होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस के अपने उद्बोधन में 'विकसित भारत-2047' का विजन पेश किया था। इसके चार प्रमुख संकल्पों के परिपेक्ष्य में विकसित राजस्थान-2047 हेतु विजन डॉक्यूमेंट तैयार करने, उसकी प्रगति एवं निगरानी हेतु मुख्य सचिव की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय स्टीयरिंग कमेटी का गठन किया गया है। उन्होंने कहा कि विकसित राजस्थान-2047 का रोडमैप तैयार करते हुए राज्य के प्रमुख 45 विभागों को 14 सेक्टर्स में बांटा गया है। सभी विभागों के समन्वय से तैयार विजन डॉक्यूमेंट पर नीति आयोग से सुझाव प्राप्त करने के बाद प्रदेश के विकास का यह दस्तावेज तैयार किया गया है।

शर्मा ने कहा कि हमने राज्य बजट 2024-25 के दौरान 10 संकल्प पेश किए थे। इन्हीं संकल्पों को आधार बनाते हुए विकसित राजस्थान की रूपरेखा तैयार की गई है। इस हेतु विकास की चार थीम के आधार पर विभिन्न विभागों के प्रमुख लक्ष्य तय किए गए हैं।

उन्होंने कहा कि राज्य के आगामी बजट भी विकसित राजस्थान की संकल्पना का दर्पण होंगे। श्री शर्मा ने कहा कि हमें वर्ष 2047 के लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु प्राथमिकता तय करते हुए चरणबद्ध रूप से विकास के पथ पर आगे बढ़ना है। इसके लिए सर्वप्रथम वर्ष 2030 तक के विकास का रोडमैप तैयार करते हुए हमें मजबूती से कदम बढ़ाने होंगे। उन्होंने कहा कि विजन डॉक्यूमेंट को सरल भाषा में तैयार कर आमजन तक पहुंचाएं तथा उनके अमूल्य सुझाव प्राप्त कर उन्हें इस डॉक्यूमेंट में शामिल करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें प्रदेश की समग्र विकास यात्रा में संतुलन बनाकर चलना आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि शहरी और ग्रामीण क्षेत्र के विकास के असंतुलन को दूर करते हुए हमें ग्रामीण क्षेत्र में शिक्षा, पानी, बिजली, सड़क, स्वास्थ्य, रोजगार जैसी प्रमुख आवश्यकताओं की पूर्ति करनी है जिससे ग्रामीण आबादी का शहरों की ओर पलायन रूके तथा शहरों पर बढ़ता दबाव कम हो।

राइजिंग राजस्थान की दिखने लगी चमक

रीको ने दो माह में भूखंड बेचकर कमाए 650 करोड़

जयपुर,26 अप्रैल (एजेंसियां)। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इनवेस्टमेंट समिट-2024 के बाद राजस्थान में निवेश का जो सपना देखा गया था, अब वह जमीन पर उतरता नजर आ रहा है। राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं निवेश निगम (रीको) ने अपनी शानदार उपलब्धियों के क्रम में अप्रैल 2025 के ई-ऑक्शन कार्यक्रम में 300 करोड़ रुपए के 182 औद्योगिक भूखंडों का सफलतापूर्वक विक्रय किया है।

रीको चेयरमैन आईएएस अजिताभ शर्मा ने बताया कि सिर्फ दो माह के भीतर ही रीको ने 650 करोड़ रुपए के औद्योगिक भूखंड बेचकर निवेशकों के भरोसे और राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को नई ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया है। 7 अप्रैल 2025 से शुरू हुए ई-ऑक्शन में 197 भूखंडों के लिए 493 आवेदन प्राप्त हुए-यानी एक भूखंड के लिए औसतन दो से अधिक दावेदार। यह निवेशकों के विश्वास और रीको की पारदर्शी नीतियों का जीवंत प्रमाण है। अप्रैल माह के इस कार्यक्रम से रीको को करीब 300 करोड़ रुपए का राजस्व मिला है, जो भविष्य में राजस्थान की औद्योगिक प्रगति की नई इबारत लिखेगा। शर्मा ने बताया कि राइजिंग राजस्थान समिट के बाद राज्य सरकार ने 'प्रत्यक्ष भूमि आवंटन नीति-2025' लागू की थी। इस नीति के तहत 98 चिन्हित औद्योगिक क्षेत्रों में 98 भूखंडों के ऑफर लेटर पहले ही जारी किए जा चुके हैं। इसके जरिए रीको ने 350 करोड़ रुपए के भूखंड निवेशकों को आवंटित कर बड़ी उपलब्धि हासिल की है। शेष भूखंडों के आवंटन की प्रक्रिया भी तेज़ी से जारी है।

पाली, उदयपुर, नागौर, भीलवाड़ा, भरतपुर, बारां, कोटा, भिवाड़ी, जयपुर, नीमराणा, किशनगढ़, आबूरोड और अलवर जैसे क्षेत्रों में भी भूखंडों का आवंटन हुआ है। यह विकास अब केवल बड़े शहरों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि छोटे और मध्यम शहरों तक भी औद्योगिक क्रांति का संचार हो रहा है। रीको ने न केवल औद्योगिक बल्कि वाणिज्यिक और संस्थानिक भूखंडों के लिए भी निवेशकों को अवसर प्रदान किया है। हॉस्पिटल, होटल, शिक्षण संस्थान, रिटेल दुकानों जैसे विविध क्षेत्रों के लिए भी भूखंडों की योजना तैयार है।करीब 500 अतिरिक्त भूखंडों का ई-ऑक्शन जल्द शुरू होने जा रहा है, जो छोटे और मध्यम निवेशकों के लिए एक सुनहरा अवसर साबित होगा।

राष्ट्रीय पोषण पखवाड़ा में राजस्थान नंबर वन

जयपुर,26 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान को पोषण पखवाड़ा 2025 में प्रथम स्थान मिलने पर उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने आईसीडीएस के सभी अधिकारी -कर्मचारियों और प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। बता दें कि पोषण पखवाड़ा 2025 के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए राज्य ने राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया है। यह उपलब्धि राज्य सरकार आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं स्वास्थ्य कर्मियों तथा समाज के सभी जागरूक नागरिकों के संयुक्त प्रयासों का परिणाम है।उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी के प्रयास रंग लाए हैं।

गौरतलब है कि राष्ट्रीय पोषण पखवाड़ा के सम्बन्ध में 3 अप्रैल 2025 को बैठक आयोजित कर उपमुख्यमंत्री द्वारा आईसीडीएस (महिला एवं बाल विकास विभाग) के अधिकारियों को सकारात्मक प्रयासों के लिए निर्देश दिए गए थे। राज्य में बच्चों, किशोरियों, गर्भवती एवं धात्री महिलाओं के पोषण स्तर को सुधारने के लिए चलाए गए विभिन्न अभियानों, जैसे सुपोषण अभियान, जन जागरूकता रैलियाँ, तथा स्थानीय पोषण आहार को बढ़ावा देने जैसे नवाचारों ने इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

पहले स्थान पर रहें राजस्थान के 33 जिलों द्वारा इसबार 11860962 गतिविधियों की एंट्रीज की गई। जबकि दूसरे स्थान पर रहें छत्तीसगढ़ के 33 जिलों द्वारा 10951961 गतिविधियों की एंट्रीज की गई है। वहीं तीसरे स्थान पर रहें महाराष्ट्र के 36 जिलों द्वारा 6712236 गतिविधियों की एंट्रीज की गई है।इस बार राजस्थान के मुकाबले छत्तीसगढ़ 9 लाख एंट्रीज से पीछे छूट गया है।

हमारे लिए सत्ता सेवा का माध्यम, जनता की सेवा करते रहेंगे : मोहन लाल बड़ौली

सोनीपत,26 अप्रैल (एजेंसियां)। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि भाजपा के लिए सत्ता सेवा का माध्यम है। प्रदेश की नॉन स्टॉप सरकार में जनता सर्वोपरि है और हम जनता के सेवक हैं। जनता की सेवा हमारे लिए भगवान की सेवा जैसी है। प्रदेश अध्यक्ष बड़ौली ने शनिवार को सोनीपत स्थित भाजपा कार्यालय में कार्यकर्ताओं और आमजन की समस्याओं को सुनने के दौरान ये बात कही। इस मौके पर उन्होंने सभी का कुशलक्षेम पूछा। उनकी समस्याओं के समाधान के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि हमारे लिए राजनीति सत्ता सुख का नहीं, बल्कि जनता की सेवा का माध्यम है। भाजपा जो कहती है, उसे डंके की चोट पर करती है। पिछले 10 वर्षों में भाजपा ने जनता से जो वादे किए उन्हें पूरा किया। श्री बड़ौली ने कहा कि विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने जो वादे किए हैं, उन्हें इन 5 वर्षों में संकल्प के साथ पूरा किया जाएगा। पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि 2014 से पहले हरियाणा में पर्ची और खर्ची से युवाओं को नौकरियां मिलती थी। 2014 में भाजपा की सरकार बनने पर सिस्टम को पारदर्शी बनाया गया। अब युवाओं को बिना पर्ची और बिना खर्ची के नौकरियां देने का काम भाजपा सरकार कर रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी हर रोज जनहित में निर्णय लेकर प्रदेश के उत्थान के लिए कार्य कर रहे हैं। मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि नायब सरकार युवाओं, किसानों, महिलाओं और गरीबों के उत्थान के लिए योजनाएं बनाकर धरातल पर लागू कर रही है।

हरियाणा के आपदा पीड़ित किसानों को जल्द उचित मुआवजा दे सरकार : चौटाला

झज्जर,26 अप्रैल (एजेंसियां)। जननायक जनता पार्टी ने संगठन मजबूती पर फोकस करते हुए संगठन नवनिर्माण की प्रक्रिया में तेजी लाई है। जल्द ही जेजेपी मुख्य पदाधिकारियों और सभी जिलों में जिला अध्यक्षों की घोषणा करेगी। शनिवार को झज्जर में जेजेपी की एक प्रदेश स्तरीय बैठक हुई। इस बैठक में जेजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजय सिंह चौटाला, पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला सहित पार्टी के अनेक वरिष्ठ नेताओं ने संगठन नवनिर्माण के लिए बनाए सभी जिला प्रभारियों के साथ विस्तारपूर्वक चर्चा करके फीडबैक लिया। बैठक में जेजेपी ने पहलगाम आतंकी हमले की कड़ी निंदा की और केंद्र सरकार से आतंकवाद पर कड़ा प्रहार करने की मांग की। साथ ही जेजेपी ने हरियाणा में बरसात, ओलावृष्टि, आगजनी से पीड़ित किसानों को जल्द उचित मुआवजा देने की मांग राज्य सरकार से की।बैठक के बाद पत्रकारों से रूबरू होते हुए जेजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अजय सिंह चौटाला ने कहा कि जेजेपी अपने मेहनती साथियों को अहम जिम्मेदारियां सौंपेगी और नवनियुक्त पदाधिकारी फील्ड में उतरकर संगठन मजबूती के लिए काम करेंगे।

पहाड़ी वन क्षेत्र में अधिक से अधिक चैक डैम बनाएं : सैनी

चंडीगढ़,26 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने वन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे पहाड़ी वन क्षेत्र में अधिक से अधिक चैक डैम बनाएं ताकि बारिश के दिनों में पानी का संरक्षण हो सके। इसे जहां वन के पेड़ -पौधों की पानी की आवश्यकता पूरी होगी वहीं भूजल का स्तर भी सही बनाए रखने में सहायता मिलेगी। मुख्यमंत्री आज यहाँ सीएम अनाउंसमेंट से संबंधित परियोजनाओं की समीक्षा कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने आज गृह विभाग, राजस्व, पर्यावरण, वन एवं वन्य जीव विभाग, परिवहन समेत आधा दर्जन विभागों की परियोजनाओं की समीक्षा की, शेष विभागों की सीएम अनाउंसमेंट की समीक्षा 29 अप्रैल को करेंगे। नायब सिंह सैनी ने कहा कि चैक डैम के निर्माण में गुणवत्ता के साथ किसी भी कीमत पर समझौता न करें। उन्होंने सभी पुराने चैक डैम की वर्तमान स्थिति की जाँच करके उनकी मरम्मत करने के भी निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने आगामी बरसात के मौसम में सड़कों के किनारे पौधारोपण कर पेड़ बनने तक उनकी देखभाल सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हर जिला में कम से कम दो ऑक्सीवन लगाने की योजना को मूर्त रूप प्रदान करें ताकि स्वच्छ पर्यावरण सरंक्षण सुनिश्चित हो सके। उन्होंने घग्घर नदी को पर्यावरण की दृष्टि से साफ़ करने के निर्देश देते हुए कहा कि कुछ स्थानों पर एसटीपी के माध्यम से गंदे पानी को साफ़ करके घग्गर में डाला जा रहा है , इस दौरान ध्यान रखें कि एसटीपी खराब न हो और गन्दा पानी बाईपास करके इस नदी में न जाये। अगर किसी जगह पर इस प्रकार की शिकायत मिली तो एसटीपी के ठेकेदार को पेनल्टी लगाई जाए। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सीएम अनाउंसमेंट से संबंधित परियोजनाओं को निर्धारित अवधि में पूरा करने के निर्देश देते हुए कहा कि प्रोजेक्ट तैयार होने में देरी होने से उसकी लागत भी बढ़ती है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर किसी वाज़िब कारण से कार्य को पूरा करने में देरी होती है तो अधिकारी फाइल पर देरी होने का कारण अवश्य लिखें। उन्होंने भविष्य में एचएसआईआईडीसी के औधोगिक क्षेत्रों में फायर ब्रिगेड के कार्यालय हेतु जगह सुनिश्चित करने को कहा ताकि उद्योग में होने वाली किसी आगजनी की घटना पर काबू पाने में देरी न हो। न्होंने अधिकारियों को पूरी ईमानदारी से कार्य करने की सलाह देते हुए कहा कि वे विभिन्न योजनाओं एवं परियोजनाओं को पूरा करवाने में पूरी तरह से पारदर्शिता बरतें। राज्य सरकार का प्रमुख ध्येय अंत्योदय की भावना से काम करते हुए समाज के गरीब से गरीब व्यक्ति तक योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ समय पर पहुँचाना है। इस अवसर पर मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी सहित विभिन्न विभागों के प्रशासनिक सचिव सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

लेफ्टिनेंट विनय नरवाल के परिवार को 50 लाख और एक सदस्य को नौकरी मिलेगी : सैनी

चंडीगढ़,26 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा किए गए नरसंहार में मारे गए करनाल निवासी भारतीय नौ सेना के लेफ्टिनेंट 26 वर्षीय विनय नरवाल के परिवार को 50 लाख रुपए तथा परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने वादा किया है कि विनय नरवाल के माता-पिता परिवार के जिस सदस्य को चाहेंगे, उसे सरकार की नीति के अनुसार नौकरी दी जाएगी। गौरतलब है कि 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम में निहत्थे पर्यटकों पर आतंकवादियों ने हमला कर दिया था, जिसमें विनय नरवाल की मौत हो गई थी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आतंकवादियों के इस कायरतापूर्ण कृत की सख्त शब्दों में निंदा की है।

मुख्यमंत्री ने रविदास मंदिर एवं धर्मशाला में अंबेडकर भवन का किया उद्घाटन

कुरुक्षेत्र,26 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहाकि केन्द्र और राज्य की डबल इंजन सरकार बाबा साहेब डा. बीआर अंबेडकर के मार्ग और आदर्शों को अपनाकर समाज के अंतिम व्यक्ति का उत्थान कर रही है। डबल इंजन की सरकार ने गरीब लोगों को सशक्त बनाने, अति पिछड़े लोगों को खुशहाल बनाने, हर नागरिक को न्याय दिलवाने के लिए योजनाओं को अमलीजामा पहनाया है। सरकार ने वर्ष 2025 को संविधान गौरव वर्ष के रूप में मनाने का निर्णय लिया ताकि बाबा साहेब के आदर्शों और उनके द्वारा किए गए कार्यों को याद किया जा सके। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी शुक्रवार को कुरुक्षेत्र में रविदास मंदिर एवं धर्मशाला की तरफ से आयोजित डा. बीआर अंबेडकर सम्मान समारोह एवं संगोष्ठी कार्यक्रम में बोल रहे थे। इससे पहले मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने रविदास मंदिर एवं धर्मशाला में अंबेडकर भवन का उद्घाटन किया। इसके उपरांत मुख्यमंत्री ने संत शिरोमणि गुरु रविदास जी के मंदिर में प्रदेशवासियों की सुख समृद्धि के लिए पूजा अर्चना की। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने संस्था को 21 लाख रुपए देने की घोषणा की है।

विवाद सुलझाने गए नीतीश सरकार के अधिकारी पर जानलेवा हमला

पंचायत भवन बनाने का विरोध कर रहे थे दबंग

पटना (एजेंसियां)। बेगूसराय के लरुआरा में पंचायत सरकार भवन निर्माण के क्रम में बिहार सरकार की सत्ताधारी दल जदयू विधायक के सामने ही बिहार सरकार के अधिकारी पर हमला हो गया। हालांकि अब पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पर, सियासी गलियारे में इस घटना की चर्चा जोरों पर है।

इतना ही जिस पंचायत में भवन निर्माण को लेकर वाद विवाद पैदा हुआ उस पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि भी जदयू के प्रदेश महासचिव हैं। दरअसल, सदर प्रखंड के लडवारा पंचायत में पंचायत सरकार भवन निर्माण को लेकर कई महीनो से प्रक्रिया चल रही है। लेकिन, लरुआरा पंचायत के ही एक दबंग परिवार द्वारा इसका विरोध किया जा रहा था। निर्माण कार्य भी नहीं होने दिया जा रहा था। इसके बाद बीते दिनों जिला प्रशासन और सत्ताधारी दल के नेताओं द्वारा इस मामले को गंभीरता से लेकर उक्त निर्माण के लिए तैयारी की गई थी। प्रशासनिक आदेश भी निकल गए थे पर जिस गांव में पंचायत सरकार भवन का निर्माण होना था वहां पर अल्पसंख्यकों की आबादी अत्यधिक है।

बताया जा रहा है कि स्थानीय अल्पसंख्यक दबंग परिवार के द्वारा लोगों की भीड़ जुटाकर प्रशासनिक आदेश की भी धज्जियां उड़ाई गईं। इतना ही नहीं इस दौरान एसडीएम पर हमले और सरकारी मोबाइल तोड़ देने की भी घटना हुई। अब जिला प्रशासन और इस मामले मसले को लेकर गंभीरता बरत रही है।

बताया जा रहा है कि बीते दिनों पंचायत सरकार भवन निर्माण के विरोध को देखते हुए एसपी और सदर एसडीएम के आदेश पर दंडाधिकारी की नियुक्ति हुई थी। तय समय में निर्माण कार्य पूरा कराने का भी निर्देश था। लेकिन, कुछ ग्रामीणों के विरोध के कारण काम शुरू नहीं हो पाया था। इसी को लेकर 23 अप्रैल को जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों के साथ बैठक बुलाई गई। इसमें यह तय हुआ था कि सरकार द्वारा निर्धारित स्थल पर ही भवन बनेगा। बैठक के बाद भी कुछ असामाजिक तत्वों ने ठेकेदार को काम करने से रोक दिया और हंगामा शुरू कर दिया। सदर एसडीएम ने जब समझाने की कोशिश की तो आरिफ ने उनके साथ अभद्र व्यवहार किया। उक्त सरकारी कार्य में बाधा डाला और मोबाइल छीनने का प्रयास किया। सुरक्षाकर्मियों ने आरिफ को पकड़कर पुलिस को सौंप दिया है।

मामले में सिंघौल थाना पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस सम्बंध में सदर डीएसपी सुबोध कुमार ने बताया कि पंचायत भवन निर्माण को लेकर विवाद चल रहा था। इसे लेकर मटिहानी के विधायक राजकुमार सिंह, स्थानीय मुखिया और एसडीओ बैठक करने पहुंचे थे। इसी दौरान कुछ लोगों ने हंगामा किया गया। देखते ही देखते आरिफ और उसके समर्थकों ने हमला कर दिया। हालांकि, पुलिसकर्मियों ने फौरन उसे हिरासत में ले लिया। मामले में आगे की कार्रवाई चल रही है।

आतंकी हमले के विरोध में मुंगेर बाजार बंद लोगों ने लगाए पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे

मुंगेर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए पर्यटकों की हत्या के विरोध में मुंगेर बाजार आज पूरी बंद है। मुंगेर चेंबर ऑफ कॉमर्स के आवाह्न पर यह बंद किया गया है। चेंबर के सदस्यों और व्यवसाइयों ने शहर में घूम-घूम कर दुकान बंद करवाई। सदस्यों ने पाकिस्तान मुर्दाबाद आतंकी पर कार्रवाई हो, इसको लेकर जमकर नारेबाजी भी की।

वहीं, सिर्फ आवश्यक सेवा जैसे मेडिकल स्टोर, दूध की दुकान और डॉक्टर के क्लीनिक खुल रहे।

चेंबर ऑफ कॉमर्स के सचिव संतोष अग्रवाल और मनोज जैन ने केंद्र सरकार से पाकिस्तान के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

उन्होंने कहा कि पहलगाम में आतंकी की पर्यटकों के द्वारा हत्या कायरता पूर्ण है। इससे देश के हिंदुस्तानी बर्दाश्त नहीं करेगा।

मनोज जैन ने कहा कि हमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर पूरा भरोसा है। वह इसका जवाब पाकिस्तानियों को जरूर देंगे। सचिव संतोष अग्रवाल ने कहा, अगर सरकार हम लोगों को छोड़ दे तो पाकिस्तान में घुसकर आतंकवादियों को मारेंगे। इस दौरान सदस्यों ने पाकिस्तान मुर्दाबाद का विरोध करते हुए जमकर नारेबाजी भी की।

सभी विपक्षी दल और दुकानदार ने इस बंद का समर्थन किया है। चेंबर के सदस्यों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर विश्वास जताते हुए कहा कि वह इस हमले पर उचित जवाब देंगे।

कई के खेत में मिला 65 साल के व्यक्ति का शव, सिर पर चोट के निशान

पूर्णिया (एजेंसियां)। किशनगंज में एक बुजुर्ग व्यक्ति का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मक्के के खेत से बरामद हुआ है। खेत से शव बरामद होते ही इलाके में सनसनी फैल गई है और मौके पर पहुंची पुलिस जांच में जुट गई है।

मिली जानकारी के अनुसार, घटना शनिवार दोपहर करीब 12 बजे की है। जब पौआखाली थाना क्षेत्र के डठझ चौक के नजदीक स्थानीय कुछ ग्रामीणों के द्वारा शव को मकई के खेत में देखा गया। शव को देख इलाके में खबर आग की तरह फैल गई। साथ ही पौआखाली थाना की पुलिस को मामले की जानकारी दी गई। मौके पर थाना अध्यक्ष आशुतोष कुमार और एसडीपीओ-2 मंगलेश कुमार अपने दल बल के साथ पहुंचे।

मृतक की पहचान डुमरिया पंचायत के सिंगारमनी वार्ड संख्या 10 के रहने वाले 65 वर्षीय सत्यवान मुर्मू के रूप में हुई है। मृतक व्यक्ति बीते रात से अपने घर से गायब था और उसका फोन भी बंद आ रहा था। परिजनों ने उसे बहुत खोजा, मगर कही नहीं मिला और आज उसका शव लावारिश अवस्था में बरामद हुआ है। शव के मिलते ही परिजनों के बीच कोहराम मच गया है और मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है।

एसडीपीओ मंगलेश कुमार ने बताया कि व्यक्ति के सिर पर चोट के निशान हैं और गले में कपड़ा बंधा हुआ है। शव नग्न अवस्था में बरामद हुआ है। प्राथमिक दृष्टिकोण से हत्या मालूम पड़ रहा है। फिलहाल, शव को कब्जे में लिया गया है और पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मामले का खुलासा हो पाएगा। अभी मौके पर डॉग स्क्वॉड की टीम भी आई हुई है, आगे की जांच की जा रही है।

वक्फ कानून के खिलाफ प्रदर्शन : केंद्र सरकार से किया वापस लेने की मांग

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर जिले में ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के आह्वान पर शनिवार को मुस्लिम समुदाय के लोगों ने प्रदर्शन मार्च निकाला और सरकार के खिलाफ जमकर विरोध किया। पूरे शहर के अलग- अलग जगहों से निकली मुस्लिम समुदाय के लोगों ने प्रदर्शन किया। वहीं, इस प्रदर्शन मार्च को लेकर पुलिस अलर्ट मोड पर रही।

सभी ने वक्फ बचाओ-संविधान बचाओ रैली निकाली। यह रैली केंद्र सरकार के खिलाफ में निकाली गई। इस जुलूस के माध्यम से वक्फ संशोधन कानून का विरोध किया गया और डीएम के माध्यम से ज्ञापन सौंपकर राष्ट्रपति से कानून वापस लेने की मांग की गई है। साथ ही कहा कि यह संविधान और हमारे शरिया कानून के खिलाफ में है।

आपको बता दें कि यह रैली शहर के अलग-अलग जगहों जिले चंदवारा स्थित जेल चौक ब्रह्मपुरा थाना क्षेत्र कांटी थाना क्षेत्र काजी मोहम्मदपुर थाना क्षेत्र और नगर थाना क्षेत्र से निकली और सभी शहर के क्लब मैदान में पहुंचे। जहां जुलूस को सभा में तब्दील कर वक्फ संशोधन कानून के नुकसान को बताया गया है। सभी लोगों ने सरकार से इस कानून को वापस लेने की मांग की है। इस दौरान कई लोग सड़क पर बैठ गए तो कई ने सड़क को जाम कर वक्फ कानून वापसी की मांग की है।

वक्फ कानून के विरोध में जहां पर आज शिया समुदाय के धर्मगुरु सैय्यद बुखार अहमद रिजवी ने बताया है कि वक्फ में अगर कोई खराबी है तो उसे ठीक किया जाए। सरकार ने जो वक्फ कानून बनाया है, वह मुसलमान के साथ में नाइंसाफी है। केंद्र को सरकार सिस्टम को ठीक करे, वक्फ की सूरत नहीं बदले। इस नाइंसाफी को सुप्रीम कोर्ट ने पकड़ लिया है। इसलिए उस पर भी दबाव बनाया जा रहा है।

अब यह सरकार कह रही है कि जिस संपत्ति की अब तक कोई भी दस्तावेज नहीं है, वक्फ नहीं माना जाएगा तो सरकार इसकी जांच करे। लेकिन कानून न बदले। हम लोगों को सुप्रीम कोर्ट पर भरोसा है और अगर सरकार नहीं मानी तो आंदोलन जारी रहेगा। वहीं, डॉ महमूदुल हसन ने बताया कि हम लोग नए वक्फ कानून को वापस करने की मांग करते हैं और भी यह कानून संविधान और मुसलमानों के खिलाफ है। सरकार की नियत ठीक नहीं है, वह वक्फ की जमीन अपने दोस्तों को देना चाहती है।सरकार मुसलमानों को तोड़ने के लिए भ्रम पैदा कर रही है। हम सरकार को चुनौती देते हैं कि अगर यह कानून वापस नहीं किया तो हम चरणबद्ध तरीके से आंदोलन करेंगे।

सीएम नीतीश ने बिहार प्रदेश जदयू विधि प्रकोष्ठ की ओर से आयोजित अधिवक्ता समागम का किए उद्घाटन

पटना (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को जदयू पार्टी कार्यालय स्थित कर्पूरी सभागार में बिहार जदयू विधि प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित अधिवक्ता समागम का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन किया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आप सभी लोगों का मैं हार्दिक अभिनंदन करता हूं। बहुत खुशी की बात है कि हाल ही में जदयू विधि प्रकोष्ठ का गठन किया गया है।

उन्होंने कहा, मुझे पूरा विश्वास है कि विधि प्रकोष्ठ के अधिवक्ता साथी पार्टी को मजबूती प्रदान करेंगे। आप सब न्याय के साथ विकास के सरकार के संकल्प को जमीन पर क्रियान्वित करने में सहयोग करेंगे। उन्होंने कहा कि आगामी बिहार विधानसभा चुनाव में पूरी मजबूती के साथ पार्टी को जीत दिलाने में आप लोग अपना पूरा योगदान देंगे। आप सबसे आग्रह है कि पूरी ताकत से एकजुट होकर काम करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम लोगों ने समाज के सभी वर्गों एवं राज्य के सभी क्षेत्रों के विकास के लिये काम किया है। महिलाओं के उत्थान के लिये काफी कार्य किया गया है। हम शुरू से एनडीए के साथ रहे हैं, बीच में हम उधर चले गये थे। लेकिन अब कहीं नहीं जायेंगे, एनडीए के साथ ही रहेंगे। हम लोग एनडीए के सभी साथी एकजुट होकर बिहार विधानसभा चुनाव लड़ेंगे। इस कार्यक्रम के आयोजन के लिये आप सभी को धन्यवाद देता हूं।

इस अवसर पर जदयू के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय कुमार झा, जल संसाधन सह संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, ऊर्जा सह योजना एवं विकास मंत्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव, ग्रामीण कार्य मंत्री अशोक चौधरी, शिक्षा मंत्री सुनील कुमार, विधान पार्षद संजय कुमार सिंह उर्फ गांधी जी, विधान पार्षद ललन सर्राफ, जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा, पूर्व मंत्री श्याम रजक, जदयू विधि प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. आनंद कुमार सहित सभी जिलों से आये हुये बड़ी संख्या में अधिवक्तागण एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आतंकी हमले की मुस्लिम समाज ने की निंदा, काली पट्टी बांधकर जताया विरोध

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के विरोध में मुस्लिम समाज ने शनिवार को शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया। पिपराही थाना क्षेत्र के बसहिया शैख गोट रैन के पास मुस्लिम समुदाय के लोगों ने एकजुट होकर आतंकवाद की निंदा की।

इस दौरान लोगों ने अपनी बाहों पर काली पट्टी बांधी। एक मिनट का मौन रखकर पहलगाम हमले में मारे गए 26 लोगों को श्रद्धांजलि दी। इमाम शरफ आलम ने बताया कि इस हमले में आतंकियों ने निहत्थे पर्यटकों को निशाना बनाया था। मारे गए लोगों में कई राज्यों के पर्यटक और दो विदेशी नागरिक शामिल थे। इसकी जितनी निंदा की जाए कम है। वहीं, प्रधानमंत्री से इसका मुंहतोड़ जवाब देने की मांग की।

उलेमा हाफिज अब्दुल सलाम ने कहा कि आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता।

यह हमला मानवता और शांति पर हमला है। उन्होंने कहा कि मुस्लिम समाज आतंकवाद को किसी भी रूप में बर्दाश्त नहीं करेगा।

उलेमा नजबुल हसन ने देशवासियों से अपील की कि इस दुख की घड़ी में सभी धर्मों के लोग एकजुट होकर आतंकवाद के खिलाफ लड़ें। देश में शांति और भाईचारा बनाए रखें।

नेयाज अहमद ने जिले की सभी मस्जिदों से इसी तरह विरोध दर्ज करने की अपील की। प्रदर्शन के दौरान उन्होंने हिंदुस्तान जिंदाबाद और पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगाए। विरोध प्रदर्शन पूरी तरह शांतिपूर्ण रहा।

मौके पर मोहम्मद नेयाज अहमद उर्फ मोती, मोहम्मद गुलाब, मोहम्मद जिलानी, मोहम्मद मंजूर सहित मुस्लिम समुदाय के लोग शामिल रहे।

बच्ची से दुष्कर्म करने वाला आरोपी गिरफ्तार

वैशाली (एजेंसियां)। बताया गया कि घटना तब हुई, जब बच्ची 10 रुपये घर से लेकर घर के ही पास दुकान में बिस्किट खरीदने जा रही थी। उसी समय आरोपी द्वारा नाबालिग को अपहरण कर लिया गया और उसका मोबाइल छीन कर पड़ोस के ही मक्के के खेत में फेंक दिया गया।

उसके बाद आरोपी के द्वारा बच्ची के साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया है। बहुत देर तक जब बच्ची बिस्किट लेकर अपने घर नहीं लौटी तो परिवार वाले आसपास खोजबीन शुरू किए। इसके बाद बच्ची को बेहोशी की हालत में परिवार वालों ने बरामद किया। वहीं, तुरंत बच्ची को स्थानीय अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया, जहां पर डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे बेहतर इलाज के लिए हाजीपुर सदर अस्पताल में रेफर कर दिया। जहां पर डॉक्टर के द्वारा बच्ची का इलाज किया गया है।

इसकी सूचना स्थानीय थाने को दी गई। स्थानीय थाने के पुलिस पूरे मामले की जांच पड़ताल में लग गई और दुष्कर्म की घटना को लेकर मामला भी दर्ज कर लिया है। इसी दौरान पूरे मामले की जांच के दौरान आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया और पूछताछ में घटना के बारे में स्वीकार किया है। कोई गिरफ्तार आरोपी के बारे में बताया गया कि इससे पहले भी घटना को गांव में ही अंजाम दे चुका है।

आरोपी साल 2013 में पड़ोसी के साली के साथ भी छेड़खानी की घटना को अंजाम दिया था। उस समय स्थानीय लोगों के द्वारा पंचायत कर पूरे मामले को समझौता करवा दी गई थी। लेकिन 2014 में एक बच्ची के साथ छेड़खानी किया था। उस मामले में पुलिस ने जेल भेज दिया था। आरोपी शादीशुदा है, एक बेटी दो बेटी हैं। बड़ी बेटी की शादी दो साल पहले कर चुका है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरि जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com